PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, शनिवार
30.11.2024
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 11, अंक : 294

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

पर्यटन क्षेत्र में लोगों के जीवन में समृद्धि लाने की क्षमता: प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि पर्यटन क्षेत्र में अनेक लोगों के जीवन में समृद्धि लाने की क्षमता है, इसे देखते हुए सरकार भारत के पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "पर्यटन में अनेक लोगों के जीवन में समृद्धि लाने की क्षमता है। हमारी सरकार भारत के पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिक से अधिक लोग अतुल्य भारत के चमत्कारों का अनुभव कर सकें।" इससे पहले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एक्स पर पोस्ट में कहा कि यह सुनिश्चित करना कि पूरी दुनिया भारत के हर कोने को देखे। भारत के पर्यटन क्षेत्र को भारी बढ़ावा देते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार ने आज पूंजी निवेश के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत 23

राज्यों में 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, ताकि प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि 3,295.76 करोड़ रुपये की लागत वाली ये परियोजनाएं स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी और स्थायी पर्यटन के माध्यम से रोजगार पैदा करेंगी। लोकप्रिय स्थलों पर भीड़भाड़ कम करने, उन्नत तकनीकों को एकीकृत करने, स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे और आगंतुकों के अनुभवों को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने से लेकर, भारत की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भव्यता का आनंद लेने की इच्छा रखने वाले सभी लोगों के लिए विश्व स्तरीय अनुभव सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए जाएंगे।

फिलिस्तीनी जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भारत विकास साझेदार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिलिस्तीनी जनता के साथ एकजुटता दिखाने के अंतरराष्ट्रीय दिवस पर अपने संदेश में कहा है कि भारत फिलिस्तीनियों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सहयोगियों के साथ दृढ़ता से खड़ा है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के परिणामस्वरूप दुखद जन हानि हुई है और फिलिस्तीन व व्यापक पश्चिम एशिया क्षेत्र के लोगों को भारी पीड़ा का सामना करना पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि संघर्ष विराम और सभी तरह की आतंकी कार्रवाइयों पर रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत वहां की वर्तमान सुरक्षा और मानवीय स्थिति को लेकर चिंतित है। हमारा मानना है कि बंधकों की रिहाई होनी चाहिए और फिलिस्तीन लोगों तक मानवीय सहायता सतत रूप से पहुंचनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने गोंदिया बस हादसे पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के गोंदिया में हुई बस दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये तथा घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र के गोंदिया में बस दुर्घटना में लोगों की मृत्यु से व्यथित हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावितों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

जहां पीएम खुद चादर चढ़वाते हैं, उसी दरगाह पर उनके लोग ही दावा ठोक रहे

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अजमेर दरगाह परिसर में शिव मंदिर होने के दावे से उठे विवाद पर बीजेपी, आरएसएस और पीएम नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता गहलोत ने कहा कि 15 अगस्त 1947 तक बने जो भी धार्मिक स्थान जिस स्थिति में हैं, वे उसी स्थिति में रहने वाले हैं, यह कानून बना हुआ है। उन पर सवाल उठाना गलत है। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि अजमेर दरगाह 800 साल पुरानी है। दुनियाभर से लोग यहां आते हैं। दुनिया के मुल्कों के मुस्लिम और हिंदू भी आते हैं। प्रधानमंत्री कोई भी हो, कांग्रेस, बीजेपी या किसी दल के हों, पंडित नेहरू के जमाने से मोदी जी तक तमाम प्रधानमंत्री की तरफ से दरगाह में चादर चढ़ती है।

बंगाल की खाड़ी से उठा तूफान फेंगल तमिलनाडु और पुडुचेरी में मचाएगा तबाही

एजेंसी। नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी से उठ रहा तूफान फेंगल कई राज्यों में उथलपुथल मचा सकता है। इसके चलते कुछ इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं। तमिलनाडु और पुडुचेरी को लेकर चेतावनी जारी हो चुकी है। इन जगहों पर स्कूल बंद कर दिए गए हैं। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल फेंगल साइक्लोन बंगाल की खाड़ी में तेज हो रहा है। अगले 48 घंटों में इसके चलते तेज हवाओं के साथ भारी बरसात होगी। तमिलनाडु के तटीय इलाकों, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में बाढ़ की भी चेतावनी दी गई है। पुडुचेरी के गृहमंत्री ए नामासिवायम ने यहां के सभी स्कूलों में अगले दो दिन के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) आरएमसी ने अपने हालिया बुलेटिन में कहाकि फेंगल तूफान श्रीलंका तट से होते हुए लगभग उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ेगा। अगले 12 घंटों के दौरान एक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जाएगा। इसके मुताबिक 30 नवंबर की सुबह के आसपास यह गहन दबाव क्षेत्र के रूप में कराईकल और महाबलीपुरम के बीच उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों को पार करेगा। इस दौरान 50-60 से लेकर 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। चेन्नई क्षेत्रीय मौसम केंद्र के निदेशक एस बालाचंद्रन ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में गहन दबाव का क्षेत्र बन रहा है। यह नागापट्टिनम दक्षिण पूर्व से अभी करीब 310, पुडुचेरी दक्षिण पूर्व से 410 किमी और चेन्नई से 480 किमी की दूरी पर है। फेंगल को लेकर तमिलनाडु में अधिकारियों ने चेतावनी जारी की है। इसके मुताबिक निचले और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षा मानकों का पालन करने को कहा गया है।मौसम विभाग के मुताबिक 29 और 30 नवंबर को तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में तेज से काफी तेज बरसात हो सकती है। इसमें 29 नवंबर को दक्षिण आंध्र प्रदेश, यणम और रायलासीमा में तेज बारिश होने का अनुमान है। 30 नवंबर और एक दिसंबर को केरल, माहे और दक्षिणी कर्नाटक के साथ-साथ तमिलनाडु, पुडेचुरी और करैकल में तेज से बहुत तेज बारिश होने का अनुमान है। हालात पर इसरो 23 नवंबर से ही नजर रखे हुए है। लोगों की मदद के लिए नेवी, एचएडीआर और एसएआर की टीमें लगी हुई हैं। एनडीआरएफ ने कहाकि उसकी टीम ने अधिकारियों के साथ टीआर पत्तनम, कराईकल में संवेदनशील और निचले इलाकों का निरीक्षण करते हुए जोखिम आकलन तथा सुरक्षा उपायों पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

अडाणी पर अमेरिका से नहीं मिला अनुरोध: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि गौतम अडाणी प्रकरण में उसे अमेरिका के जस्टिस विभाग की ओर से समन या गिरफ्तारी वारंट तामील करने का अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है। विदेशी सरकार की ओर से जारी किसी समन या वारंट की तामील परस्पर कानूनी सहायता प्रक्रिया के तहत की जाती है। ऐसे किसी अनुरोध पर गुण-दोष के आधार पर फैसला किया जाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गौतम अडाणी के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि यह एक निजी व्यक्ति और कंपनी तथा अमेरिका के न्याय विभाग के बीच का कानूनी मामला है। ऐसे मामलों में निश्चित कानूनी प्रक्रिया और उपाय हैं और हमें विश्वास है कि इसका पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौतम अडाणी प्रकरण में भारत सरकार को पहले से कोई सूचना नहीं दी गई। साथ ही दोनों देशों के बीच इस संबंध में कोई बातचीत भी नहीं हुई। प्रवक्ता ने दोहराया कि यह मामला निजी पक्षों से जुड़ा है तथा फिलहाल भारत सरकार इसके साथ कानूनी रूप से नहीं जुड़ी है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका की एक अदालत में गौतम अडाणी की कंपनी के खिलाफ मुकदमे में आरोप पत्र दाखिल हुआ है। कंपनी पर आरोप है कि उसने भारत में ठेके हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को कथित रूप से रिश्वत देने की साजिश रची।

ईडी ने डेयरी कंपनी क्वालिटी लिमिटेड के पूर्व प्रमोटरों के 1.3 करोड़ रुपये किए जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डेयरी कंपनी क्वालिटी लिमिटेड के पूर्व प्रमोटरों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद 1.3 करोड़ रुपये की नकदी और मुखौटा कंपनियों से जुड़े साक्ष्य जब्त किए हैं। ईडी ने यह कार्रवाई 1400.62 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की है। ईडी ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि उसने डेयरी कंपनी क्वालिटी लिमिटेड के पूर्व प्रवर्तकों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद 1.3 करोड़ रुपये की नकदी और मुखौटा कंपनियों से जुड़े साक्ष्य जब्त किए हैं। एजेंसी ने इस मामले में 27 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर में 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें तत्कालीन निदेशक संजय ढींगरा और सिद्धांत गुप्ता और उनसे संबंधित अन्य फर्जी कंपनियों से जुड़े 15 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान 1.3 करोड़ रुपये की नकदी और विभिन्न अपराध-संकेती साक्ष्य बरामद कर जब्त किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान लगभग 2.5 करोड़ रुपये मूल्य की लग्जरी कारें और डीमैट खाते भी मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत फ्रीज किए गए हैं। दरअसल क्वालिटी लिमिटेड का परिसमापन (लिक्विडेशन) हो चुका है। ईडी ने ये कार्रवाई सितंबर 2020 में सीबीआई की ओर से उक्त प्रमोटरों और क्वालिटी लिमिटेड के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर की गई है, जो दूध, आइस्क्रीम और अन्य डेयरी उत्पादों के प्रसंस्करण एवं व्यापार में लगी हुई थी।

केंद्र से 1.36 लाख करोड़ की वसूली करेगा झारखंड : सीएम हेमंत

एजेंसी। रांची

झारखंड में नए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शपथ लेते ही केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि झारखंड सरकार केंद्र सरकार से कोयले की 1.36 लाख करोड़ रुपए की वसूली करेगी। बता दें कि सोरेन ने 2 नवंबर को एक्स पर लिखा था कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री झारखंड आ रहे हैं। मैं उनसे एक बार फिर हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि वे प्रदेश के लोगों का 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया (कोयला बकाया) चुकाएं। यह रकम झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।सोरेन ने वर्तमान सरकार की मंत्रिमंडल की पहली बैठक के निर्णयों की मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र के पास राज्य के लंबित 1.36 लाख करोड़ रुपये वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कैबिनेट बैठक में लिया गया, लेकिन दिन में किसी भी मंत्री ने शपथ नहीं ली। दोबारा निर्वाचित होने के बाद सोरेन की पहली आधिकारिक बैठक मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई, जहां उन्होंने राज्य के मामलों पर चर्चा की और सोरेन ने प्रधानमंत्री को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया।

सिद्धू के हल्दी व नीम के पत्ते से कैंसर का इलाज दावे पर हैरान हुए डॉक्टर्स

एजेंसी। नई दिल्ली

- टाटा मेमोरियल अस्पताल ने 262 कैंसर चिकित्सकों वाला बयान किया जारी

राजनेता, सेलेब्रिटी और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने हाल में अपनी पत्नी के स्टेज 4 ब्रेस्ट कैंसर से रिकवरी का किस्सा साझा किया। इसमें खुशी का इजहार कर सिद्धू ने रिकवरी का श्रेय पत्नी के खाने-पीने और जीवनशैली में लाए गए बदलाव को दिया। उन्होंने बताया कि चीनी और डेयरी प्रॉडक्ट्स छोड़ने और हल्दी व नीम के पत्ते खाने से पत्नी की जल्द रिकवरी हुई। सिद्धू के विडियो को सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया।

बात रोचक है, लेकिन इस वीडियो ने मेडिकल जानकारों को फिक्रमंद कर दिया है। अब टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल कैंसर के इलाज के लिए देश में जाना-माना संस्थान है। इस मामले को लेकर टाटा मेमोरियल अस्पताल ने 262 कैंसर डॉक्टरों के दस्तखत वाला बयान जारी किया है। इसमें डॉक्टरों ने कहा है कि जिस इलाज की सत्यता की जांच नहीं की जा सकती, उस इलाज को अपनाने के बजाय लोग उसी तरीके का इस्तेमाल करें, जो जांचा-परखा है। डॉक्टरों का संदेश है, शुरुआत में पता चलने से कैंसर ठीक हो सकता है। इसके लिए जांचे-परखे तरीकों में सर्जरी, रेडिएशन थैरपी और कीमोथैरपी शामिल हैं।' कैंसर के इलाज में गुमराह करने वाले दावे किस कदर खतरनाक साबित हो सकते हैं, डॉक्टरों ने अपने बयान के जरिये इस ओर भी इशारा किया।

सांइस के अनुसार : स्टेज 4 कैंसर रोग की विकसित अवस्था है। इसमें कैंसर कई अंगों तक फैल चुका होता है। ऐसी स्थिति में समय रहते और आधुनिक इलाज की आवश्यकता है। जिसमें सर्जरी, कीमोथैरपी, रेडिएशन थैरपी, इम्यूनोथैरपी और टारगेटेड थैरपी। इन उपायों से कैंसर को रोकने और रोगी की उम्र बढ़ाने में मदद मिलती है। वहीं, जब हल्दी, नीम जैसे भ्रामक उपायों से रोग ठीक करने के दावे किए जाते है,तब कई रोगी उससे प्रभावित होकर इलाज में देरी कर सकते हैं। ऐसा करने पर उनके बचने के आसार कम हो सकते हैं। वहीं जब सिद्धू जैसे सेलेब्रिटी और जाने-माने लोग ऐसी बातें साझा करते हैं, तब उसका लोगों के बीच असर होता है। उनकी बात करोड़ों लोगों तक जाती है।

हम किसानों की शिकायतों को लेकर मूकदर्शक बने नहीं रह सकते: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश के किसानों को हर हाल में अच्छी गुणवत्ता की खाद, बीज और कीटनाशक मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने मंत्रालय की विभागवार समीक्षा के दौरान इस संबंध में अफसरों को किसानों की व्यापक भलाई के लिए, दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी व प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। चौहान ने कहा कि कई राज्यों में ऐसे दोषी लोगों के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई प्रभावी नहीं होने वे छूट जाते हैं, इस बारे में वे स्वयं शीघ्र ही राज्य सरकारों से बात करेंगे, ताकि राज्यों के स्तर पर प्रभावी कार्रवाई निरंतर की जाती रहे और जो कोई भी दोषी पाया जाएं, उन्हें कड़ी सजा मिल सकें, जिससे कि ऐसे घृणित कृत्य रूक सकें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के आम किसानों के हित में वे इस संबंध में किसी भी हालत में सख्त से सख्त कार्रवाई चाहते हैं। कृषि भवन, नई दिल्ली में कृषि मंत्रालय की विभागवार समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि राज्यों में प्रवास के दौरान किसान हमसे शिकायत करते हैं कि उन्हें कई बार घटिया क्वालिटी के ये आदान मिलते हैं, जिससे उन्हें नुकसान होता है।

नेशनल हाईवे पर अतिक्रमण मामले में मप्र अव्वल

नई दिल्ली। नेशनल हाईवे (एनएच) पर अतिक्रमण मामले में मध्य प्रदेश देश में सबसे आगे है। जबकि बीते 5 महीनों में मध्य प्रदेश में 1866 अतिक्रमण हटाए गए हैं।

यह जानकारी लोकसभा में भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी के एक सवाल के जवाब में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दी है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि नेशनल हाईवे पर शहरी भवन निर्माण (रिबन विकास), अनाधिकृत पार्किंग और अन्य अतिक्रमणों के कारण घटनाएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों के सहयोग से इन अतिक्रमणों की पहचान कर उन्हें हटाने के प्रयास तेज किए हैं।

मप्र के बाद तमिलनाडु का नंबर : नेशनल हाईवे पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में मध्य प्रदेश के बाद तमिलनाडु का नंबर आता है। अतिक्रमण मामले में दूसरे नंबर पर तमिलनाडु में अतिक्रमण है, जहां कार्रवाई की गई है। यह दिखाता है कि शहरीकरण और यातायात के बढ़ते दबाव के बीच हाईवे अतिक्रमण एक बड़ी चुनौती बन रहा है। अतिक्रमण रोकने के लिए केंद्र सरकार ने राजमार्ग यात्रा नामक मोबाइल एप लॉन्च किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 8 जनवरी तक केस में कोई एक्शन न लें सर्वे रिपोर्ट भी न खोलें

एजेंसी। नई दिल्ली

संभल मस्जिद विवाद के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि इस मामले में 8 जनवरी तक किसी तरह का कोई एक्शन न लें और न ही सर्वे रिपोर्ट को उजागर करें। क्योंकि देश में शांति रहना बेहद जरुरी है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए आदेश दिया है कि मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट खुलेगी नहीं। कोर्ट ने चंदौसी की ट्रायल कोर्ट से कहा कि 8 जनवरी तक केस में कोई एक्शन न लें। शांति जरूरी है। साथ ही, यह भी निर्देश दिया कि जब तक शाही ईदगाह कमेटी हाईकोर्ट नहीं जाती। तब तक इस मामले को आगे न बढ़ाया जाए। इससे पहले, चंदौसी की सिविल कोर्ट में मामले में सुनवाई हुई। शुक्रवार को कोर्ट ने सर्वे रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। हालांकि, रिपोर्ट पेश नहीं की गई। एडवोकेट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने कहा- 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हिंसा हो गई थी, इसलिए रिपोर्ट तैयार नहीं हो पाई।जामा मस्जिद के वकील शकील अहमद ने कहा- कोर्ट से हमने इस केस से जुड़े सभी डॉक्यूमेंट मांगे हैं। सर्वे रिपोर्ट आज सबमिट नहीं की गई। मस्जिद में अब कोई और सर्वे नहीं होगा। कोर्ट अब इस केस में अगली सुनवाई 8 जनवरी को करेगा।

जुमे को देखते हुए पूरे शहर में फोर्स तैनात : संभल हिंसा का शुक्रवार को 6वां दिन है। जुमे को देखते हुए पूरे शहर में फोर्स तैनात है। संवेदनशील इलाकों की बैरिकेडिंग की गई है। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने कहा- सभी अपनी-अपनी मस्जिदों में नमाज अदा करेंगे। बाहरी ताकतें यहां न घुस पाएं, हम इस पर नजर रख रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति की 'स्मृति लोप' की बात करना दुर्भाग्यपूर्ण: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को लेकर की गई टिप्पणी को विदेश मंत्रालय ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि इस तरह के बयान दोनों देशों के बीच मधुर और महत्वपूर्ण संबंधों के अनुरूप नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री मोदी से तुलना करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के 'स्मृति लोप' की बात करने पर एक प्रश्न पूछा गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत-अमेरिका बहुआयामी साझेदार हैं। दोनों देशों के बीच यह संबंध दोनों ओर से दृढ़ता, एकजुटता और आपसी सम्मान व प्रतिबद्धता के पालन से बने हैं। इस तरह के बयान भारत की स्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के अमरावती में प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी करते हुए राहुल गांधी ने उनकी तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति से की थी।

गूगल मैप्स जैसी तकनीकी सेवाओं पर आंख बंद कर भरोसा करना खतरनाक

नई दिल्ली। क्या गूगल मैप्स टेक्नोलॉजी पर अंधाधुंध भरोसा करना खतरनाक हो सकता है। बीते दिनों हुई कुछ गंभीर दुर्घटनाओं की वजह से ये सवाल उठना लाजिमी है। हाल ही में बरेली में हुई एक दर्दनाक घटना ने गूगल मैप्स की विश्वसनीयता और उसके संभावित खतरों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। तीन दोस्त गूगल मैप्स की मदद से यात्रा कर रहे थे, लेकिन उनकी कार एक अधूरे पुल पर चढ़ गई, जो आगे से खत्म था, और कार पुल से गिर गई, जिससे तीनों की मौत हो गई। इससे पहले केरल में भी इसी तरह की एक घटना हुई थी, जहां गूगल मैप्स के मार्गदर्शन पर चलते हुए दो डॉक्टरों की कार नदी में गिर गई और

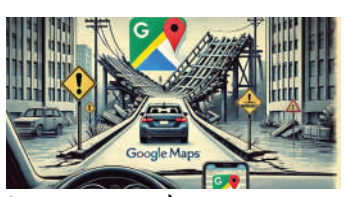

वे डूब गए। गूगल मैप्स एक अत्याधुनिक प्रणाली है, जो जीपीएस, सैटेलाइट इमेजरी, रीयल-टाइम ट्रैफिक डेटा और यूजर अपडेट्स के आधार पर रास्तों की जानकारी प्रदान करता है। इसका एल्गोरिदम यह तय करता है कि सबसे छोटा और आसान रास्ता कौन सा है। लेकिन इसका एक बड़ा खतरा यह है कि गूगल मैप्स का डेटा हमेशा पूरी तरह से अपडेटेड नहीं होता। कई बार जिन रास्तों पर काम चल रहा हो या जो अधूरे हों, वे भी नेविगेशन में शामिल हो जाते हैं। गूगल मैप्स क्राउडसोर्स्ड डेटा पर भी निर्भर करता है, जिसका मतलब है कि यूजर्स द्वारा दिए गए इनपुट पर यह प्रणाली काम करती है। अगर किसी सड़क या पुल के बारे में सही जानकारी नहीं दी जाती, तो गूगल का एल्गोरिद्म उसे सुरक्षित मान सकता है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई पुल अधूरा है या बंद हो, और इसे सिस्टम में अपडेट नहीं किया गया है, तो गूगल मैप्स इसे चालू और सुरक्षित मान सकता है। इस प्रकार, गूगल मैप्स कभी-कभी गलत मार्गदर्शन कर सकता है, जिससे सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा के वंशज के निधन पर शोक जताया

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि यह समाचार अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में दोषी को तीन साल की सजा

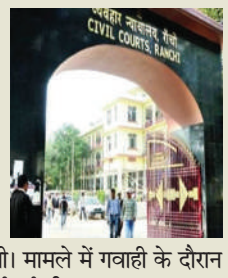

रांची। नाबालिग से यौन उत्पीड़न के एक मामले में विशेष कोर्ट ने शुक्रवार को पोक्सो एक्ट के तहत विनोद लोहरा को दोषी माना और उसे तीन साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि न देने पर उसे अतिरिक्त सजा काटनी होगी। पीड़िता के परिजन ने मांडर थाना में अप्रैल 2021 में अभियुक्त के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले में गवाही के दौरान अभियोजन की ओर से ठोस गवाही दर्ज कराई गई थी।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत पर हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 13 को

रांची। निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने ईडी को इस मामले में ट्रायल की क्या स्थिति है, यह बताने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट अब पूजा सिंघल की जमानत पर 13 दिसंबर को सुनवाई करेगा। इससे पहले रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने 26 सितंबर को पूजा सिंघल को बेल देने से इनकार करते हुए उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। ईडी ने 5 मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये कैश बरामद हुए थे। इसके बाद ईडी ने पूजा सिंघल और सीए सुमन सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। दोनों से हुई पूछताछ में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी।

एलएम आईटीआई कॉलेज में मना ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि

हजारीबाग। लखन मेहता आईटीआई कॉलेज में शुक्रवार को भी ज्योतिबा फुले का पुण्यतिथि मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बरकट्ठा विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद मेहता ने ज्योतिबा फुले के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया। मेहता ने कहा कि महात्मा जोतिराव गोविंदराव फुले एक भारतीय समाज सुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रान्तिकारी कार्यकर्ता थे। इन्होंने महाराष्ट्र में सत्य शोधक समाज नामक संस्था का गठन किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं व पिछड़े के उत्थान के लिए इन्होंने अनेक कार्य किए। समाज के सभी वर्गों को शिक्षा प्रदान करने के ये प्रबल समर्थक थे। वे भारतीय समाज में प्रचलित जाति पर आधारित विभाजन और भेदभाव के विरुद्ध थे। मेहता ने यह भी कहा कि ज्योतिबा फुले का विचार शिक्षा का अधिकार प्रदान करना, बाल विवाह का विरोध, विधवा विवाह का समर्थन करना रहा है। मौके पर लखन मेहता आईटीआई कॉलेज के डायरेक्टर डॉ रंजन मेहता, लखन मेजता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जिला पैक्स संघ विधायक से मिल रखी किसानों की समस्याएं

हजारीबाग। जिला पैक्स संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सदर विधायक प्रदीप प्रसाद से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हजारीबाग जिले के किसानों की प्रमुख समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से जिले के धान को अन्य राज्यों में भेजे जाने पर रोक लगाने और किसानों के लिए लाभकारी कदम उठाने की मांग की गई। उन्होंने विधायक से कहा कि बिचौलिए किसानों से उनके धान को बेहद कम दाम पर खरीदते हैं और इसे हजारीबाग रेलवे स्टेशन से रेक के माध्यम से दूसरे राज्यों में भेज देते हैं। इससे न केवल किसानों को आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि राज्य सरकार को भी भारी राजस्व हानि उठानी पड़ती है। पदाधिकारियों ने कहा कि बिचौलियों द्वारा धान को दूसरे राज्यों में भेजने के कारण झारखंड सरकार का निर्धारित धान खरीदी लक्ष्य प्रभावित हो रहा है। वर्तमान समय में धान की फसल नवंबर के पहले सप्ताह में तैयार हो जाती है। पर्याप्त भंडारण सुविधाओं की कमी के कारण किसान मजबूर होकर बिचौलियों के हाथों कम दाम पर धान बेच देते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए पूर्व की भांति 15 नवंबर से धान अधिप्राप्ति क्रय केंद्र खोलने की मांग की गई है, ताकि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिल सके। ज्ञापन में यह मांग की गई कि किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन जल्द से जल्द धान अधिप्राप्ति केंद्र खोलने की प्रक्रिया शुरू करें। विधायक प्रदीप प्रसाद ने जिला पैक्स संघ की चिंताओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि वे जल्द ही इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा किसानों की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। मैं सुनिश्चित करूंगा कि इस मामले में शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएं।

अनुराग गुप्ता ने झारखंड डीजीपी का प्रभार ग्रहण किया

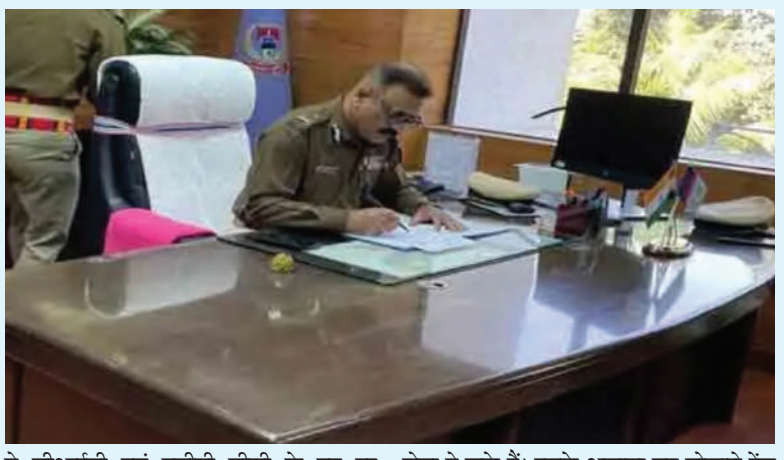

रांची। अनुराग गुप्ता ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर झारखंड डीजीपी का प्रभार ग्रहण किया। इस मौके पर पदभार संभालने के बाद डीजीपी ने कहा कि पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर होगा। उन्होंने कहा कि अपराध पर अंकुश लगाना, विधि व्यवस्था संधारण, आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास जगाना, पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर होगा। साथ ही पुलिस बहाली, समय पर प्रोन्नति और विशेष प्रशिक्षण कराने पर बल दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि जहां पुलिस फोर्स की जितनी जरूरत होगी, वहां उतनी प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जायेगी। गुप्ता ने कहा कि पुलिस का आमलोगों के साथ अच्छा व्यवहार, उनकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन, बुजुर्ग, कमजोर एवं महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाना उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा। उनकी पूरी कोशिश होगी कि किसी भी तरह के आपराधिक घटना होने पर पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स हो। उल्लेखनीय है कि इससे पहले गुरुवार की रात सरकार ने सीआईडी एवं एसीबी डीजी के पद पर पदस्थापित अनुराग गुप्ता को झारखंड डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया था। आईपीएस अनुराग गुप्ता झारखंड पुलिस में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं। वह गढ़वा एवं हजारीबाग एसपी और रांची के एसएसपी के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। इसके अलावा वह बोकारो रेंज के डीआईजी के पद पर लंबे समय तक काम कर चुके हैं। झारखंड पुलिस मुख्यालय में उन्हें लंबे समय तक एडीजी स्पेशल ब्रांच के पद पर काम करने का भी अनुभव है। गुप्ता 1990 बेच के तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी है।

बिरसा मुंडा के वंशन मंगल मुंडा का निधन

रांची। धरती आबा बिरसा मुंडा के पोते मंगल सिंह मुंडा का गुरुवार देर रात निधन हो गया। मंगल मुंडा ने रिम्स में अंतिम सांस ली। उनके निधन से आदिवासी समुदाय के लोगों में शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार खूंटी के उलिहातु गांव में होगा। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को मंगल मुंडा खूंटी-तमाड़ रोड में सड़क दुर्घटना के शिकार हो गये थे। उनके सिर पर गंभीर चोट आयी थी। इसके बाद उनको बेहतर इलाज के लिए रिम्स लाया गया था। 26 नवंबर को डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज करना शुरू किया। उन्हें आईसीयू में रखा गया था। बीती देर रात उनका असामयिक निधन हो गया।

बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन पर कड़िया मुंडा समेत कई लोगों ने जतायी संवेदना

खूंटी। भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा का इलाज के दौरान रिम्स में गुरुवार की देर रात निधन हो गया। मंगल मुंडा 25 नवंबर को सड़क दुर्घटना में गभीर रूप से घायल हो गये थे। उनका इलाज रिम्स में चल रहा था। खूंटी के उपायुक्त लाकेश मिश्रा की पहल पर खूंटी के सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी के नेतृत्व में चिकित्सकों की एक टीम भी रिम्स गई थी। गुरुवार की देर रात लगभग 12.30 बजे मंगल मुंडा का निधन हो गया। मंगल मुंडा के निधन पर लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़िया मुंडा, तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया, खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा और नीलकंठ सिंह मुंडा ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

धरती आबा के वंशज मंगल मुंडा का निधन
बिरसा मुंडा के वंशन मंगल मुंडा का निधन

रांची। धरती आबा बिरसा मुंडा के पोते मंगल सिंह मुंडा का गुरुवार देर रात निधन हो गया। मंगल मुंडा ने रिम्स में अंतिम सांस ली। उनके निधन से आदिवासी समुदाय के लोगों में शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार खूंटी के उलिहातु गांव में होगा। उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को मंगल मुंडा खूंटी-तमाड़ रोड में सड़क दुर्घटना के शिकार हो गये थे। उनके सिर पर गंभीर चोट आयी थी। इसके बाद उनको बेहतर इलाज के लिए रिम्स लाया गया था। 26 नवंबर को डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज करना शुरू किया। उन्हें आईसीयू में रखा गया था। बीती देर रात उनका असामयिक निधन हो गया।

मंजूनाथ भजंत्री ने संभाला उपायुक्त रांची का पदभार

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतरना प्राथमिकता : उपायुक्त

रांची। मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को उपायुक्त राँची का पदभार ग्रहण किया। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में वरुण रंजन ने उन्हें पदभार सौंपा। इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे। मंजूनाथ भजंत्री 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मौके पर वरुण रंजन ने उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने काफी कम समय में विधानसभा आम निर्वाचन चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने एवं अन्य कार्यक्रमों में समन्वय के साथ कार्य संपादित किए जाने पर सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को धन्यवाद दिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने कहा जिला प्रशासन सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के स्तंभ पंचायत, प्रखंड अंचल कार्यालय एवं पुलिस स्टेशन के पदाधिकारी व कर्मी ससमय कार्यालय आएं एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। भजंत्री ने कहा कि इस बात का ध्यान रखें कि आम जनता को कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े। उन्होंने कहा कि कमियों की समीक्षा कर जिला प्रशासन एक्शन प्लान के तहत कार्य करेगा।

सड़क पर गिरे बालू से अनियंत्रित होकर बाइक पलटी, एक की मौत

- कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क जाम

पलामू। पलामू में एक व्यक्ति की गुरुवार की रात सड़क हादसे में मौत हो गई। जिसके बाद लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। घटना जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में पुलिस लाईन के पास मुख्य सड़क पर हुआ। सड़क पर बालू गिरे होने के कारण मोटरसाइकिल फिसल गई और इस पर सवार चैनपुर थाना क्षेत्र के पूर्वडीहा निवासी मुखराम दुबे (60) सड़क पर गिरकर जख्मी हो गए। सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से एमआरएमसीएच में मुखराम दुबे की इलाज के क्रम में मौत हो गई। मुखराम दुबे अघोर आश्रम रोड में नाइट गार्ड का काम करते थे। वह न्यू एरिया हमीदगंज के रहने वाले नीरज कुमार ठाकुर के साथ गुरुवार देर रात 12 बजे के करीब पुलिस लाइन की ओर से बाइक पर सवार होकर ड्यूटी स्थल पर जा रहे थे। मोटरसाइकिल नीरज चला रहा था। रात में ही मेदिनीनगर-बिसफुट्टा मार्ग में डॉ एमपी सिंह के घर के सामने रोड पर बालू गिराया गया था। बाइक का बैलेंस बालू में जाते ही बिगड़ गया। इस घटना में नीरज को भी चोट आई है। मुखराम दुबे की मौत के बाद उनके गांव के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। मुखराम के शव के साथ बालू गिराए गए जगह पर शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे पहुंचकर लोग हंगामा करने लगे। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। सड़क पर बालू गिरवाने वाले पर कारवाई और मृतक के परिजन के लिए मुआवजा की मांग करने लगे। शहर थाना से पुलिस बल मौके पर पहुंची और सड़क जाम करने वाले को समझाना चाहा, लेकिन प्रदर्शनकारी दोषी पर कार्रवाई को लेकर अड़े हुए हैं। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे से बालू गिराने वाले वाहन की पड़ताल कर रही है। लोग अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं। बालू की तस्करी में पुलिस प्रशासन के साथ मिली भगत का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री पहुंचे रिम्स, बिरसा मुंडा के वंशज को दी श्रद्धांजलि

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री सोरेन शुक्रवार को रिम्स पहुंचकर दिवंगत मंगल मुंडा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। मुख्यमंत्री सोरेन ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत मंगल मुंडा के परिजनों को राज्य सरकार के स्तर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री ने की विकास योजनाओं की समीक्षा

लोहरदगा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने शुक्रवार को ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम टीएडीपी की समीक्षा जिला परिषद कार्यालय स्थित सभाकक्ष में की। समीक्षा बैठक में आकांक्षी जिला अंतर्गत निर्धारित इंडीकेटर्स की समीक्षा की गई और सौ प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश सभी संबंधित विभागों को दिए। इस बैठक में स्वास्थ्य व पोषण के विषय अंतर्गत प्रसव पूर्व जांच, एनीमिया, सिकल सेल जांच, साफ-सफाई, स्वच्छ पीने के पानी आदि बिंदुओं पर गहनता से चर्चा की गई। कहा गया कि स्वस्थ रहने के लिए साफ पानी का उपयोग बहुत आवश्यक है। चाहे वह पीने का पानी हो या नहाने का पानी इस्तेमाल किया जाना हो, साफ पानी बहुत आवश्यक है जिसका ध्यान रखा जाना चाहिए। घरों में प्रसव की स्थिति में उसे स्किल्ड बर्थ अटेंडेंट की देखरेख में कराये जाने का निर्देश दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर व्यवस्था और समय से मरीजों को वहां तक पहुंचाने के लिए व्यवस्था रखे जाने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य व पोषण अंतर्गत लिंगानुपात, संस्थागत प्रसव, हीमोग्लोबिन जांच, नवजात द्वारा स्तनपान, टीबी रोगियों की पहचान आदि विषय पर चर्चा की गई व निर्देश दिए गए। बैठक में शिक्षा के विषय पर प्राइमरी, अपर प्राइमरी से सेकेंडरी तक छात्र-छात्राओं के ट्रांजिशन पर चर्चा की गई और इसके लिए बेहतर पहल किये जाने का निर्देश दिया गया, ताकि कोई अपनी पढ़ाई अधूरी नहीं छोड़े। शिक्षा अंतर्गत विद्यालयों में गर्ल्स टॉयलेट, पीने का पानी, रनिंग वाटर, बिजली की व्यवस्था, सत्र प्रारंभ होने पर पाठ्यपुस्तकों की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। बच्चों को विद्यालयों में रागी के लड्डू मे चीनी का कम उपयोग करने का निर्देश दिया गया। कृषि व जल संसाधन विषय अंतर्गत माइक्रो इरिगेशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जिला में एफपीओ की स्थिति की समीक्षा की गई। किसानों को केसीसी ऋण से अच्छादित किये जाने का निर्देश एलडीएम लोहरदगा व जिला कृषि पदाधिकारी को दिया गया। जिला के अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन हेतु स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने का निदेश डीपीएम जेएसएलपीएस को दिया गया। साथ ही केज फिश कल्टीवेशन की भी जानकारी दी गई। किसानों को ऑर्गेनिक खेती हेतु प्रोत्साहित करने, प्रशिक्षित करने व उन्हें आवश्यक जरूरतों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑर्गेनिक फार्मिंग के लक्ष्य से संबंधित कैबिनेट के निर्णय से भी अवगत कराया गया। रसायनिक उर्वरकों से होनेवाले नुकसान के बारे राज्यमंत्री ने जानकारी दी। इस बैठक में मूलभूत संरचना विषय अंतर्गत ग्राम पंचायतों में इंटरनेट कनेक्शन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जिला में बने पथों, ग्राम पंचायतों में कॉमन सर्विस सेंटर की स्थिति की समीक्षा की गई। वित्तीय समावेशन अंतर्गत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, आधार सीडिंग आदि की समीक्षा की गई। कौशल विकास के अंतर्गत जिला में आइटीआइ प्रशिक्षण संस्थानों की जानकारी ली और निर्देश दिया गया कि यहां के छत्र-छात्राओं को हाइड्रोकार्बन स्किलिंग का प्रशिक्षण दिया जाए। ताकि वेल्डिंग व रूफ वेल्डिंग के साथ-साथ वे गैसपाईप वेल्डिंग का भी गुर सीख सकें। पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज में इसकी अपार संभावनाओं से मंत्री ने सभी को अवगत कराया। बैठक में उपायुक्त द्वारा जिला के अनुसूचित जाति-जनजाति के बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी गई। मंत्री द्वारा लोहरदगा जिला में बच्चों को तीरंदाजी, एथलेटिक्स, तैराकी, जैबलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो के लिए भी प्रशिक्षित किये जाने का निर्देश जिला खेल पदाधिकारी को दिया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने बैठक के उपरांत किस्को प्रखण्ड में स्थापित औद्योगिक सिलाई केंद्र का भी निरीक्षण किया। औद्योगिक सिलाई केंद्र के निरीक्षण के बाद मंत्री ने संवाद कार्यक्रम अंतर्गत सिलाई केंद्र में लगे सक्षम स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया और विभिन्न कृषि उत्पाद समूहों द्वारा बनाये उत्पादों का अवलोकन किया। जिला प्रशासन द्वारा राज्यमंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया और स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार उत्पाद भेंट किया गया। मौके पर केन्द्रीय राज्यमंत्री ने मोबाइल मिनी हॉस्पिटल का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, आइटीडीए परियोजना निदेशक नीलम सुषमा सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, आकांक्षी प्रखण्ड किस्को के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अरूण उरांव, पीपीआइए फेलो समेत अन्य उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

दो बाइक में सीधी टक्कर, दोनों की हालत गंभीर

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : शुक्रवार को दिन के 11 बजे तुपकाडीह जैनामोड़ मेनरोड में ठाकुरटांड़ गांव के पास दो बाइक की सीधी टक्कर हो गई, जिसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़ पर तड़पने लगे। निकट रहने वाले लोगों की तत्परता से दोनों को 108 एम्बुलेंस से रेफरल अस्पताल जैनामोड़ भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक चिकित्सा करने के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि खुटरी कुशुलमुडु गांव के सहदेव हंसदा अपनी बाइक से तुपकाडीह बाजार और ठाकुरटांड़ निवासी कान्हू मांझी पेट्रोल पंप की ओर जा रहे थे। इसी बीच दुर्घटना घटी। मौके पर पहुंची जरीडीह थाना पुलिस क्षतिग्रस्त दोनों बाईकों को थाना ले गई।

10 पंचायतों में 5 दिनों से जलापूर्ति बंद

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो :जैनामोड़ ग्रामीण जलापूर्ति योजना के खुटरी पानी टंकी से रोजाना सुबह दस पंचायतों को मिलने वाली जलापूर्ति विगत पांच दिनों से बंद होने के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। सिस्टम को चला रहे संवेदक के प्रतिनिधि अमर मिश्रा ने बताया कि तुपकाडीह तेनु बोकारो नहर के पम्प हाउस में मशीन खराब हो गई है। अपनी मां के निधन से गमजदा होने के बाद भी कोलकाता से मिस्त्री को बुलाया गया है। पानी बंद होने की जानकारी पेयजल आपूर्ति विभाग को दे दी गई है। मशीन बनने के बाद जल्द ही घर घर पानी मिलना शुरू हो जाएगा।

उपायुक्त बोकारो के निर्देश का हुआ पालन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः तालगड़िया : उपायुक्त बोकारो के निर्देशानुसार चंदनकियारी के बीडीओ अजय वर्मा व सीओ रवि कुमार आनंद ने शुक्रवार को सिलफोर पंचायत अंतर्गत फतेहपुर निवासी लंकेश्वर महतो के पुत्र बलिदानी अग्निवीर अर्जुन कुमार महतो के बारे में भौतिक सत्यापन किया। झारखंड सरकार कारा एवं गृह, आपदा प्रबंधन मंत्रालय द्वारा बलिदानी अग्निवीर अर्जुन कुमार महतो के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान के तहत दस लाख रुपये और अनुकम्पा के आधार पर एक स्थाई नौकरी दिए जाने को लेकर यह सत्यापन किया गया।

झामुमो कार्यकर्ता के निधन पर विधायक ने जताया शोक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया : शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के सक्रिय एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता 50 वर्षीय सुधीर कुमार महतो (पारा शिक्षक) के आकस्मिक निधन पर नवनिर्वाचित गोमिया विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने मधुकरपुर के स्थानीय श्मशान घाट में दिवंगत के पार्थिव शरीर के दर्शन किए और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर उपस्थित कसमार प्रखंड की प्रमुख नियोति कुमारी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक ने कहा कि सुधीर के आकस्मिक निधन से मर्माहत हूं। वे पार्टी की हर गतिविधियों में काफी सक्रिय रहते थे। सुधीर का निधन झामुमो परिवार, गोमिया के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत की आत्मा की शांति और सद्गति की प्रार्थना करते हुए शोकाकुल आश्रित और परिवार के सदस्यों का धैर्य भी बंधाया।

धनबाद आईआईटी में बूट कैंप में शामिल हुए बोकारो जिले के कई विद्यालयों के शिक्षक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईआईटी, इंडियन स्कूल ऑफ माइंस धनबाद में झारखंड के 120 चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व शिक्षकों के लिए 29-30 नवंबर 2024 को आयोजित दो दिवसीय बूट कैंप में बोकारो जिले से कई पीएमश्री प्लस टू उच्च विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए। इनमें से एस एस प्लस उच्च विद्यालय, कसमार से डॉ अवनीश कुमार झा, श्रमिक प्लस टू उच्च विद्यालय तुपकाडीह से प्रदीप कुमार, नव उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय महुआटांड़ से देव कुमार यादव, क्षेत्रनाथ प्लस टू उच्च विद्यालय हरनाद से मनोज कुमार दत्ता, पंचानन राजबाला प्लस टू उच्च विद्यालय सतनपुर से सेवादास हेम्ब्रम, सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय पिण्ड्राजोरा से महेश्वर महतो, डीएवीपब्लिक स्कूल सेक्टर चार से पूनम कुमारी एवं सुधा श्रीवास्तव ने हिस्सा लिया। इस दो दिवसीय बूट कैंप में आईआईटी धनबाद की रसायनशास्त्र एवं रासायनिक विज्ञान की प्रोफेसर मधुलिका गुप्ता समेत अन्य प्रशिक्षकों ने बोकारो जिले के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों एवं आईआईटी के शोध छात्रों को प्रशिक्षण दिया।

बीएसएल में ओसीटी तथा एसीटी प्रशिक्षुओं ने दिया योगदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट कुल 19 ओसीटी तथा एसीटी प्रशिक्षुओं का छह सप्ताह का लोकल इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। लोकल इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष जलोटा, मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन व विकास) उपस्थित थे। लोकल इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरान्त सभी प्रशिक्षुओं का पदस्थापन विभिन्न विभागों में किया जायेगा।

कार्यक्रम के शुरुआत में सभी प्रशिक्षुओं ने मुख्य अतिथि के साथ सुरक्षा की शपथ ली। अपने स्वागत अभिभाषण में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जलोटा ने प्रशिक्षुओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए बोकारो स्टील प्लांट में उनका स्वागत किया और सभी प्रशिक्षुओं को सुरक्षा संस्कृति व अनुशासित तरीके को अपनाते हुए बोकारो स्टील प्लांट के निरंतर विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन एस एन मिश्रा, कनीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के नव प्रशिक्षु प्रकोष्ठ की सुश्री अनीता कुमारी, राजीव रंजन, सुश्री श्वेता इत्यादि का अहम योगदान रहा।

कसमार : मधुकरपुर के सहायक अध्यापक सुधीर महतो के निधन से शोक की लहर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार प्रखंड अंतर्गत मधुकरपुर निवासी उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, बाजारटांड़ मधुकरपुर के सहायक शिक्षक सुधीर कुमार महतो उर्फ सुधीर मास्टर (उम्र 46) का शुक्रवार को निधन हो गया। बुधवार को सीने में दर्द की शिकायत होने पर उन्हें मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के क्रम में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार वे 2007 में बतौर पारा शिक्षक योगदान दिया था। वह सामाजिक कार्यों में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे एवं काफी व्यवहार कुशल व्यक्ति थे। वे अपने पीछे पत्नी व तीन संतान (दो पुत्री व एक पुत्र) छोड़ गये हैं। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गयी है। सूचना पाकर स्थानीय विधायक योगेंद्र प्रसाद, प्रखंड प्रमुख नियोती कुमारी, समाजसेवी धनंजय स्वर्णकार, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम, मनोज ठाकुर, सुभाष चंद्र ठाकुर, राजेंद्र महतो, विनोद महतो, समरेश कपरदार, संजय कुमार, कुलदीप करमाली, मिथलेश तिवारी, विजेंद्र कुमार समेत काफी संख्या में लोग पहुंचे तथा शोक जताते हुए मृतक के परिवार को ढांढस बंधाया। इधर, सहायक शिक्षक संघ के बोकारो जिलाध्यक्ष संजय कुमार महतो ने भी शोक प्रकट करते हुए मृतक के आश्रित को उचित सरकारी सहायता देने की मांग की है।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान 8 दिसंबर से होगा शुरू, 3.53 लाख बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः जिले में 8 दिसंबर से तीन दिवसीय उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के तहत पहले दिन बूथों पर और 9-10 दिसंबर को घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान का लक्ष्य 3 लाख 53 हजार 551 बच्चों को पोलियो की खुराक देना है।

शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त विजया जाधव ने जिला टास्क फोर्स की बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. ए. बी. प्रसाद, नोडल पदाधिकारी एन. पी. सिंह, अस्पताल उपाधीक्षक अरविंद कुमार और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

2005 पोलियो बूथ तैयार, व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश- जिले में 2005 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। उपायुक्त ने प्रशिक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण करने और अभियान को शत-प्रतिशत लक्ष्य तक पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने आम जनता तक जानकारी पहुंचाने के लिए माइकिंग, बैनर-पोस्टर और प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

जरूरी निर्देश और अभियान की निगरानी- प्रत्येक प्रखंड और शहरी क्षेत्रों में अभियान की मॉनिटरिंग के लिए वरीय अधिकारियों को टैग किया जाएगा। पिछली बार हुई कमियों को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अभियान के दौरान सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर काम करने का निर्देश दिया गया है।

सिविल सर्जन ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित न रहे। बैठक में प्रखंड चिकित्सा प्रभारी, जनसंपर्क पदाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संत ज़ेवियर्स विद्यालय में हुआ क्रॉस- कंट्री का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शुक्रवार को संत ज़ेवियर्स विद्यालय में क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता की शुरुआत हाई स्कूल के उपप्रधानचार्य श्री दीपक चौधरी जी ने हरी झंडी दिखाकर की। प्रतियोगिता में सर्वप्रथम कक्षा आठवीं के छात्रों ने दौड़ लगाई जिन्होंने अपनी स्फूर्ति पूर्ण कदमों से सभी उपस्थित गण को रोमांच एवं उत्साह से भर दिया। सभी विद्यार्थीगण अपनी प्रेरणादायक उपस्थिति एवं पंक्तियों के माध्यम से अपने-अपने हाउस को प्रोत्साहित करते नजर आए ,जिससे पूरे विद्यालय के प्रांगण में रोमांच एवं ऊर्जा की लहर दौड़ उठी। दौड़ के समापन के पश्चात 'ज़ेवियर ' को प्रथम , 'गोनजागा ' को द्वितीय, 'लोयोला ', को तृतीय एवं 'ब्रिटो ' को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में लड़कों से कक्षा आठवीं में 'साहिल ' , कक्षा नौवीं से 'राजकुमार ' कक्षा दसवीं से 'अक्षत सिंह' कक्षा ग्यारहवीं से 'अनन्त' एवं कक्षा बारहवीं से 'चित्रांश ' को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । लड़कियों में कक्षा आठवीं से 'आकांक्षा' , कक्षा नौवीं से 'शान्वी' कक्षा दसवीं से 'शाम्भवी सिंह' कक्षा ग्यारहवीं से 'रजनी' एवं कक्षा 12वीं से 'दीपा ' को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ |

कार्यक्रम के अंत में हाई स्कूल के उप-प्राचार्य महोदय द्वारा सभी प्रतिभागियों को बधाई दी गई एवं शिक्षकगण , कर्मचारीवृन्द तथा मेडिकल टीम की सराहना कर सबको धन्यवाद दिया। उन्होंने विद्यालय के आदरणीय प्रधानाचार्य महाशय फादर अरुण मिंज , एस.जे. के सदृढ़ इच्छा शक्ति , अटूट विश्वास , उत्कृष्ट मार्गदर्शन व बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सदैव प्रतिबद्धता को धन्यवाद देते हुए खेल के महत्व को उजागर किया ।

हरित इस्पात प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए सेल और जॉन कॉकरिल इंडिया में समझौता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारत की महारत्न और सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वैश्विक जॉन कॉकरिल समूह की भारतीय शाखा जॉन कॉकरिल इंडिया लिमिटेड (जेसीआईएल) के साथ मुंबई में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, व्यापक उद्योग विशेषज्ञता और इनोवेशन एवं सस्टेनेबिलिटी के लिए साझा दृष्टिकोण सहित दोनों कंपनियों की संयुक्त क्षमताओं का लाभ उठाना है। सेल के निदेशक (वित्त) अनिल कुमार तुल्सीआनी और जॉन कॉकरिल इंडिया लिमिटेड के मेटल्स डिवीजन के प्रबंध निदेशक माइकल कोटास ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस सहयोग के फोकस क्षेत्र कार्बन स्टील, ग्रीन स्टील और सिलिकॉन स्टील के लिए कोल्ड रोलिंग और प्रोसेसिंग होंगे, जिसमें विशेष रूप से कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड और कोल्ड रोल्ड नॉन-ओरिएंटेड स्टील्स शामिल

रहेंगे। इसके अलावा, इस साझेदारी का उद्देश्य लौह और इस्पात उत्पादन प्रक्रियाओं में हरित प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करना और दक्षता एवं सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाने के लिए उन्नत इस्पात उत्पादन प्रौद्योगिकियों को शामिल करना है।

सेल उन्नत एवं सस्टेनेबल प्रौद्योगिकियों को अपनाकर पारंपरिक लौह एवं इस्पात उत्पादन प्रक्रियाओं को बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्बन उत्सर्जन को कम करने और संसाधन दक्षता को और अधिक बेहतर करने पर जोर देते हुए, सेल अपने परिचालन को गतिशील बाजार की उभरती मांगों के साथ संरेखित कर रहा है। सेल इसके साथ ही हरित एवं और अधिक सस्टेनेबल भविष्य की दिशा में अपना योगदान दे रहा है।

शिक्षा मंत्रालय के बूट कैंप में शामिल हुए बोकारो के शिक्षक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईआईटी,(इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) धनबाद में 29-30 नवंबर 2024 को झारखंड के 120 चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/शिक्षकों के लिए आयोजित दो दिवसीय बूट कैंप में बोकारो जिले के शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें पीएम श्री एसएस +2 उच्च विद्यालय, कसमार से डॉ अवनीश कुमार झा, श्रमिक +2 उच्च विद्यालय, तुपकाडीह से प्रदीप, नव उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय, महुआटांड़ से देव कुमार यादव, क्षेत्रनाथ +2 उच्च विद्यालय, हरनाद से मनोज कुमार दत्ता, पीएम श्री पंचानन राजबाला +2 उच्च विद्यालय, सतनपुर से सेवादास हेम्ब्रम, सर्वोदय +2 उच्च विद्यालय, पिण्ड्राजोरा से महेश्वर महतो, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 4 से पूनम कुमारी एवं सुधा श्रीवास्तव शामिल थे।

बेड़ो प्रखंड मुख्यालय में सुविधाओं का टोटा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजू कुमार सिंह

- सीएचसी व महादानी मंदिर जाने वाली सड़क में पसरा रहता है अंधेरा
- प्रखंड कार्यालय के स्थापना के 64 वर्षो बाद भी कई मूलभूत सुविधा से वंचित है प्रखंड मुख्यालय

बेड़ोः- पूरे देश में विकास की आंधी बह रही है। जिम्मेदारों द्वारा विकास का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। वहीं प्रखंड मुख्यालय बेड़ो में आज भी बुनियादी सुविधाओं का टोटा हैं। इस प्रखंड को आजादी के सात दशक व प्रखंड कार्यालय के स्थापना के 64 वर्षो बाद भी कई मूलभूत सुविधा नहीं मिल पाई है। ग्रामीण आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। आज के डिजिटल युग में भी यहां न तो बेहतर सड़क है,न ही शौचालय,न ही स्वास्थ्य सुविधा और न ही बिजली की व्यवस्था। जबकि बेड़ो में प्रखंड कार्यालय, डीएसपी कार्यालय,सीएचसी, थाना रहने के बावजूद सीएचसी व महादानी मंदिर जाने वाली सड़क रात में अंधेरे में गुजरती है। अनजान लोगों का सड़क दुर्घटना होने के बाद उन्हें सीएचसी जाने के लिए रास्ता ही नहीं मिल पाता है। इन सड़कों पर रात के समय महिलाओं के साथ छेड़छाड़, छिनतई की घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन इस समस्या लेकर कोई भी गंभीर नहीं है। ऐसे में अस्पताल जाने वाली महिलाएं आए दिन हादसे का शिकार होती रहती हैं। बेड़ो लोहरदगा मार्ग से सीएचसी व महादानी मंदिर तक जाने में पूरे रास्ते में एक भी लाइट नहीं है। बेड़ो के ग्रामीणों का कहना है कि यहां बारिश के दिनों में मोड़ के समीप कई लोग गिरकर जख्मी भी हो गए।लेकिन अभी तक अस्पताल प्रबंधन, प्रखंड प्रशासन और न ही जनप्रतिनिधियों ने लाइट के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। दो वर्ष पहले बिजली के पोल में लाइट लगी थी जो खराब पड़ी है।

सामुदायिक शौचालय है बंद, चौक चौराहों पर लगा है गंदगी का अंबार- प्रखंड मुख्यालय में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। प्रखंड कार्यालय स्थित सामुदायिक शौचालय बंद पड़ा हुआ है। जिसके कारण महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वहीं चौक चौराहों पर गंदगी का अंबार लगा है। लेकिन जिम्मेदार उदासीन है। प्रखंड में सत्रह ग्राम पंचायतें हैं। जिसमें 84 गांवों का मुख्य बाजार बेड़ो ही है। प्रखंड की आबादी तेजी से बढ़ रही है, इसके बावजूद प्रखंड मुख्यालय में सुविधाओं का अभाव है। वहीं मुख्यालय में यात्री शेड, सार्वजनिक शौचालय आम लोगों के विश्राम करने के लिए भी कोई जगह नहीं है। जबकि देश भर में स्वच्छ भारत मिशन अभियान चल रहा है। स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए गरीबों को शौचालय बनाने के लिए राशि दी जा रही है। अभियान को सफल बनाने में पूरा तंत्र जुटा हुआ है, लेकिन मुख्यालय के जिम्मेदार स्वच्छता को लेकर बेपरवाह है। यही वजह है कि बेड़ो में जगह-जगह कचरा का अंबार लगा है। सामुदायिक शौचालय भी बेकार पड़ा है। इसे लेकर जिम्मेदार तंत्र को तनिक भी चिंता तक नहीं है। इससे यही कहा जा सकता है कि स्वच्छता के प्रति जब जिम्मेदार ही गंभीर नहीं हैं तो आम लोगों से क्या अपेक्षा कर सकते हैं। वहीं पुराने प्रखंड सह अंचल कार्यालय के परिसर का शौचालय भी बेकार पड़ा हुआ है। यहां लोग खुले में शौच करते है।

पर्याप्त रोशनी व शौचालय की व्यवस्था करने की मांग- प्रखंड के समाजसेवी क्षितिज कुमार राय, नवल किशोर सिंह, मुकेश कुमार राय, अशोक कुमार बैठा, भीखा उरांव का कहना है कि प्रखंड मुख्यालय में संचालित यह अस्पताल काफी महत्वपूर्ण है। इसे देखते हुए सीएचसी व मंदिर जाने वाले मार्ग में पर्याप्त रोशनी के साथ प्रखंड कार्यालय स्थित शौचालय की व्यवस्था यथाशीघ्र की जानी चाहिए।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

तालझारी थाना प्रभारी के नेतृत्व में मानव तस्करी के रोकथाम हेतु चलाया गया जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः तालझारी/साहिबगंज : पुलिस अधीक्षक साहिबगंज के निर्देश पर तालझारी थाना के द्वारा विभिन्न क्षेत्र मेहदीपुर, मोतीझरना,पारताबाडी में मानव तस्करी के रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा लोगों से कहा गया कि अगर किसी भी प्रकार का संदेह किसी को हो की कोई किसी को लेकर काम या रोजगार या नौकरी का झांसा देकर या प्रलोभन देकर बाहर ले जाना चाहता हो तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें। ताकि समय रहते होने वाले अपराध को रोका जा सके।

जमीन विवाद में हुई मारपीट से पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के दरलाघाट गांव में शुक्रवार को जमीन विवाद में हुई मारपीट में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गया। वही जानकारी के अनुसार हेमंत महतो 42 वर्षीय का अपने पिता और भाई के साथ जमीन को लेकर सुबह में कहासुनी हो रहा था। कहासुनी होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया और जमकर मारपीट में हेमंत महतो और उनकी पत्नी रीता देवी 35 वर्षीय गंभीर रूप से घायल हो गए। जहां परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां चिकित्सकों के द्वारा दोनों का इलाज किया गया। वहीं घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

योगेन्द्र महतो झारखंड आंदोलनकारी बनाम संघर्ष की उपज : हाजी गुलाम ख्वाजा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांचीः झारखंड आंदोलनकारी और समाजसेवी हाजी गुलाम ख्वाजा के नेतृत्व में गोमिया विधानसभा क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से गोमिया के विधायक श्री योगेन्द्र महतो को कैबिनेट में स्थान देने की अपील की।

हाजी गुलाम ख्वाजा ने योगेन्द्र महतो को संघर्ष और आंदोलन की उपज बताते हुए कहा कि वे जनता के हर सुख-दुख में हमेशा खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि श्री महतो गरीब, शोषित और अन्याय के खिलाफ एक मज़बूत आवाज़ हैं। उनके स्वभाव और कार्यशैली के कारण गोमिया की जनता ने उन्हें भारी मतों से विजयी बनाया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि गोमिया विधानसभा क्षेत्र अब भी विकास से कोसों दूर है। पूर्व विधायक ने क्षेत्र की जनता के लिए कोई ठोस काम नहीं किया और केवल वादों से जनता को गुमराह किया। योगेन्द्र महतो को कैबिनेट में शामिल कर क्षेत्र के विकास को गति देने की मांग की गई।

इस मौके पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में शेरे आलम, सदर अंजुमन कसमार सखावत अंसारी, अजमल हुसैन, तनवीर आलम, साकिब अंसारी, मोबिन अंसारी, मंजर आलम, सिकंदर कपरदार, और रिजवान अंसारी शामिल थे।

आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो : मंजूनाथ भजंत्री

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी स्थिति में आम जनता के साथ अभद्र व्यवहार नहीं होना चाहिए। आम नागरिक समस्या लेकर आएं तो संवेदनशीलता के साथ उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि कार्यालय प्रधान यह सुनिश्चित करें कि यदि कोई समस्या लेकर आएं तो उन्हें सही तरीके से जानकारी उपलब्ध कराएं कि उनकी समस्या किस विभाग से संबद्ध है और उसका समाधान किस प्रकार से होगा। उपायुक्त ने कहा कि पारदर्शिता लाने के लिए समाहरणालय में सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी नाम एवं पदनाम से युक्त आइडेंटिटी कार्ड को धारण करेंगे। कार्यालय आने वाले लोगों को अधिकारी के नाम एवं विभाग का पता चल सके इसलिए कार्ड हमेशा ऑन डिस्पले रखें। उपायुक्त ने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने टेबल पर नाम एवं पदनाम का प्लेट रखना सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक कार्यालय प्रधान, लिपिक एवं अकाउंटेंट तथा सभी कर्मी अपने कार्यालय टेबल पर नाम एवं पदनाम का नेमप्लेट रखना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त ने जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी को निर्देश दिया कि आम नागरिकों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित हो इस हेतु जिला का एक व्हाट्सएप नंबर जारी करना सुनिश्चित करें। लोगों की समस्याएं 24 घंटे सुनने के लिए पालीवार प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश भी उपायुक्त के द्वारा दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए योजना का बेहतर कार्यान्वयन सुनिश्चित हो। उपायुक्त ने कहा कि सभी कार्यालय प्रधान यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके विभाग में किसी भी पदाधिकारी या कर्मी द्वारा आम जनता के साथ अभद्र व्यवहार ना किया जाए। सभी अपने कार्य स्थल पर समय से पहुंचे और छुट्टी पूर्व में ही स्वीकृत कराके अवकाश पर जाएं। उपायुक्त ने कहा कि बैठक में दिए गए सभी दिशा निर्देशों का अनुपालन तय समय सीमा पर सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधाराः रांची। रांची के कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में शुक्रवार को राज्य के विभिन्न जिलों से सैकड़ों की संख्या में मुख्यमंत्री हेमन्त को बधाई देने पहुंचे लोगों का तांता लगा रहा। इस अवसर पर कई सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि भी शामिल थे। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सभी लोगों से मिले तथा उनके प्यार, आशीर्वाद एवं समर्थन के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

धारदार हथियार से हत्या करने का मामला प्रकाश में है आया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/साहिबगंज : बरहरवा थाना अंतर्गत पिपरा गणेशपुर गांव के बहियार में खेत जोग रहे दो भाई में से उत्पल मंडल उम्र लगभग 20 से 23 वर्ष पिता अजय मंडल नाम के एक युवक का धारदार हथियार से निर्माण रूप से हत्या कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है| घटना के बारे में पुष्टि करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरहरवा नितिन खंडेलवाल ने बताया कि इस घटना में तीन व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और पुलिस आगे के अनुसंधान में जुटी हुई है | घटनास्थल से पुलिस ने घटना में प्रयोग हसवा एवं कमीज सहित अन्य सामग्री बरामद किया है | घटना के संबंध में विभिन्न सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार की रात्रि करीब 10 से 11:00 के आसपास मृतक युवक उत्पल मंडल और उसके छोटे भाई विद्यासागर मंडल दोनों मिलकर गांव के बहियार में अपने फसल जोगने गया था| इसी क्रम में खेत चरते हुए एक बैल उसके खेत में घुस गए| यह देखकर उसके छोटे भाई विद्यासागर बैल को भागते हुए उसके खेत से काफी दूर तक खदेड कर ले गए | बैल को भगाकर जब वह अपने भाई के पास वापस आ रहा था तो देखा कि कुछ दूरी से होकर कुछ आदमी सरसों के खेत से भाग रहा है, एवं जब वाह अपने भाई के पास पहुंचा तो देखा कि उसका भाई खून से लत पथ होकर कराह रहा है|तुरंत उसने मोबाइल पर इस बात की घटना उसके घर वालों को बताया| घर वाले जब तक वहां पर पहुंचे पाते तब तक वह बेहोश हो गया था और घर ले जाने के क्रम में उसकी मृत्यु हो गई | घटना की सूचना पाकर बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह इंस्पेक्टर सुधीर कुमार तथा डीएसपी नितिन खंडेलवाल तुरंत मौके पर पहुंचे तथा शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया है| इस घटना में एक महिला समेत तीन व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है |शव की पंचनामा कर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए राजमहल भेज दिया है| एवं घटना के संबंध में प्राथमिक की दर्ज कर मामले की छानबीन प्रारंभ कर दिया है| गांव के बगल में घटित इस इस घटना से गांव वाले काफी भैभीत दिख रहे हैं मृतक युवक आपने माता पिता का सबसे बड़ा संतान था जो मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पेट पालता था | इस घटना से उसके परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है और मां-बाप का रो रो कर बुरा हालत हो गया।

सी.आर.एम. की टीम ने सदर अस्पताल साहिबगंज का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिला में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए साहिबगंज पहुंची कॉमन रिव्यू मिशन की टीम ने दूसरे दिन गुरुवार की रात को सदर अस्पताल साहिबगंज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सी.आर.एम. की टीम ने आईपीडी, ओपीडी, मॉड्यूलर ओटी, जनरल ओटी, सभी महिला पुरुष वार्ड, बर्न वार्ड, अस्पताल परिसर, एक्स-रे रूम, जांच घर, अल्ट्रासाउंड, एआरटी, ब्लड बैंक, दवा स्टोर रूम, पोस्टमार्टम रूम, एवं साफ सफाई व अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान मरीजों से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी ली।

वही मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया, सी.आर.एम. की टीम में तमिलनाडु की डॉ प्रिया वसंथा कुमारी, जयपुर के डॉ रतन वर्मा, डॉ मनप्रीत सिंह, डॉ दीक्षा महाजन, डॉ मिथुन दत्ता, डॉ नवीन कुमार, डॉक्टर अंकुर पूनिया, राज स्तरीय टीम में एस.पी.एस.यू. स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ कमलेश कुमार, एन.एच.एम. स्टेट प्रोग्राम मैनेजर एनिमा किस्कू, गुंजन खालको, मनीर अहमद, सुमित रंजन, सागर दास, अतिंद्र उपाध्याय, देवाशीष जाना, डॉ अनुज कुमार मंडल शामिल थे।

बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में मानव तस्करी के रोकथाम हेतु स्पेशल ड्राइव

राष्ट्रीय मुख्यधाराः सुजीत कुमार

बरहेट/साहिबगंजः बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में मानव तस्करी को लेकर बरहेट हटिया, बोरबंधा, खुटौना, गडीगंज में स्पेशल जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। उन्होंने सड़क में राहगीरों को मानव तस्करी के बारे में बताते हुए कहा कि मानव तस्करी के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और इसे मानव तस्करी का सोर्स (स्रोत), ट्रांजिट (पारगमन) और डेस्टिनेशन (गंतव्य) माना जाता है। किसी एक राज्य की सीमाओं के भीतर तथा अंतराज्जीय मानव तस्करी के अलावा नेपाल और बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी भी काफी लंबी खुली सीमा होने के कारण भारत में होती है। झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्य में मानव तस्करी का नया केंद्र बनकर उभरा है। भारत से पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में मानव तस्करी होती है। दुनियाभर में मानव तस्करी के पीड़ितों में एक-तिहाई बच्चे होते हैं। मानव तस्करी की परिभाषा संयुक्त राष्ट्र की परिभाषा के अनुसार, किसी व्यक्ति को डराकर, बलपूर्वक या दोषपूर्ण तरीके से काम लेना, यहाँ-वहाँ ले जाना या बंधक बनाकर रखने जैसे कृत्य तस्करी की श्रेणी में आते हैं।

क्यों होती है मानव तस्करी?- गरीबी और अशिक्षा है सबसे बड़ा कारण, मांग और आपूर्ति का सिद्धांत, बंधुआ मजदूरी

देह व्यापार, सामाजिक असमानता, क्षेत्रीय लैंगिक असंतुलन, बेहतर जीवन की लालसा, सामाजिक सुरक्षा की चिंता, महानगरों में घरेलू कामों के लिए भी होती है लड़कियों की तस्करी, चाइल्ड पोर्नोग्राफी के लिए भी होती है बच्चों की तस्करी, कई तरह के मानव तस्करी के कारण है। वही मौके पर एएसआई राइमुनी टुडू, कांस्टेबल सदिक अली, सुधीर दास एवं सैकड़ो राहगीर मौजूद रहे।

जिला क्रिकेट अंडर -16 टूर्नामेंट जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम ने 4 विकेट से जीता मैच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत शुक्रवार को महतो बागान बनाम जवाहर नवोदय विद्यालय के बीच मैच खेला गया। टॉस जीत कर महतो बागान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 136 रन बनाये। राहुल मंडल ने 22, रोहित कुमार महतो ने 18, कुंदन यादव ने 26, बीरेंद्र राय ने 38 रनों की पारी खेली। जवाहर नवोदय के गेंदबाज अमन, इंजमाम व अभिषेक ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम ने 15.3 ओवर में 6 विकेट पर 138 रन बना कर 4 विकेट से मैच जीत लिया। सोनू कुमार ने 17, महेश ने 16, सोनू उरांव ने 12, अमन कुमार ने 27, रय्यान खुर्शीद 15 व साहिल राज ने 13 रनों की पारी खेली। महतो बागान के जयराम महतो, राहुल, विशाल, बीरेंद्र व रणवीर महतो ने एक-एक विकेट लिया। जवाहर नवोदय विद्यालय के खिलाड़ी अमन कुमार अमन को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि डिस्ट्रिक्ट अकाउंटेंट गोविंद कुमार महतो ने अमन कुमार को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग अशफाक आलम व प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा एवं स्कोरिंग के एस सौरभ ने किया।

मौके पर जेएससीए डिस्ट्रिक्ट सब कमिटी चेयरमैन चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, मो जुनैद सहित अन्य मौजूद थे।

दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/ साहिबगंजः बरहरवा प्रखंड स्थित महेंद्र अतिथिशाला में जेएसएलपीएस अंतर्गत उमंग परियोजना का दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ अनिरुद्ध कुमार (जिला प्रबंधक, जेएसएलपीएस), पूनम कुमारी (जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी,साहिबगंज), राहुल यादव (जिला समन्यवयक, उमंग), कमल किशोर (जिला कार्यक्रम प्रबंधक, समाज कल्याण), मो इकबाल (जिला समन्यवयक,चाइल्डलाइन साहिबगंज) की गरिमामई उपस्थिति में हुई। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में बरहरवा, पतना और बरहेट प्रखंड अंतर्गत जेएसएलपीएस के माध्यम से संचालित सभी 16 संकुल संगठनों के पदाधिकारी एवं सामुदायिक समन्यवयक शामिल हुए। उमंग के जिला समन्यवयक द्वारा उमंग परियोजना के उद्देश्य और लक्ष्य को विस्तृत पूर्वक समझाया गया। एस.एच.जी. सदस्यों को किशोरियों के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने एवं उनकी आकांक्षाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सक्षम बनाना। किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना। एस.एच.जी. मंच के माध्यम से बाल विवाह और किशोरी सशक्तिकरण को संबोधित करने के लिए एक मापनीय मॉडल स्थापित करना।

उमंग परियोजना का लक्ष्यः- झारखंड में बाल विवाह को रोकने के लिए मां से बेटी तक सशक्तिकरण के अंतर पीढ़ी हस्तांतरण के सिद्धांत पर आधारित मॉडल को विकसित करना और किशोरियों को सशक्त बनाना। उक्त कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के द्वारा बच्चों के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं का जानकारी प्रदान किया गया।

मेडिकल उपकरण के लिए लाभुक चयन कैंप का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः आकांक्षी प्रखंड मुख्यालय मंडरो में अलिम्को द्वारा दिव्यांग एवं वृद्ध जन के लिए मेडिकल उपकरण हेतु लाभुक चयन के लिए कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें चयनित लाभार्थियों को दिनांक 3 दिसंबर 2024 (वर्ल्ड डिसएबिलिटी डे) के अवसर पर मेडिकल सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।

उक्त कैंप में मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर रोहित गोंड, अलिम्को के प्रतिनिधि संजय मंडल तथा आकांक्षी प्रखंड फेलो मनीष कुमार मौजूद थे।

बेड़ो सड़क हादसे में दो युवक घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

संवाददाता बेड़ोः- बेड़ो थाना क्षेत्र के पोकल टिकरा मोड़ के समीप पुरना पानी लापुंग मार्ग पर शुक्रवार की शाम लगभग पांच बजे बाइक से असंतुलित होकर गिरने से तेतरा सेमर टोली ककरिया लापुंग गांव निवासी 19 वर्षीय राम भगत पिता लंगो भगत और झपरा बिरदा गांव कर्रा निवासी 25 वर्षीय बिरसा उरांव पिता भागी उरांव घायल हो गए। जिन्हें नेहालु पंचायत के मुखिया ने 108 एम्बुलेंस से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो भिजवाया। जहां डा कुसुमलता के देख रेख में इलाज किया गया। घायल राम भगत ने बताया कि वे दोनों बेड़ो आए थे। साथ ही बाइक से अपने घर जाने के दौरान वे असंतुलित होकर गिर कर घायल हो गए।

पिता को मुखाग्नि देकर प्रज्ञा कुमारी ने दिया साहस और कर्तव्य का अद्भुत उदाहरण''

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डाल्टनगंज : पलामू के श्री राम पथ, पांकी रोड निवासी वीरेंद्र प्रसाद उर्फ वकील का असमय निधन परिवार और समाज के लिए गहरी क्षति है। बीमारी के कारण, जीवन के मध्य पड़ाव में उनका निधन हो गया। वे अपने पीछे पत्नी और दो बेटियां, प्रज्ञा कुमारी और विद्या कुमारी, छोड़ गए हैं।

इस दुःखद घटना में एक अनोखी मिसाल तब देखने को मिली जब उनकी बड़ी बेटी प्रज्ञा कुमारी ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। यह कदम समाज में बेटियों की भूमिका और उनके साहस का अद्भुत उदाहरण है। जिन बेटियों का कन्यादान करने का सपना अधूरा रह गया, उनमें से एक ने पिता की अंतिम विदाई का कर्तव्य निभाकर अपने साहस और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। प्रज्ञा का यह कदम समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

परिवार पहले ही गहरे दुखों से गुजर चुका है। इस वर्ष मृतक की मां का निधन हुआ, जबकि उनके पिता भी कुछ वर्ष पहले दिवंगत हो चुके थे। इस असमय मृत्यु ने पूरे परिवार और संबंधियों को गहरे सदमे और पीड़ा में डाल दिया है। वीरेंद्र गुप्ता के निधन से न केवल उनका परिवार, बल्कि समाज भी शोकाकुल है। उपस्थित शुभचिंतकों ने प्रार्थना किया कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले और उनके परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्राप्त हो। साथ ही, प्रज्ञा कुमारी के इस साहसिक कदम की सराहना करते हुए, समाज को बेटियों को समान अधिकार और सम्मान देने की प्रेरणा लेने की अपील की जाती है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

मनोज झा हत्या मामले में सोनू उर्फ अहमद की जमानत याचिका हाई कोर्ट ने की खारिज

रांची, एजेंसी। रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता मनोज झा की हत्या मामले में हाई कोर्ट ने गुरुवार को आरोपित सोनू उर्फ अहमद को जमानत देने से इनकार कर दिया है। सोनू ने अपने वकील के माध्यम से हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। इस पर हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अम्बुज नाथ की कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनने के बाद कोर्ट ने सोनू की याचिका खारिज कर दी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में रांची सिविल कोर्ट के वकील मनोज झा की तमाड़ में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इस हत्याकांड में कई लोग आरोपित हैं। सभी आरोपित फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। दिवंगत अधिवक्ता मनोज झा के परिजनों की ओर से हाई कोर्ट के अधिवक्ता हेमंत शिकरवार और अधिवक्ता पवन सिंह ने बहस की।

जमाडा के झरिया गौशाला सहित दस बकायेदारों पर जल कर का लाखों बकाया, नोटिस

धनबाद, एजेंसी। झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (जमाडा) का उपभोक्ताओं पर लाखों रुपये जल कर बकाया है। ऐसे दस उपभोक्ताओं को नगर निगम ने नोटिस भेजकर जल कर का भुगतान करने का निर्देश दिया है। साथ ही चेतावनी भी दी है कि समयावधि में भुगतान नहीं होता है, तो पानी का कनेक्शन काट दिया जायेगा। गुरुवार को एमडी रवि राज शर्मा ने जलकर की समीक्षा बैठक की। अधिकारियों को बकायेदारों पर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। एमडी श्री शर्मा ने बताया कि जलकर का भुगतान नहीं होने के कारण जलापूर्ति योजना के रख-रखाव, संचालन व कर्मियों के वेतन तथा पावना का भुगतान में परेशानी हो रही है। वैसे सभी जलकर उपभोक्ताओं (व्यवसायिक व आवासीय) जिनका जल विपत्र की राशि बकाया है। यथाशीघ्र बकाया का भुगतान करें अन्यथा जल संयोग विच्छेदित करते हुए बकाया राशि वसूल की जायेगी।

स्पेशल ब्रांच की समीक्षा के बाद झारखंड के नवनिर्वाचित विधायकों को मिलेगी वाई श्रेणी की सुरक्षा

रांची, एजेंसी। स्पेशल ब्रांच की समीक्षा के बाद नवनिर्वाचित विधायकों को वाई श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। इसके बाद कुछ मंत्रियों और नेताओं को वाई प्लस सुरक्षा भी मिल सकती है। राज्य में नयी विधानसभा बनने के बाद विधायकों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा झारखंड पुलिस की स्पेशल ब्रांच करेगी। झारखंड पुलिस 25 बुलेट प्रूफ गाड़ियों की खरीद कर रही है। इनमें से पांच गाड़ियां पहले ही पहुंच चुकी हैं। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के काफिले में भी बुलेट प्रूफ गाड़ियां बदली जाएंगी। विपक्ष के नेता और नक्सल क्षेत्र के विधायकों को विशेष सुरक्षा दी जायेगी, सदन में विपक्ष के नेता को वाई प्लस या जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जा सकती है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले विधायकों को भी वाई प्लस सुरक्षा देने पर विचार हो रहा है। वहीं विधानसभा चुनाव में हारने वाले विधायकों की सुरक्षा में कटौती होगी। अब उन्हें दो-दो बॉडीगार्ड दिये जायेंगे। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्रियों की सुरक्षा पर अलग से समीक्षा की जायेगी, जिसमें उनकी जेड या वाई प्लस सुरक्षा जारी रखी जा सकती है।

7वें वेतनमान की मांग को लेकर गोड्डा कॉलेज के कर्मियों की हड़ताल जारी

गोड्डा, एजेंसी। सातवां वेतनमान सहित अन्य मांगों को लेकर गोड्डा कॉलेज के शिक्षकेतर कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। कर्मचारियों ने गुरुवार को कॉलेज के गेट के पास धरना दिया। कर्मचारियों ने बताया कि सातवां वेतनमान व एसीपी का लाभ हमारी दो प्रमुख मांगें हैं। पिछले जुलाई में भी संघ ने हड़ताल की थी। उस समय कॉलेज प्रबंधन व कर्मियों के बीच समझौता वार्ता में सहमति बनी थी। प्रबंधन ने जल्द ही सारा लाभ देने का लिखित आश्वासन दिया था। लेकिन समझौता अब तक लागू नहीं हुआ। विवश होकर कर्मचारियों को फिर आंदोलन का रुख अख्तियार करना पड़ा। कर्मियों ने कहा जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, हड़ताल जारी रहेगी। अगर मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो अगले सप्ताह से कॉलेज के मेनगेट पर ही तालाबंदी कर दी जाएगी।

विनम्र, अच्छा और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना ही ज्ञान का एकमात्र लक्ष्य : पुलिस महानिदेशक मल्लिक

- डीपीएस बोकारो के द्विवार्षिक सदनोत्सव में दिखा कला व संस्कृति का अनूठा संगम
- गीत-संगीत और नृत्य की मनभावन प्रस्तुतियों से विद्यार्थियों ने बिखेरी बहुरंगी छटा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : विद्या ददाति विनयम्, विनया ददाति पात्रताम। विद्या से ही हमें विनम्रता मिलती है और विनययुक्त व्यक्ति ही योग्यवान बन सकता है। अंततोगत्वा विद्या और ज्ञान का एकमात्र लक्ष्य एक अच्छा, विनम्र तथा देश का जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। केवल जीवन में सफल होना ही काफी नहीं। उक्त बातें झारखंड के पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) राज कुमार मल्लिक (भापुसे) ने कहीं। श्री मल्लिक शुक्रवार देर शाम डीपीएस बोकारो में चेनाब, सतलज और झेलम हाउस की ओर से आयोजित द्विवार्षिक सदनोत्सव 'संगम' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। ज्ञान का प्रकाश फैलाने की दिशा में श्री मल्लिक ने भारतीय वेद, पुराण, उपनिषद आदि की चर्चा करते हुए देश की परंपरा व संस्कृति को अत्यंत समृद्ध बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और शिक्षकों का सदैव सम्मान करने की प्रेरणा दी। साथ ही, उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को संस्कारवान तथा सदाचारी बनाने की अपील की। सांस्कृतिक विरासत विषयवस्तु पर आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों के जरिए भारत की कलात्मक व सांस्कृतिक विविधता का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि श्री मल्लिक ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए और उनके समग्र विकास की दिशा में डीपीएस बोकारो की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) डॉ. माइकल राज एस. एवं कोयला क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) सुरेन्द्र कुमार झा सम्मानित अतिथि तथा बोकारो के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मनोज स्वर्गियारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने विद्यालय की उपलब्धियों पर संक्षिप्त प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति कटिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास में कला-संगीत की महत्ता रेखांकित की। साथ ही, अभिभावकों से अपने बच्चों के साथ समय बिताने व मित्र बनकर उनका मार्गदर्शन करने की अपील भी की। इस क्रम में अतिथियों ने विद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका - जेनिथ के नए संस्करण का विमोचन भी किया। प्राचार्य ने सभी अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

इसके पूर्व, विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में आयोजित इस समारोह के आरंभ में बच्चों ने पौधा भेंटकर अतिथियों का हरित-स्वागत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीजी श्री मल्लिक सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। स्वागत गान व विद्यालय गीत के बाद चेनाब हाउस की वार्डन रचना ओझा एवं जानकी कुमारी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शृंखला प्राइमरी विंग के झेलम हाउस के नन्हे विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत हनुमान चालीसा पर आधारित ऊर्जावान नृत्य से शुरू हुई। इसके बाद सीनियर विंग से चेनाब सदन के सांस्कृतिक दल ने कर्नाटक के पारंपरिक लोकनृत्य यक्षगान में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। इसी हाउस की प्राइमरी विंग टीम ने राजस्थानी लोकगीत ढोला ढोल मंजीरा बाजे रे... की सुरीली प्रस्तुति दी। तत्पश्चात झेलम सदन की छात्राओं ने ओडिशा के लोकनृत्य रोज्जो के माध्यम से वहां की आंचलिकता, महिला-कल्याण तथा प्रकृति व नारी के संबंधों को बखूबी दर्शाया। सतलज हाउस (सीनियर विंग) की टीम ने भोजपुरी लोकगीत कइसे खेलन जइबू... पेश किया। अंत में सतलज हाउस (प्राइमरी विंग) के बच्चों ने भारतीय व पुर्तगाल संस्कृति के मिश्रण पर आधारित कार्निवल डांस की जोशीली पेशकश से सबकी भरपूर तालियां बटोरीं।

समारोह के दौरान सतलज हाउस के वार्डन अरुण सोम और पूनम सिंह ने चेनाब, सतलज व झेलम हाउस के विद्यार्थियों की सालभर की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन झेलम हाउस के वार्डन अमित कुमार सिंह एवं आभा झा ने किया। कार्यक्रम का सुरुचिपूर्ण संचालन पहल लता, अपराजिता सिंह, यामिनी ज्योति, सरित चक्रवर्ती और जया सुबोध कृष्णा ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, बड़ी संख्या में उक्त तीनों सदनों के विद्यार्थियों के अभिभावक तथा शिक्षकवृंद उपस्थित रहे।

बदला-बदला दिखेगा विधानसभा का नजारा, पहली बार सदन पहुंचीं 12 महिला विधायक

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के चुनाव में पहली बार आधी आबादी का पूरा असर चुनाव क्षेत्र से लेकर निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों में परिलक्षित हो रहा है। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं ने मतदान के दौरान जहां जमकर मताधिकार का प्रयोग किया, वहीं राज्य में पहली बार सबसे अधिक 12 महिला विधायक निर्वाचित होकर विधानसभा की दहलीज तक पहुंचीं हैं। निर्वाचित महिला विधायकों में ज्यादातर पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ा रही हैं तो कईयों ने अपने बूते भी राजनीति में अपनी पहचान और धमक कायम की है। 12 में से सर्वाधिक पांच विधायक कांग्रेस से तो भाजपा से चार और तीन महिला विधायक झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से निर्वाचित हुई हैं।

यह उल्लेखनीय है कि झारखंड के गठन के 24 साल के दौरान राज्य की हर विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या में क्रमिक बढ़ोतरी देखी गई है। 2000 में यहां तीन महिला विधायक थीं, जबकि 2005 में यह संख्या बढ़कर आठ और 2014 में नौ हो गई। 2019 में 10 महिला विधायक निर्वाचित हुई थीं।

कांग्रेस की निशत आलम को पाकुड़ सीट पर सबसे ज्यादा 86 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत का श्रेय जाता है। टेंडर घोटाले से जुड़े मनी लान्ड्रिंग मामले में जेल में बंद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की पत्नी निशत आलम ने अपने पति की सीट पर पहली बार चुनाव लड़कर कामयाबी पाई।

कद्दावर नेता स्वर्गीय समरेश सिंह की पुत्रवधू श्वेता सिंह बोकारो से भाजपा के बिरंची नारायण को हराकर निर्वाचित हुईं। महगामा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने भाजपा के अशोक कुमार को हराया है।

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर झामुमो में शामिल हुई पूर्व मंत्री लुईस मरांडी भी जामा सीट से निर्वाचित हुई हैं। इसी तरह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने वाली शिल्पी नेहा तिर्की भी मांडर सीट से दूसरी बार निर्वाचित हुई हैं।

कल्पना सोरेन ने अपने दम पर राजनीति में काफी कम समय में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने में सफलता पाई। इस वर्ष के आरंभ में पति की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में झारखंड मुक्ति मोर्चा का नेतृत्व संभाला। लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने सघन प्रचार अभियान चलाया।

इसी दौरान उन्होंने गांडेय विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव में जीत हासिल की। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में वह सत्तारूढ़ गठबंधन की प्रमुख स्टार प्रचारक के तौर पर उभरीं।

छापेमारी में नकली ब्रांड का यूरिया बरामद

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर थाना अंतर्गत देवली स्थित मां तारा इंटरप्राइजेज में गोविंदपुर पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली टाटा डीइएफ यूरिया जब्त किया है। यह छापेमारी टाटा मोटर्स इंडिया की अधिकृत टीम द्वारा गोविंदपुर थाना में की गयी शिकायत के आधार पर की गयी। कंपनी के पावर ऑफ अटॉर्नी होल्डर प्राप्त चांदपुर पल्ली राजबाड़ी, थाना एयरपोर्ट कोलकाता, पश्चिम बंगाल निवासी राजेश रविदास ने मंगलवार को गोविंदपुर थाना में लिखित शिकायत की थी। पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी मो रुस्तम के निर्देश पर पुअनि प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने मां तारा इंटरप्राइजेज में छापामारी की। जहां से गल्फ एडी ब्लू के 20-20 लीटर के 23 डब्बे तथा टाटा मोटर्स डीजल एग्जास्ट फ्लुएड के 20-20 लीटर के 75 डब्बे जब्त किये गये। कॉपीराइट अधिनियम के तहत कांड संख्या 296/2024 अंकित कर बीएनएस की धारा 318(2), 318(4), 349 एवं 63 के तहत प्राथमिकी की दर्ज की गयी।

उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने गुरुवार को अबुआ आवास, मनरेगा सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने पुरानी योजनाएं, मानव दिवस सृजन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (एनआरएम), प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक योजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओं में धीमी प्रगति होने के कारण उप विकास आयुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों तथा प्रखंड समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना को कड़ी फटकार लगाकर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रति सप्ताह गूगल मीट से और 15 दिनों बाद इन योजनाओं की पुनः समीक्षा करेंगे। समीक्षा के दौरान प्रगति नहीं होने पर संबंधित से स्पष्टीकरण मांग कर अग्रतर करवाई करेंगे। बैठक में निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीआरडीए के प्रोजेक्ट ऑफिसर मनोज कुमार, पीएम आवास के जिला समन्वयक सुशांत कुमार सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी तथा सभी प्रखंड के पीएम आवास समन्वयक मौजूद थे।

चास शहरी फेज टू जलापूर्ति योजना जनवरी तक पूरा करे एजेंसी- डीसी

बोकारो, एजेंसी। बोकारो की डीसी विजया जाधव ने गुरुवार को चास नगर निगम क्षेत्र में संचालित जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। जिला समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने चास शहरी फेज वन व फेज टू जलापूर्ति योजना की प्रगति के संबंध में कार्यरत एजेंसी जुडको व अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार से जानकारी ली। एजेंसी से कहा कि फेज टू का काम जनवरी 2025 तक पूरा कर लें। ज्ञात हो कि फेज वन में 5545 घरों में जलापूर्ति शुरू है, जबकि फेज टू में करीब 11500 हाउस होल्ड को जलापूर्ति योजना से जोड़ा जोना है, जिसका कार्य प्रगति पर है। इस कार्य को अप्रैल 2021 में पूर्ण होना था, लेकिन कोरोना काल के कारण इसे विस्तार कर दिसंबर 2024 किया गया है। कार्य की प्रगति की मॉनिटरिंग की जिम्मेवारी चास नगर निगम को दी गई।

डीसी ने शहरी जलापूर्ति योजना फेज वन के हाउस होल्ड घरों में वाटर मीटर लगाने की प्रगति की जानकारी ली। निगम की ओर से बताया गया कि अब तक करीब 2200 हाउस होल्डरों ने ही वाटर मीटर का कनेक्शन लिया है। इस पर डीसी ने अवैध वाटर कनेक्शन लेने वालों पर कार्रवाई करने व वाटर मीटर लगाने के लिए विशेष शिविर का आयोजन करने को कहा। साथ ही नगर निगम क्षेत्र की सड़कों व नालियों को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए धावा दल गठित कर अभियान चलाने का निर्देश दिया। बैठक में अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग राम प्रवेश कुमार, कार्यपालक अभियंता सड़क विभाग अमित सिंह, सहायक अभियंता धनंजय गिरी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जुडको के प्रतिनिधि नारायण किस्कू व वरुण सौरव, सहायक अभियंता प्रमोद कुमार आदि उपस्थित थे।

चौथी बार मुख्यमंत्री बनने वाले पहले राजनेता बने हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य की स्थापना के 24 साल में 14 मुख्यमंत्रियों की शपथ ले चुके हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन के चौथीबार मुख्यमंत्री पद व गोपनीयता की शपथ लेने के साथ राजनीतिक रिकॉर्ड बन गया। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही हेमंत सोरेन राज्य के 24 वर्ष के इतिहास में अब तक चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले पहले राजनेता बन गए। उनके पिता शिबू सोरेन और भारतीय जनता पार्टी के अर्जुन मुंडा तीन-तीन बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ चुके हैं। गुरुवार को मोहराबादी मैदान पर आयोजित शपथग्रहण समारोह में प्रदेश के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने हेमंत सोरेन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन की भी एकजुटता दिखी।

झारखंड के 24 साल में बने 14 मुख्यमंत्री : हेमंत सोरेन ने गुरुवार को 14वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। 24 साल के झारखंड में अब तक 14 मुख्यमंत्री हुए। प्रदेश में 2009-2013 के बीच तीन बार राष्ट्रपति शासन भी लग चुका है। इसके अलावा शिबू सोरेन सिर्फ 10 दिन के लिए मुख्यमंत्री बने। निर्दलीय विधायक मधु कोड़ा भी मुख्यमंत्री का पद संभाल चुके हैं।

हेमंत सोरेन 2013 में पहली बार बने थे मुख्यमंत्री : हेमंत सोरेन पहली बार 13 जुलाई 2013 को मुख्यमंत्री बने थे। वे इस पद पर 28 दिसंबर 2014 तक रहे। दूसरी बार 29 दिसंबर 2019 को मुख्यमंत्री बने। वे इस पद पर दो फरवरी 2024 तक रहे। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद चंपाई सोरेन मुख्यमंत्री बने, जो दो फरवरी से चार जुलाई 2024 तक मुख्यमंत्री पद पर रहे। चंपाई सोरेन का कार्यकाल 153 दिनों का रहा। इसके बाद जेल से जमानत पर रिहा होने के बादहेमंत ने फिर तीसरी बार 4 जुलाई, 2024 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हेमंत सोरेन ने चौथी बार 28 नवंबर को राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

शपथ लेने से पहले हेमंत ने लिया मां-पिता का आशीर्वादमोहराबादी मैदान पर शपथ लेने जाने से पहले हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिबू सोरेन और मां रूपी सोरेन से आशीर्वाद लिया और उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में साथ ले गए। शपथ ग्रहण में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन, रूपी सोरेन, तारिक अनवर, बीके हरि प्रसाद, सांसद पप्पू यादव, कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत, झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, कर्नाटक के डिप्टी मुख्यमंत्री डीके शिव कुमार, माकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, राजद के प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश नारायण सहित कई नेता मौजूद रहे। वहीं चीफ सेक्रेट्री अलका तिवारी और राज्यपाल के प्रधान सचिव नीतिन मदन कुलकर्मी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

मानवता के खिलाफ अपराध, नेतन्याहू पर आरोप

बेंजामिन नेतन्याहू अब उन कुख्यात लोगों की सूची में एक है जिन पर मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप है। लोकतांत्रिक ढंग से चुन कर सत्ता में आए एक नेता का नाम आतंकवादी मोहम्मद डिएफ और युद्धोन्मादी तानाशाह पुतिन जैसों की लिस्ट में आ जाना, इजराइल और विश्व दोनों के लिए सदमे जैसा है। इससे एक ओर कूटनीतिक दृष्टि से कई देश असमंजस में फँसे हैं वही दूसरी ओर अमेरिका के ढोंग का पर्दाफाश भी है। सवाल है आखिर आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट या अन्तरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय) को यह कठोर फैसला क्यों लेना पड़ा? शुरूआत इस साल मई में हुई जब आईसीसी के अभियोजक करीम खान ने नेतन्याहू और इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री युआव गैलेन्ट पर जानते-बूझते गाजा युद्ध में भुखमरी को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और गाजा के नागरिकों पर हमले करने का आदेश देने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ वारंट जारी करने का अनुरोध किया। हालांकि उन्होंने यह माना कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का पूरा हक़ है लेकिन उनका कहना था कि इसके लिए नेतन्याहू ने जो तरीके अपनाए वे अमानवीय थे। खान ने सावधानी बरती और शातिरता से काम लेते हुए इजराइली सैन्य बलों के जनरलों के बजाए राजनैतिक नेताओं को निशाना बनाया। इसके अतिरिक्त, आरोप पत्र में कत्लेआम का आरोप भी नहीं लगाया गया। नेतन्याहू और गैलेन्ट के पास उन सुबूतों को चुनौती देने के लिए पर्याप्त समय था, जिनके आधार पर उन पर मानवता के विरूद्ध अपराध, जिनमें हत्या, उत्पीडऩ और अन्य अमानवीय कार्यों और भुखमरी के हालात बनाने के अपराध शामिल हैं, के आरोप लगाए गए थे। नेतन्याहू स्वयं एक स्वतंत्र आयोग के माध्यम से जांच करवाने की पहल कर सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। कदाचित इसलिए क्योंकि ऐसी किसी भी जांच से 7 अक्टूबर के भयावह घटनाक्रम के पहले उनके द्वारा की गईं गलतियां और भूलें भी जांच के दायरे में आ सकती थीं। 21 नवंबर को तीन न्यायाधीशों के एक पैनल ने पाया कि यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि इस तरह के अपराध किये गए हैं और इसलिए नेतन्याहू और गैलेन्ट के खिलाफ वारंट जारी किए गए। हालिया घटनाक्रम से खान के तर्क और मज़बूत हुए हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ लगातार उत्तरी गाजा में अकाल की स्थितियों पनपने की चेतावनी दे रहा है क्योंकि वहां पिछले 40 दिनों से न के बराबर मानवीय मदद पहुंच पा रही है। लगभग उसी समय, 7 अक्टूबर के हमले के मास्टरमाइंड हमास नेता मोहम्मद डिएफ के खिलाफ भी वारंट जारी किया गया, जिसके बारे में इजराइल का दावा है कि वह उसे मार चुका है। खान ने इस नरसंहार के योजनकार याहया सिनवार और हमास के तत्कालीन प्रमुख इस्माइल हनीय के खिलाफ भी वारंट जारी करने का अनुरोध किया था। लेकिन इन दोनों अनुरोधों को वापिस ले लिया गया क्योंकि इसी वर्ष इजराइल ने इन दोनों को मौत के घाट उतार दिया था। इजराइल इस घटनाक्रम से भौचक्का है। नेतन्याहू को इस्तीफा देने की सलाह देने वाले विपक्षी नेता येअर लेपिड ने कहा, नेतन्याहू, सिनवार और डिएफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करना अविश्वसनीय है। इन लोगों की कोई तुलना नहीं है। हमें यह अस्वीकार्य है। यह अक्षम्य है। प्रधानमंत्री के एक अन्य प्रतिद्वंद्वी बैनी गैन्स भी उनके समर्थन में सामने आए। नेतन्याहू ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इन्हें बेतुका और यहूदी विरोधी बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने आईसीसी को पक्षपाती और राजनीतिक आधार पर फैसला करने वाली संस्था बताया। पहली बात यह है कि आईसीसी का फैसला न तो यहूदी-विरोधी है और ना ही पक्षपातपूर्ण। व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ भी बच्चों को जबरदस्ती यूक्रेन से रूस भेजने के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है, जहां बहुत से रूसी परिवारों ने उन्हें गोद ले लिया है। यह वारंट भी लगभग वैसे ही आधरों पर जारी हुआ है। जहां तक इन आपत्तियों का सवाल है कि आईसीसी के न्यायाधीश इजराइल और हमास को एक तराजू में तौल रहे हैं, उसमें इसलिए दम नहीं है क्योंकि एक हत्यारा तो आखिरकार एक हत्यारा ही होता है, भले ही उसका दर्जा, उसकी राजनीति या विचारधारा कुछ भी क्यों न हो। इजराइल का यह तर्क भी खोखला है कि यह मामला आईसीसी के क्षेत्राधिकार के बाहर है। अमेरिका, चीन, भारत और रूस की तरह, इजराइल ने भी उस रोम समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए थे जिसके माध्यम से इस न्यायालय की स्थापना हुई थी। न ही इजराइल नेतन्याहू या गैलेंट को 'द हेगÓ (जहाँ आईसीसी का मुख्यालय है) प्रत्यर्पित करने वाला है, क्योंकि इजराइल आईसीसी का सदस्य ही नहीं है। लेकिन 124 देश, जिनमें से बहुत से इजराइल के मित्र और सहयोगी हैं, ऐसा कर सकते हैं। इसका मतलब यह है कि यदि नेतन्याहू इन देशों में से किसी की भी यात्रा पर जाएं तो उन्हें गिरफ्तार करना उस देश के लिए अनिवार्य होगा। कुल मिलकर नेतन्याहू अब केवल इजराइल में सुरक्षित हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से जो बात साफ़ उभर कर सामने आती है वह है अमेरिका का दोगलापन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बिना देरी किये इस फैसले की आलोचना की और उसे चौंकाने वाला बताया। अमेरिका ने कभी आईसीसी का समर्थन नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिकी सैनिकों पर लगे युद्ध अपराधों की जांच आईसीसी द्वारा किए जाने पर रोक लगा दी थी। लेकिन जो बाइडन ने यह रोक हटा दी और न्यायालय के साथ भागीदारी करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ युद्ध अपराधों के आरोप लगाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया था। अतीत में अमेरिका सूडान के पूर्व नेता उमर अल-बशीर के मामले में भी ऐसा ही कर चुका है। दुनिया भर में अब अमेरिका के रवैये की चर्चा हो रही है। इजराइल के स्वयं की रक्षा करने के अधिकार और 7 अक्टूबर के नरसंहार का बदला लेने को कोई गलत नहीं मानता, लेकिन गाजा में बेरहमी से की गई सैन्य कार्यवाही में किए गए अंधाधुंध हमलों में लगभग 40,000 फिलिस्तीनियों को, जिनमें से अधिकांश साधारण नागरिक थे, जान गंवानी पड़ी है। इसके अलावा लाखों अन्य लोग बेइंतिहा कष्ट भोग रहे हैं। यह तो ठीक नहीं है। यह तो गलत है। क्या यह अमानवीय नहीं है? क्या निहत्थे बेकसूर लोगों को बदले की कार्यवाही का निशाना बनाना ठीक है? यह लगभग निश्चित है कि अगले साल डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद बहुत कुछ बदल जाएगा, पलट जाएगा। लेकिन यदि पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करना उचित है, अफ्रीकी नेताओं के खिलाफ ऐसा किया जाना स्वीकार्य है, और उसी क्रम में यदि बेंजामिन नेतन्याहू के मामले में भी ऐसा ही किया जाता है, तो यह पूरी तरह औचित्यपूर्ण है।

हेमंत सरकार की नई पाली : लोकतंत्र, शिक्षा, रोजगार और विकास पर नई दृष्टि की आवश्यकता

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'

हाल ही में संपन्न हुए झारखंड विधानसभा चुनावों में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडि गठबंधन (आईएनडीआईए) की जीत ने राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई है। चुनाव, लोकतंत्र की नींव होते हैं और इनके माध्यम से जनता अपनी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को सरकार तक पहुंचाती है। झारखंड का यह चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करेगा, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का उत्सव हैं। यह प्रक्रिया अपने आप में जनभागीदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के मूल्यों को सुदृढ़ करती है। चुनावी परिणामों को स्वीकार करना और उसके अनुरूप अपनी भूमिका को निभाना सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। जीतने वाले और हारने वाले दोनों के कार्यक्षेत्र और उत्तरदायित्व अलग-अलग होते हैं, लेकिन दोनों का अंतिम लक्ष्य जनसेवा और जनकल्याण होना चाहिए।

जीत और हार का लोकतांत्रिक संदेश- विजेता का कार्य है कि वह जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरे और उनके हितों को प्राथमिकता दे। वहीं, पराजित दल को आत्ममंथन करते हुए जनसेवा के अन्य अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। चुनावी हार का मतलब यह नहीं कि उनकी आवाज का कोई महत्व नहीं। लोकतंत्र में हर विचार और हर मुद्दे का महत्व है। झारखंड चुनावों में यह स्पष्ट दिखा कि जनता ने एक स्थायी और जनोन्मुखी नेतृत्व को प्राथमिकता दी।

हालांकि, चुनावों के दौरान उठाए गए कई मुद्दे—जैसे शिक्षा, रोजगार , स्वास्थ्य, पर्यावरण, घुसपैठ, और धर्मांतरण—पर अब सरकार और विपक्ष को समान रूप से सक्रिय रहना होगा। लोकतांत्रिक प्रणाली की सच्ची सफलता तभी है जब ये मुद्दे चुनावी मंचों तक सीमित न रहकर वास्तविक नीति-निर्माण और कार्यान्वयन का हिस्सा बनें।

शिक्षा और सामाजिक असमानता: एक गंभीर चुनौती- झारखंड चुनावों ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में मौजूद गहरी असमानताओं को उजागर किया। सरकारी और निजी स्कूलों के बीच बढ़ती खाई न केवल झारखंड, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता का विषय है। यह असमानता न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को हाशिए पर धकेल रही है, बल्कि संविधान की आत्मा के खिलाफ भी है।

डॉ. अंबेडकर ने जिस समतावादी समाज की कल्पना की थी, वह शिक्षा के बिना अधूरी है। हर बच्चे को, चाहे वह किसी भी सामाजिक, आर्थिक या सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आता हो, समान शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन, झारखंड जैसे राज्यों में यह अधिकार अब भी एक सपना है। सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार और निजी शिक्षा प्रणाली के बेहतर नियमन की तत्काल आवश्यकता है।

राजनीतिक दलों और नीति निर्माताओं को शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। चुनाव के दौरान शिक्षा से जुड़े मुद्दों को खूब उठाया गया, लेकिन अब यह देखना महत्वपूर्ण है कि सरकार इन्हें लागू करने के लिए कितनी तत्परता दिखाती है। यह सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि विपक्ष की भी है कि वह शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को जवाबदेह बनाए।

झारखंड में रोजगार और पलायन: विकास की नई चुनौती- झारखंड के चुनावी परिणाम केवल लोकतंत्र की जीत नहीं हैं; वे राज्य की सबसे जटिल समस्याओं—रोजगार और पलायन—पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को उजागर करते हैं। रोजगार के अभाव और इसके कारण बड़े पैमाने पर होने वाले पलायन ने झारखंड की प्रगति को गहरी चुनौती दी है।

झारखंड मुख्यतः खनिज संसाधनों पर आधारित अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, लेकिन औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास की कमी के कारण यहां रोजगार के अवसर सीमित हैं। यह विडंबना है कि इतने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद राज्य के युवा बेहतर रोजगार के लिए बड़े शहरों या अन्य राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।

पलायन झारखंड के लिए सिर्फ एक आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक असंतुलन का कारण भी बनता है। हर साल हजारों युवा, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से, बड़े शहरों में अस्थायी मजदूरी करने के लिए जाते हैं। इससे न केवल उनके परिवार टूटते हैं, बल्कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर भी बुरा असर पड़ता है। हेमंत सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वह रोजगार के स्थायी अवसर पैदा करे और पलायन को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए।

स्वास्थ्य और पर्यावरण: उपेक्षा नहीं, निरंतरता चाहिए- चुनावों के दौरान स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे मुद्दे भी बहस का हिस्सा बने। झारखंड, जहां प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है, वहां पर्यावरण संरक्षण को नजरअंदाज करना भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। खनन और वनों की अंधाधुंध कटाई से पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है। आपकी पाली में झारखण्ड सरकार को चाहिए कि वह विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में झारखंड अब भी पिछड़ा हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और शहरी क्षेत्रों में उनका महंगा होना आम जनता को परेशान कर रहा है। चुनावी वादों में इन समस्याओं का समाधान सुझाया गया, लेकिन इसे लागू करना अब सरकार के लिए बड़ी चुनौती है

घुसपैठ और धर्मांतरण: राजनीतिक मुद्दे या सामाजिक समस्या- घुसपैठ और धर्मांतरण जैसे मुद्दे भी झारखंड में लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। राजनीतिक दलों ने इन मुद्दों को चुनावी मंच पर खूब उछाला, लेकिन इनका समाधान खोजना बेहद जरूरी है। घुसपैठ एक राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है, जबकि धर्मांतरण सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करता है। झारखण्ड सरकार को चाहिए कि वह इन मुद्दों पर संतुलित और निष्पक्ष नीति अपनाए।

चुनावी मुद्दों को वास्तविकता में बदलने की जरूरत- यह जरूरी है कि चुनावी वादे सिर्फ मंचों पर न रह जाएं। सरकार को जनहित में ठोस कदम उठाने होंगे। झारखंड के लिए यह एक अवसर है कि वह शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के क्षेत्रों में नई मिसाल कायम करे।

विपक्ष को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। उसे केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक सुझाव और सकारात्मक आलोचना के माध्यम से सरकार को जनहित में बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

लोकतंत्र की सच्ची सफलता- झारखंड का चुनाव परिणाम लोकतंत्र की सच्ची सफलता का प्रतीक है। यह दिखाता है कि जनता अपने नेताओं से क्या अपेक्षा रखती है और किसे अपने भविष्य का मार्गदर्शक मानती है। अब यह जीतने वाली सरकार और विपक्ष पर निर्भर करता है कि वे इस जनादेश का कितना सम्मान करते हैं और किस प्रकार झारखंड को विकास के पथ पर आगे ले जाते हैं।

लोकतंत्र सिर्फ चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है। यह एक निरंतर प्रक्रिया है, जिसमें जनता, सरकार और विपक्ष की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। झारखंड का चुनाव इस बात का प्रमाण है कि जब जनता जागरूक होती है, तो वह अपने लिए सबसे बेहतर विकल्प चुनती है। अब यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस विश्वास को बनाए रखे और अपने वादों को पूरा करे और झारखण्ड के चातुर्दिक विकास के लिए काम भी करे।

यहूदी विरोधी हमला भयानक, वीभत्स राक्षस बना मानव

बलबीर पुंज

सोशल मीडिया के वीडियो में दिखा है कि लोग यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक-निजी संपत्ति को तोडफ़ोड़ करते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आए। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दस घायल है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिंदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी यहूदियों पर हमले को शर्मनाक और घृणित बताया है। यूरोप में यहूदी-विरोधी हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। अकेले नीदरलैंड में वर्ष 2022-23 के बीच यहूदियों पर हमलों में 245 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हमास के हमले के बाद ब्रिटेन में 550 यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज हुई है। फ्रांस भी इससे अछूता नहीं है। क्या इस बवाल की जड़ें केवल 7 अक्टूबर 2023 को फिलीस्तीन समर्थक हमास जिहादियों द्वारा इजराइल पर घातक आतंकवादी हमले के बाद इजराइल की अबतक जारी जवाबी सैन्य कार्रवाई (बहुपक्षीय), जिसमें 40 हजार से अधिक लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है— उसमें ही मिलती है? सच तो यह है कि यहूदियों को हालिया कारणों से ही नहीं, बल्कि मजहबी कारणों से भी उन्हें सतत उत्पीडऩ का सामना करना पड़ रहा है। विश्व विख्यात इनसाइक्लोपीडिया 'ब्रिटानिकाÓ में अनुसार, पहली शताब्दी में ईसाइयत के विस्तार के बावजूद अधिकांश यहूदी उसे मजहब के रूप में अस्वीकार करते रहे। इसके परिणामस्वरूप, चौथी शताब्दी तक ईसाइयों ने ईसा मसीह और चर्च को अस्वीकार करने के कारण यहूदियों को अलग समुदाय मानना शुरू कर दिया। जब ईसाई चर्च रोमन साम्राज्य में प्रभावशाली हुआ, तब उसने रोमन सम्राटों को यहूदी विरोधी कानून बनाने के लिए प्रेरित किया। इनका उद्देश्य ईसाई प्रभुत्व को चुनौती देने वाले किसी भी खतरे को समाप्त करना था। इस कारण यहूदी यूरोपीय समाज में हाशिये पर धकेल दिए गए। इस चिंतन का भयावह रूप मध्यकाल में भी दिखा। वर्ष 1466 में तत्कालीन पोप पॉल-2 के निर्देश पर क्रिसमस के दिन रोम में यहूदियों को सरेआम निवस्त्र करके घुमाया गया था। कालांतर में यहूदी पुजारियों (रब्बी) को जोकर के कपड़े पहनाकर उनका जुलूस निकाले जाने लगा। 25 दिसंबर 1881 को पोलैंड के वारसॉ में 12 यहूदियों को उन्मादी ईसाइयों ने निर्ममता के साथ मौत के घाट उतार दिया, तो कई महिलाओं का बलात्कार तक किया गया। इस प्रकार की प्रताडऩा के असंख्य उदाहरण है। यहूदी-विरोधी अभियानों ने सदियों तक यूरोप में यहूदियों के लिए असुरक्षा, उत्पीडऩ और हिंसा का माहौल बनाया, जो चर्च के समर्थन से यूरोपीय समाज और संस्कृति में गहराई तक समा गई, जिसने आगे चलकर 20वीं शताब्दी में तानाशाह एडोल्फ हिटलर जनित 'होलोकॉस्टÓ का रूप लिया। हिटलर की अगुवाई में ईसाई बहुल जर्मनी ने 1933-1945 के बीच यहूदियों पर भयंकर अत्याचार हुआ था। इसे प्रारंभ में चर्च का मुखर समर्थन प्राप्त था। एक आंकड़े के अनुसार, तब लगभग 60 लाख यहूदियों (15 लाख बच्चे सहित) की हत्या कर दी गई थी। यहूदियों को जड़ से मिटाने के अपने मकसद को हिटलर ने इतने प्रभावी ढंग से अंजाम दिया कि दुनिया की एक तिहाई यहूदी आबादी खत्म हो गई। चूंकि हिटलर का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था, तो क्या उसे नरपिशाची रूप से यहूदियों के नरसंहार की प्रेरणा सदियों तक चले यहूदी-विरोधी अभियानों से मिली थी? बात यदि भारतीय उपमहाद्वीप की करें, तो वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर कालांतर में गजनी, गौरी, खिलजी, तैमूर, तुगलक, बाबर, औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत-विक्षत किया और ऐसा उनके मानसपुत्रों द्वारा आज भी हो रहा है। इन्हीं जिहादियों से प्रेरणा से भारत के एक तिहाई क्षेत्र पर इस्लाम का कब्जा (पाकिस्तान-बांग्लादेश) है, जहां इस्लाम-पूर्व संस्कृति के ध्वजावाहकों (हिंदू, सिख और बौद्ध) के लिए कोई स्थान नहीं है। यही नहीं, जब उत्तर-भारत में इस्लामी प्रचार-प्रसार के नाम पर मजहबी शासकों का आतंकवाद चरम पर था, तब 16वीं शताब्दी में दक्षिण-भारत में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर ईसाइयत के प्रचार के लिए भारत पहुंचे थे। उस समय जेवियर ने 'गोवा इंक्विजीशनÓ के जरिये से गैर-ईसाइयों के साथ उन सीरियाई और मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ भी हिंसक मजहबी अभियान चलाया था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का अनुसरण नहीं कर रहे थे। मजहबी मतांतरण का यह कुचक्र अब भी जारी है। क्या कारण है कि स्वघोषित सभ्य-सुसंस्कृत लोग बड़ी बेशर्मी के साथ घृणा के नायकों को गौरवान्वित करते है? यह उपयुक्त ही है कि कोई भी हिटलर का नाम नहीं रखता और उसे गाली का पर्याय माना जाता है। लेकिन क्या स्टालिन-लेनिन जैसे नामों के प्रति भी वैसा तिरस्कार का भाव नहीं होना चाहिए, जिन्होंने अपने शासन के दौरान लाखों मासूमों को उनसे असहमति रखने के कारण मौत के घाट उतार दिया था? देश में एक प्रसिद्ध फिल्मी घराने ने अपने बेटे का नाम तैमूर रखा है।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप किसी की मदद करेंगे जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज आप काम में अपने किसी मित्र का सहारा ले सकते हैं। ऑफिस के काम में आज आपके सामने कई चुनौतियां भी आएगी। धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के आसार खुलेंगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके विरोधी भी आपके काम की सराहना करेंगे। धार्मिक कामों में आपका मन लगेगा। आज आपके कॉन्फिडेंस से कोई काम बन जायेगा। आज मार्किट से कोई मनपसंद वस्तु खरीदने का मन बना सकते हैं। नयी कार्य योजनाओं को स्टार्ट करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपके सामने लाभ के कुछ नए अवसर आयेंगे, जिन्हें आपको चूकना नहीं है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आज आपके कठिन परिश्रम का लाभ मिलने से मन में खुशी का भाव बना रहेगा। आज समाज में आपके अच्छे काम से आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे।

कर्क राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके घर में कोई मेहमान आ सकता है, जिससे घर में खुशियां ही खुशियां होंगी। समाज के लोग आपके अच्छे व्यवहार से खुश होंगे, तारीफ मिलेगी। आज काम अधिक होने के कारण मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, आपका पेशेंस आपको सफलता दिलाएगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका काम देखकर जूनियर आपसे बहुत कुछ सीखेंगे। आज बिजनेस में वर्तमान व्यवस्था को उचित बनाए रखने में आपका समय बीतेगा। आपको इसका सकारात्मक परिणाम भी हासिल होगा। इसलिए अभी किसी नए काम को शुरू ना करें। अगर बहुत दिनों से किसी से मिलने की सोच रहे है तो आज का दिन बेहतर है।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज छात्रों का मन पढ़ाई में लगा रहेगा। आप जिस काम में काफी दिनों से व्यस्त थे वो काम आज पूरा हो जायेगा, आप काम करने के नए टारगेट बनायेंगे। आज आपका मन इश्वर की आराधना में लगेगा आप किसी मंदिर जाकर पूजा अर्चना करेंगे।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज माता-पिता के साथ किसी रिश्तेदार के घर जायेंगे जहाँ आपको काफी अच्छा लगेगा। आपका अच्छा स्वभाव लोगों का प्रिय बनायेगा। आपकी सुख-सुविधाएं बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। आज ऑफिस में किसी से आपकी बहस हो सकती है। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं। आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। शारीरिक रूप से आपको थोड़ी थकावट महसूस हो सकती है, आपके काम की गति कुछ रुक सकती है।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपका कोई रुका काम पूरा हो जायेगा। आज सोसाइटी से संबंधित किसी विवाद में आपका प्रस्ताव निर्णायक साबित होगा। आज स्टूडेंट्स का कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा, किसी नए टॉपिक की शुरुआत होगी। आज आपके घर में कोई मंगल कार्यक्रम हो सकता है, आपका दिन व्यस्तता और भाग-दौड़ में बीतेगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप जो भी चाहेंगे वो सारे काम आपके मन-मुताबिक पूरे होंगे। नौकरी करने वाले लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। कोई भी बड़ा कार्य करने से पहले अपने बड़ों की राय लेना न भूलें, इससे आपको आगे बढ़ने में आसानी होगी। इस राशि के लोग आज किसी बड़ी योजना को शुरू कर सकते है, जिसका फायदा उन्हें आगे चलकर जरूर मिलेगा। आज किसी करीबी रिश्तेदार से अचानक मुलाकात हो सकती है। घर में संतान के रुप में लक्ष्मी के आने से खुशियों भरा माहौल रहेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज परिवारजन आपसी सामंजस्य द्वारा घर की किसी समस्या का हल निकालने में सक्षम रहेंगे, परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे, जहाँ आपको काफी शांति महसूस होगी।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। ट्रांसपोर्ट के व्यापारी आज किसी बुकिंग से अच्छा लाभ कमाएंगे। आज आपके माता-पिता की नाराजगी आपसे खत्म होगी। आपके आसपास कोई धार्मिक कार्यक्रम होगा जिसमें आपका परिवार शामिल होगा।

शब्द पहेली - 8327

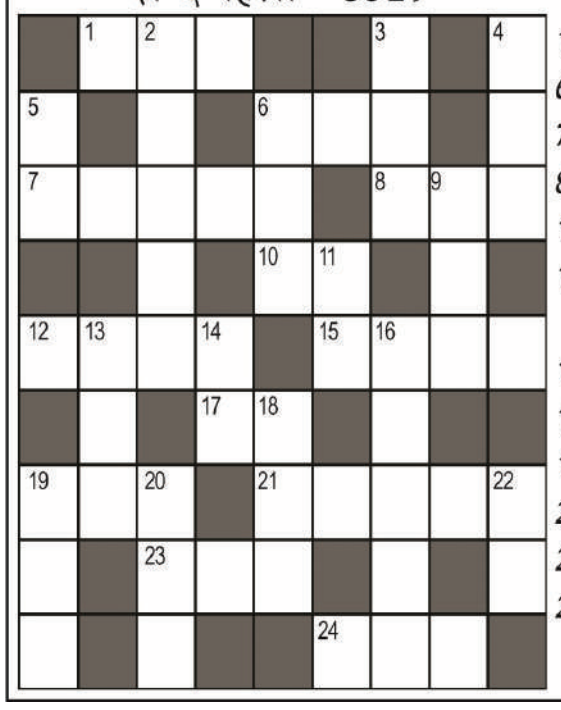

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -8326 का हल

	भ	क्त		सा	र	सं	भा	ल
का	या		व	ज	ह		त	प
ग	न	र		न	न	द		ल
	क	स	म		स		पा	पा
ह		म	न	मो	ह	क		ना
म	स्त		भा		न	म	क	
स		क	व	च		र	म	ल
फ	ना		न	र	म		त	ब
र	म	ण		म		शो	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**®; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
®समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीणों ने भोजन में कीड़ा निकलने पर किया विरोध

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के मध्य विद्यालय कस्माबाद में गुरुवार को दूसरे दिन भी बच्चे मध्याह्न भोजन से वंचित रहे। एनजीओ के द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन का जब ढक्कन खोला गया तो चावल में कीड़ा देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए। बच्चों ने भोजन करने से इनकार कर दिया। स्कूल लाए गए भोजन को वापस कर दिया गया।

विद्यालय प्रधान ने एनजीओ प्रतिनिधि और एमडीएम आरपी को सूचना दी। एनजीओ के प्रतिनिधि वरुण कुमार झा और एमडीएम आरपी भूपेश सिन्हा विद्यालय पहुंचे। ग्रामीण शारदा देवी, रुबी देवी, ममता कुमारी आदि ने बताया कि बुधवार को खिचड़ी चखने पर छह बच्चे बीमार हो गए। आज खाने में कीड़ा निकला। हम अपने बच्चों को दूषित भोजन नहीं करा सकते। इधर विद्यालय आए एनजीओ के प्रतिनिधि ने बताया कि चावल में कीड़ा आज निकला है। वरीय अधिकारी को इसकी जानकारी देंगे। साथ ही इसकी जांच करेंगे कि कीड़ा क्यों निकला। एमडीएम आरपी ने बताया कि भोजन वापस कर दिया। बच्चों को भोजन करने घर भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विभाशंकर कुमार ने बताया कि बुधवार को सुबह खिचड़ी आई थी। दोपहर जब बच्चों को खाना खिलाने लगे तो बच्चों ने चखने के दौरान बताया कि स्वाद बिगड़ गया है। खिचड़ी फेंक दी गई। गुरुवार को एनजीओ का आदमी जब खाना लेकर आया तो ग्रामीण खाना देखने विद्यालय में मौजूद थे। जब खाना का ढक्कन खोला गया तो बने चावल में कीड़ा निकला।

75 दुकान में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध छापमारी

भागलपुर, एजेंसी।

सुल्तानगंज बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर गुरुवार को छापामारी की गई। स्वच्छता पदाधिकारी अमित कुमार भगत ने बताया कि 75 दुकानों में छापामारी की गई। इस दौरान तीन हजार दो सौ रुपये का जुर्माना वसूला गया। साथ ही 450 ग्राम प्लास्टिक बरामद किया गया। मौके पर नप के टैक्स दरोगा गोपाल झा और तहसीलदार मनोज कुमार और राजीव भारती मौजूद थे। इस दौरान सड़क किनारे दिए गए पीली पट्टी के बाहर अतिक्रमण करने वाले दुकानदार को सख्त हिदायत दी गई।

बाल विवाह के खिलाफ सेविका ने ली शपथ

भागलपुर, एजेंसी। निज संवाददाता प्रखंड परिसर में गुरुवार को आंगनबाड़ी सेविका ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। शपथ सीडीपीओ किरण कुमारी ने दिलाई। जबकि सहायक समाहर्ता गरिमा लोहिया भी उपस्थित रहीं। सीडीपीओ ने बताया कि 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक लैंगिक असमानता और घरेलू हिंसा के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रम किया जाएगा इसके लिए सेविका को निर्देशित भी किया गया।

नशे में रहे पुलिस जमादार को डीएसपी ने किया गिरफ्तार, केस दर्ज

गया, एजेंसी। शराब के नशे में पुलिस की ड्यूटी करने वाले एक पुलिस जमादार को शेरघाटी के डीएसपी ने बुधवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया है। नशेबाज पुलिस अधिकारी की पहचान अजय कुमार तिवारी के रूप में हुई है। वह इआरएसएस-2 (डायल-112) आमस में तैनात थे। उनके खिलाफ आमस थाने में शराबबंदी कानून के तहत मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेशी की गई है। पिछले 40 दिनों के भीतर शेरघाटी अनुमंडल में शराब की लत को लेकर कार्रवाई का शिकार बनने वाला यह दूसरा पुलिसकर्मी है। डीएसपी की ताजा कार्रवाई से शराब का शौक रखने वाले पुलिसकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया है। इससे पूर्व बांकेबाजार थाने के एक पुलिस ड्राइवर विशाल कुमार को भी शेरघाटी के डीएसपी ने गत 18 अक्तूबर की आधी रात में शराब के नशे में गिरफ्तार किया था।

शेरघाटी में बतौर डीएसपी तैनात युवा आइपीएस अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने नवीनतम मामले को लेकर बताया कि बुधवार की रात करीब साढ़े दस बजे जमादार को तब गिरफ्तार किया गया, जब वह डायल-112 की गाड़ी के साथ शेरघाटी अनुमंडल मुख्यालय के करीब इमामगंज मोड़ पर मौजूद थे। इससे पूर्व डीएसपी को एएसआइ के नशे में होने की पक्की सूचना मिली थी।

अगले साल पटना में दौड़ने लगेगी मेट्रो रेल

सम्राट चौधरी ने बता दी उद्घाटन की तारीख

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में अगले साल यानी 2025 में मेट्रो रेल की सुविधा शुरू कर दी जाएगी। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने इसके लॉन्चिंग की तारीख भी बता दी है। उन्होंने बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में जानकारी देते हुए कहा कि पटना मेट्रो अगले साल स्वतंत्रता दिवस से चलने लगेगी। उन्होंने सदन में चालू वित्त वर्ष के लिए 32,506 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश करते हुए एक बयान में यह बात कही।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि इस बजट का उपयोग राज्य में केंद्र और बिहार सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में किया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷इस फंड का उपयोग पटना मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण को पूरा करने के लिए किया जाएगा। पटना मेट्रो अगले साल स्वतंत्रता दिवस से अपना परिचालन शुरू करेगी। पर्यटन विभाग से संबंधित कई परियोजनाओं के विकास के लिए भी निधि का उपयोग किया जाएगा, जिसमें कैमूर जिले में पर्यटक केंद्र का विकास भी शामिल है।÷

बता दें कि बिहार में अगले साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार पटना में शुरुआती फेज में मेट्रो रेल सेवा शुरू करने की तैयारी कर रही है। प्राथमिक कॉरिडोर पर आईएसबीटी बैरिया से मलाही पकड़ी तक मेट्रो दौड़ाने की योजना है, जिसे अगले साल 15 अगस्त तक शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार अपने खर्च पर 33 करोड़ में एक ट्रेन भी खरीदने वाली है। पिछले दिनों हुई नीतीश कैबिनेट की बैठक में 115 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई थी।

पटना मेट्रो के प्रारंभिक चरण में दो प्राथमिक गलियारे शामिल हैं। उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर में पटना जंक्शन से दानापुर तक मेट्रो चलेगी, जबकि पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर के जरिए पटना साहिब क्षेत्र को एम्स से जोड़ा जाएगा।

रेल यूनियन की मान्यता के लिए 4 से 6 दिसंबर तक गुप्त मतदान

गया, एजेंसी। रेल यूनियन की मान्यता को लेकर 4 से 6 दिसंबर तक बैलेट पेपर के माध्यम से गुप्त मतदान होगा। ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए ईस्ट सेंट्रल रेलवे कमर्चारी यूनियन सहित ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्पलाईज यूनियन और स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। डीडीयू रेल मंडल सहित धनबाद रेल मंडल क्षेत्र में यूनियन नेताओ ने अपने पक्ष में मतदान कराने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पूर्व मध्य रेल कर्मचारी यूनियन का गया जंक्शन क्षेत्र में लगातार रेल कर्मियों के बीच गेट मीटिंग की जा रही है।

पहाड़पुर, टनकुप्पा, गझंडी, गुरपा रेल क्षेत्र में ईसीआरएमसी के नेताओ द्वारा जनसम्पर्क अभियान तेज किया गया है। चुनाव मैदान में रहे यूनियन के लिए चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया गया है। किसी को बरगद का पेड़ तो किसी को फ्लैग, आम, रेल गाड़ी,मुठ्ठी-बाली-चक्र व कॉपी कलम मिला है। मान्यता के लिए समर्थन हासिल करने के लिए संगठन के लोग अपने-अपने चुनाव चिन्ह के साथ जनसम्पर्क बनाये हुए है। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के नेतृत्व में पिछले दो माह से लगातार जनसंपर्क अभियान जारी है। आरपीएफ व जीआरपी सहित जिला पुलिस बल की तैनाती मतदान केंद्रों पर की जाएगी।

आसमा ने ईसीआरएमसी को दिया समर्थन: पूर्व मध्य रेलवे में मान्यता प्राप्त यूनियन के लिए होने वाले गुप्त चुनाव में आसमा (ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन) ने ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस(ईसीआर एमसी) को सशर्त समर्थन देने का निर्णय लिया है। इस सम्बंध में समर्थन पत्र सौंपा गया है। आंसमा केन्द्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार एवं आंसमा केन्द्रीय महामंत्री शरतचन्द्र पुरोहित के हस्ताक्षर द्वारा ईसीआर एमसी के जोनल सचिव पी.एस. चतुर्वेदी को समर्थन पत्र दिया गया है। केंद्रीय अध्यक्ष ने बताया कि आसमां द्वारा विभिन्न जोनों में यूनियन के लिखित रूप से समर्थन के मांग पर जोनल सचिव द्वारा अपने मंडलों के मंडल सचिवों के साथ बैठक कर जोनल सचिव के अनुशंसा पर केन्द्रिय कमेटी विचार विमर्श कर सशर्त समर्थन पत्र जारी किया है।

ड्यूटी के दौरान शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत

- किशनगंज में पैक्स चुनाव में थे तैनात
- बेहोश होने पर अस्पताल में कराया गया था भर्ती

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के कोचाधामन थाना क्षेत्र के अंधासुर में पैक्स चुनाव ड्यूटी के दौरान एक शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान टेढ़ागाछ प्रखंड अंतर्गत झाला पंचायत के निवासी अनिल कुमार यादव (42) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है की शिक्षक भोजपुर बलवा उत्क्रमित मध्य विद्यालय में तैनात थे, और अचानक उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई।

बताया गया की अनिल कुमार ड्यूटी के दौरान अचानक सीने में दर्द की शिकायत के बाद वे बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत नजदीकी अस्पताल को सूचित किया। डॉक्टर घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को किशनगंज सदर अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है।

कुछ दिन पहले से चल रहे थे बीमार

मृतक की पत्नी प्रेमलता देवी ने बताया कि सुबह अनिल कुमार अस्वस्थ महसूस कर रहे थे और ड्यूटी पर जाने से पहले उन्होंने खाना खाया था। हालांकि, उनकी तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब थी, इसलिए उन्होंने भतीजे को साथ भेजा था। भतीजे ने फोन कर बताया कि अनिल कुमार बेहोश हो गए हैं। मृतक के भाई विजय कुमार यादव ने बताया कि अनिल 2005 से शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। उनकी अचानक हुई इस मौत से पूरे परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने रोकी 139 सीओ की सैलरी

बोले- पदाधिकारी नहीं सुधरे, तो उन्हें सुधारने के लिए आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी

पटना, एजेंसी। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने जमीन सर्वे और दाखिल-खारिज से संबंधित प्रक्रिया में गड़बड़ करने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 139 सीओ (अंचल पदाधिकारियों) का वेतन रोक दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर पदाधिकारी नहीं सुधरे, तो उन्हें सुधारने के लिए आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एक अन्य सवाल के जवाब में जायसवाल ने यह भी कहा कि वह विलंब से मंत्री बने, इसलिए कार्रवाई में देरी हुई।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को सदन में कहा कि सुस्त अंचलाधिकारियों की सूची तैयार कर ली गई है। विभाग की ओर से अब कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। प्रमंडलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारियों की जांच के बाद नए सिरे से एक्शन लिया जाएगा।

इस बीच एआईएमआईएम के विधायक अख्तरूल ईमान अपनी सीट से खड़े हुए और उन्होंने अंचल स्तर पर अस्वीकृत किए गए आवेदनों का निपटारा डीसीएलआर स्तर पर न करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी रैयत के खातियान का अगर 30-35 कार्यदिवस में दाखिल-खारिज नहीं हुआ है। ऐसे आवेदनों को डीसीएलआर के पास भेजा जा रहा है। रैयत को इसकी सूचना नहीं मिल पा रही है। डीसीएलआर के नाम पर उन्हें 15 से 20 हजार रुपये रिश्वत देनी पड़ रही है। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि नियमों के अनुसार अगर कोई अधिकारी अपनी जांच पूरी कर देता है, तो फिर दोबारा उसे ही जांच के लिए नियुक्त नहीं किया जाता है। ऐसे में ईमान की मांग बेबुनियाद है। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने जमीन सर्वे और दाखिल-खारिज से संबंधित प्रक्रिया में गड़बड़ करने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 139 सीओ (अंचल पदाधिकारियों) का वेतन रोक दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर पदाधिकारी नहीं सुधरे, तो उन्हें सुधारने के लिए आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एक अन्य सवाल के जवाब में जायसवाल ने यह भी कहा कि वह विलंब से मंत्री बने, इसलिए कार्रवाई में देरी हुई।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को सदन में कहा कि सुस्त अंचलाधिकारियों की सूची तैयार कर ली गई है। विभाग की ओर से अब कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। प्रमंडलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारियों की जांच के बाद नए सिरे से एक्शन लिया जाएगा।

इस बीच एआईएमआईएम के विधायक अख्तरूल ईमान अपनी सीट से खड़े हुए और उन्होंने अंचल स्तर पर अस्वीकृत किए गए आवेदनों का निपटारा डीसीएलआर स्तर पर न करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी रैयत के खातियान का अगर 30-35 कार्यदिवस में दाखिल-खारिज नहीं हुआ है। ऐसे आवेदनों को डीसीएलआर के पास भेजा जा रहा है। रैयत को इसकी सूचना नहीं मिल पा रही है। डीसीएलआर के नाम पर उन्हें 15 से 20 हजार रुपये रिश्वत देनी पड़ रही है। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि नियमों के अनुसार अगर कोई अधिकारी अपनी जांच पूरी कर देता है, तो फिर दोबारा उसे ही जांच के लिए नियुक्त नहीं किया जाता है। ऐसे में ईमान की मांग बेबुनियाद है।

वहीं, बीजेपी विधायक पवन जायसवाल के एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि उन्हें मंत्री बनने में समय लगा, इसलिए कार्रवाई में देरी हुई। दरअसल, पूर्वी चंपारण जिले के एक सरकारी स्कूल की जमीन की जमाबंदी दूसरे के नाम कर दिया गया था। मंत्री ने आश्वासन दिया कि एक माह के भीतर दोषी सीओ पर कार्रवाई की जाएगी।

गया में भारतमाला परियोजना का 55 किलोमीटर काम बचा

- डीएम ने दिए तेजी से काम पूरा करने के निर्देश, परियोजना की प्रगति का लिया जायजा

गया, एजेंसी। गया में भारतमाला परियोजना के तहत निर्माणाधीन सड़कों को तेजी से पूरा करने का फरमान डीएम त्यागराजन ने दिया है। उन्होंने शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी सारा अशरफ, जिला भू अर्जन पदाधिकारी रविन्द्र राम और कई अंचल अधिकारियों के साथ गांगटी से गुरारू तक परियोजना की प्रगति का जायजा भी लिया।

यही नहीं मथुरापुर स्थित बेस कैंप में अधिकारियों संग बैठक कर वस्तुस्थिति पर चर्चा भी की। डीएम ने परियोजना में लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने और

काम में तेजी लाने का सख्त निर्देश दिया है।

भूमि विवाद और मुआवजा पर फोकस: डॉ. त्यागराजन ने बताया कि परियोजना के तहत जिले में 55 किलोमीटर सड़क निर्माणाधीन है। हालांकि, भूमि से संबंधित कुछ मामले लंबित हैं। गंगटी, धरमपुर और काज मौजाओ में रैयती करण से जुड़े मुद्दों को जल्द निपटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को कहा गया है

। कहा गया है इस काम में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परैया और गुरारू क्षेत्र में भूमि चकबंदी और मौजा विवादों पर भी तेजी से कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने भूअर्जन के लंबित मुआवजा मामलों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

परियोजना से विकास को मिलेगी रफ्तार: भारतमाला परियोजना के कार्यकारी एजेंसी को स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएम ने कहा, इस सड़क के बनने से गया से दरभंगा की दूरी 210 किलोमीटर से घटकर 2.5 घंटे रह जाएगी। यह क्षेत्र के विकास के लिए बेहद अहम है।

मानवता शर्मसार

एचआईवी पीड़ित महिला की मौत के बाद परिजनों ने शव को लेने से किया मना

छपरा , एजेंसी। छपरा में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। एक एचआईवी पीड़ित महिला की मौत के बाद छपरा सदर अस्पताल में पिछले 24 घंटे से लावारिस हालत में महिला का शव पड़ा हुआ है। वहीं महिला की दो बच्चियां अपने पिता के आने का इंतजार कर रही हैं। महिला उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले की रहने वाली बताई जाती है। छपरा सदर अस्पताल में बीमार महिला को परिजनों ने भर्ती कराया था। सदर अस्पताल के कर्मचारी एचआईवी पीड़ित महिला की देखभाल कर रहे थे। उधर छपरा सदर अस्पताल में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर इस महिला के मौत के बाद परिजन शव को लेकर क्यों नहीं जा रहे हैं।

फर्जी वीजा पर विदेश भेजने वाले गिरोह का बिहार में बड़ा नेटवर्क

मुजफ्फरपुर और गोपालगंज में एनआईए का छापा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। गलत वीजा पर काम के बहाने बेरोजगारों को विदेश भेजने वाले बड़े नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका पर एनआईए की टीम ने गुरुवार सुबह करजा थाना क्षेत्र के चमरुआ गांव में छापेमारी की। यहां ग्रामीण मो. मुमताज के पुत्र मो. आबिद व उसके परिजनों से उसके घर में घंटों पूछताछ की गई।

इस दौरान एनआईए की टीम ने मुमताज के घर के पास किसी को फटकने भी नहीं दिया। पूछताछ के दौरान एनआईए ने स्थानीय बीडीओ और करजा थाने की पुलिस को भी चमरुआ बुलाया। उधर गोपालगंज में एनआई की टीम ने आधा दर्जन स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए के अधिकारियों ने करीब दो घंटे तक आबिद से पूछताछ की। परिवार वालों से अलग-अलग पूछताछ की गई। आबिद के मोबाइल को टीम ने खंगाला व कागजातों की जांच की।

टीम आबिद का मोबाइल और बैंक पासबुक भी जब्त कर साथ में ले गई है। इस दौरान स्थानीय अधिकारी भी मौजूद थे, लेकिन किसी भी अधिकारी ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मो. आबिद ग्रिल मिस्त्री है व एक दुकान में ग्रिल बनाने का कार्य करता है। एनआईए सूत्रों ने बताया कि फर्जी तरीके से गलत वीजा पर काम के लिए विदेश भेजे गए युवक दूसरे देश में फंसे हुए हैं। उसे कंपनी वाले नहीं आने दे रहे हैं। जिसने बेरोजगारों को विदेश भेजा था, उसके मोबाइल से आदिब के नंबर पर बातचीत हुई है। करजा थाने की पुलिस ने बताया कि एनआईए की देश स्तर पर कार्रवाई चल रही है।

ब्रह्मपुरा में तस्कर ने विदेश भेजने के लिए खोल रखा था ऑफिस

मुजफ्फरपुर से फर्जी वीजा पर विदेश भेजने वाले मानव तस्करों का बड़ा रैकेट बीते कई वर्षों से सक्रिय है।

अच्छी सैलरी पर बेरोजगारों को विदेश भेजने के नाम पर फंसाया जाता है। उनसे ठगी की जाती है और बेरोजगारों को मानव तस्करी के विदेशी नेटवर्क के हाथों सौदा कर दिया जाता है। बीते फरवरी माह में इसी तरह के एक बड़े नेटवर्क का मुजफ्फरपुर में खुलासा हुआ था। चमरुआ में आबिद के घर पर छापेमारी के दौरान उसके खाते में बड़ी राशि भेजे जाने की भी चर्चा है। जिसके संबंध में एनआईए के अधिकारियों ने भी काफी देर तक पूछताछ की है।

ब्रह्मपुरा के मेहदी हसन चौक के पास के मानव तस्करों ने विदेश भेजने वाली कंसल्टेंसी के नाम पर अपना कार्यालय खोल रखा था। मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, सीवान, छपरा, समस्तीपुर, दरभंगा समेत आसपास के जिलों के 17 बेरोजगारों को फर्जी वीजा पर उज्बेकिस्तान भेजने की तैयारी थी। बेरोजगारों को मानव तस्करों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर बुलाया था। जहां पर फर्जी वीजा दिया गया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, शनिवार, 30 नवंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

बरेली में दुष्कर्म पीड़िता ने दिया बच्ची को जन्म, पति के तौर पर लिखाया आरोपी का नाम

बरेली , एजेंसी। बरेली के नवाबगंज में शादी का झांसा देकर अनुसूचित जाति की युवती से शारीरिक संबंध बनाने वाले आरोपी को पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। उधर, यौन शोषण से गर्भवती हुई युवती बिन ब्याही मां बन गई। उसने बुधवार को सीएचसी में एक बच्ची को जन्म दिया है। सीएचसी के अभिलेखों में युवती ने आरोपी का नाम पति के तौर पर दर्ज कराया है। साथ ही, पुलिस पर सांठगांठ का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हाफिजगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की अनुसूचित जाति की युवती परिवार के साथ हरियाणा में रहकर मजदूरी करती है। भुता थाना क्षेत्र के गांव ढकनी का युवक भी वहीं रहकर मजदूरी करता था। वहां दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग हो गया। युवती का आरोप है कि युवक शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब वह गर्भवती हुई तो युवक शादी की बात से मुकर गया। मामले को बढ़ता देख युवती की मां उसे लेकर गांव लौट आई। पीड़ित युवती ने एसएसपी के आदेश पर थाना हाफिजगंज में आरोपी के खिलाफ तीन अक्तूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लेकिन पुलिस उसे अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। वहीं गर्भवती युवती ने बच्ची को जन्म दिया है।

कोल विधायक पर हुए हमले का फैसला नौ दिसंबर को, बहस हुई पूरी

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ से भाजपा नेता अनिल पाराशर के कोल विधायक निर्वाचित होने से पहले हुए हमले के मुकदमे में 28 नवंबर को बहस की प्रक्रिया पूरी हो गई। अदालत ने निर्णय सुनाने के लिए 9 दिसंबर की तारीख नियत की है। यह मुकदमा सत्र न्यायालय में विचाराधीन है। यह घटना अगस्त 2012 की है। अनिल पाराशर उस समय तक वरिष्ठ भाजपा नेता व भाजयुमो के पूर्व महानगर अध्यक्ष थे। उसी दौरान उन्हें गोली मारी गई थी। इस हमले में वे बाल-बाल बच गए। इस मामले में पुलिस ने अनिल पाराशर के रिश्तेदार मनीष पचौरी पर हमला कराने का खुलासा किया था। जिसमें दो सुपारी शूटर जितेंद्र व अशोक भी गिरफ्तार हुए। इस मुकदमे का ट्रायल जिला जज की अदालत में चल रहा है। गवाही पूरी होने के बाद बहस की प्रक्रिया चल रही थी। इस मामले में बहस की प्रक्रिया पूरी हो गई है। डीजीसी फौजदौरी चौ.जितेंद्र सिंह के अनुसार अब निर्णय के लिए अदालत ने 9 दिसंबर तारीख नियत कर दी है।

छोटी सी स्पोर्ट्स फर्म... और हो गई 14.5 करोड़ की जीएसटी चोरी, बना दिए फर्जी ई-वे बिल

मेरठ , एजेंसी। शहर की एक युवती के साथ 14 करोड़ के जीएसटी फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। युवती का आरोप है कि वह पिछले तीन महीने से थानों और जीएसटी दफ्तर के चक्कर काट रही है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही। बृहस्पतिवार को वह एसएसपी ऑफिस शिकायत करने पहुंची। युवती ने बताया कि वो एक स्पोर्ट्स उत्पाद की एक फर्म चलाती है। यह फर्म जिम का सामान बनाकर सप्लाई करती है। युवती ने बताया कि लगभग तीन महीने पहले उसके पास जीएसटी विभाग से ई-मेल आया था। नोटिस देख युवती के होश उड़ गए। नोटिस में साढ़े चौदह करोड़ के दो ई-वे बिलों का जिक्र था। युवती ने कहा कि उसकी बहुत छोटी सी फर्म है। अभी हाल ही में उसने अपना बिजनेस शुरू किया है। इतनी तो कमाई भी नहीं हुई कि वह साढ़े चौदह करोड़ के ई-वे बिल निकाल सके। युवती ने कहा कि एक बिल पांच करोड़ और दूसरा ई-वे बिल साढ़े नौ करोड़ का था, जो उसे भेजा गया। दोनों बिल उसकी फर्म के नाम से जनरेट थे। युवती ने कहा कि आज तक उसने कभी इन फर्म के साथ काम नहीं किया न ही कोई इतना बड़ा माल भेजा। कुछ दिन पहले उसने एक ईवे बिल साइबर कैफे से जनरेट कराया था।

अदालत में सर्वे रिपोर्ट पेश नहीं, कोर्ट कमिश्नर ने मांगा समय

संभल , एजेंसी। संभल में शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा करने के मामले में सिविल जज सीनियर डिविजन संभल स्थित चंदौसी की कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई के लिए अगली तारीख तय कर दी है। मौके पर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। न्यायालय की ओर आने वाले सभी रास्तों को बैरीकेडिंग कर सील कर दिया गया है।

कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश नहीं, कोर्ट कमिश्नर ने मांगा समय

संभल की जामा मस्जिद से जुड़े मामले में चंदौसी सिविल कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश नहीं की जा सकी। एडवोकेट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने बताया कि 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हुई हिंसा के कारण रिपोर्ट तैयार नहीं हो पाई है। शाही जामा मस्जिद समिति के वकील ने अदालत से इस केस से संबंधित सभी पत्रावलियों की प्रतियां मांगी हैं। वकील ने कहा कि अदालत ने इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब मस्जिद का कोई अन्य सर्वे नहीं होगा।

शाही जामा मस्जिद के वकील ने दस्तावेजों की प्रतियां मांगी

शाही जामा मस्जिद समिति के वकील शकील अहमद वसीम ने कहा कि मस्जिद की ओर से अदालत में दस्तावेजों की प्रतियां मांगी गई थीं, जो अब अदालत के आदेश के बाद प्राप्त होंगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब मस्जिद का कोई अन्य सर्वे नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी को तय की है।

इस दौरान सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करने और दोनों पक्षों के तर्कों को सुना जाएगा। मामला संवेदनशील होने के कारण सभी पक्षों पर अदालत की कड़ी निगरानी है। संभल के शाही जामा मस्जिद मामले में चंदौसी कोर्ट में बृहस्पतिवार को सुनवाई हुई। इस दौरान दोनों पक्षों के वकील अदालत में पेश हुए। कोर्ट में मस्जिद समिति के वकीलों ने दूसरे पक्ष से मामले से संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराने की मांग की, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट कमिश्नर ने सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए कुछ और समय की मांग की। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट अभी तैयार नहीं हो पाई है और इसे पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है।

शाही जामा मस्जिद के वकील ने मांगी दस्तावेजों की प्रतियां

जामा मस्जिद समिति के वकील शकील अहमद वसीम ने बताया कि मस्जिद की ओर से अदालत में पेश होकर मामले से संबंधित दस्तावेज़ों की प्रतियां मांगी गईं, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। उन्होंने बताया कि सर्वे रिपोर्ट आज पेश नहीं की गई। सर्वे टीम ने रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने की मांग की है। अब मस्जिद का कोई अन्य सर्वे नहीं होगा।

अगली सुनवाई आठ जनवरी को होगी

संभल में जामा मस्जिद केस मामले की चंदौसी कोर्ट में सुनवाई हुई। इस बीच दोनों पक्षों के वकील कोर्ट में पहुंचे। कोर्ट कमिश्नर ने रिपोर्ट पेश करने के लिए कुछ दिन का समय मांगा। इसके अलावा मस्जिद पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष ने कागजात उपलब्ध करवाने को कहा। कोर्ट ने अगली सुनवाई आठ जनवरी तय की है।

डीआईजी बोले- शांतिपूर्ण तरीके से होगी जुमे की नमाज

मुरादाबाद रेंज के डीआईजी मुनिराज जी ने कहा, च्शुक्रवार की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से होगी और इसके लिए हमने सभी इंतजाम कर लिए हैं। तीन स्तरीय सुरक्षा योजना लागू की गई है। पीएसी, आरएएफ को भी तैनात किया गया है।

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में छतों पर दिखे पत्थर

बृहस्पतिवार से ही पुलिस प्रशासन सतर्क नजर दिखा। सीओ संतोष कुमार और कोतवाल रेनू सिंह ने भारी पुलिस के साथ मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र लक्ष्मण गंज, सीकरी गेट, पजाया, जारई गेट, संभल गेट आदि क्षेत्र में ड्रोन कैमरे से निगरानी कराई थी। तमाम घरों की छतों पर ईंट पत्थर रखे मिले थे। जिससे पुलिस ने तत्काल गृह स्वामियों ने छतों से ईंट पत्थर हटवा दिए हैं।

न्यायालय के आसपास के मकानों की छपों पर भी पुलिस की तैनाती

न्यायालय परिसर में भी पंजीकृत अधिवक्ताओं को प्रवेश दिया जाएगा। वादकारियों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इतना ही नहीं न्यायालय के आसपास मकानों की छतों पर भी पुलिस तैनात रहेगी।

न्यायालय की ओर आने वाले सभी रास्ते सील

न्यायालय की सुरक्षा के लिए ड्रोन कैमरे की भी मदद ली जा रही है। अधिवक्ताओं से भी वार्ता कर सहयोग की अपील की गई है। शुक्रवार को सुबह आठ बजे से ही शक्तिनगर, मुंसिफ रोड और न्यायालय से सटे आवास विकास समेत न्यायालय की ओर आने वाले सभी रास्तों को बैरीकेडिंग कर सील कर दिया गया है। आम आदमी को इस ओर एंट्री नहीं दी जाएगी।

शोध: जहरीली होती हवा बन रही दिल की दुश्मन, फेफड़ों में रोजाना भर रहा 12 सिगरेट का धुआं

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ की जिस जहरीली हवा में हम सांस ले रहे हैं, वह हमारे दिल को बीमार बना रही है। हवा में मौजूद पीएम-2.5 समेत अन्य रसायन सांसों के जरिये खून में मिलकर दिल को उतना ही नुकसान पहुंचा रहे हैं, जितना हाई कोलेस्ट्रॉल और अनियंत्रित डायबिटीज पहुंचाती है। ये चौंकाने वाली जानकारी आईआईटीआर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विष विज्ञान सम्मेलन में आए अमेरिका के लुईविल विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय श्रीवास्तव ने अपने एक दशक तक चले शोध के नतीजों के हवाले से दी।

उन्होंने बताया कि प्रदूषण हमारी धमनियों को भीतर से कमजोर और संकरा बना रहा है। इससे दिल पर जोर पड़ने से स्थायी व घातक समस्याएं पैदा हो रही हैं। वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों व बुजुर्गों को पहुंच रहा है। जहरीली हो चुकी हवा में सांस लेने से इनमें बीमारियों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो रही है।

इन दिनों लखनऊ का औसत एक्यूआई 250 के करीब है। ऐसे में यहां की हवा में सांस लेने वाला व्यक्ति रोजाना 12 सिगरेट का धुआं अपने फेफड़ों में भर रहा है। डॉ. संजय का शोध अमेरिका के सर्कुलेशन रिसर्च जर्नल, साइंस ऑफ टोटल एनवायरनमेंट जैसे प्रतिष्ठित जर्नल में छप चुका है।

ऐसे दिल की दुश्मन बनती है प्रदूषित हवा : डॉ. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि हमारी धमनी नलिका की भीतरी परत एंडोथीलियम की बनी होती है, जो बहुत संवेदनशील होती है। प्रदूषण के कण एंडोथीलियम पर चिपककर कोलेस्ट्राल जैसी मोटी परत बना देते हैं, जिससे धमनियां संकरी हो जाती हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में लोगों में हाई बीपी के साथ दिल के दौरे और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं।

पर्यावरण निगरानी व्यवस्था विकसित करे भारत सरकार: सरकार से अनुरोध करते हुए डॉ. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदूषण के जहर से निपटने के लिए भारत में पर्यावरण निगरानी व्यवस्था विकसित करनी होगी। प्रदूषण पर अध्ययन के लिए पश्चिमी देशों पर निर्भर न रहकर स्थानीय शोध को बढ़ाना होगा।

रायबरेली जिला कारागार में फंदे पर लटका मिला बंदी का शव, अफसरों के हाथ-पांव फूले, मचा हड़कंप

लखनऊ , एजेंसी। दहेज हत्या के मामले में जेल में बंद विचाराधीन एक बंदी का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। खबर जैसे ही जेल प्रशासन को लगी अफरा तफरी मच गई। सदर थाना पुलिस व फोरेंसिक टीम जानकारी पाकर जेल पहुंची। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया।

वारिस रायनी (28) पुत्र आरिफ रायनी निवासी गांव कंचना थाना मोहनगंज जिला अमेठी दहेज हत्या के मामले में पिछले पांच साल से विचाराधीन कैदी के रूप में रायबरेली जेल में बंद था। बृहस्पतिवार शाम को जेल में बने टेलीफोन बूथ से उसने अपने पिता से बातचीत की। जिसके बाद वह अस्पताल के पीछे बागवानी ग्राउंड में चला गया। वहीं पर रात में गमछे से नीम की डाली पर फंदे से शव लटका मिला। मामले में जेल प्रशासन का कहना है कि जब शाम को बैरक के अंदर जाने के बाद कैदियों की गिनती की गई तो पता चला कि एक कैदी लापता है।उसे खोजा गया तो उसका शव नीम के पेड़ से लटका मिला।

मामले की जानकारी स्थानीय थाने की पुलिस को दी गई और फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। शव का परीक्षण करके उसे पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

जांच करने मौके पर गए नायब तहसीलदार सदर तेजस्वी त्रिपाठी ने बताया कि जेल में एक बन्दी की मौत हुई है। जो कि अमेठी जनपद के रहने वाला था। सीसीटीवी में देखा गया कि वारिस मरने से पहले जेल में जहां खेती होती है उधर चला गया। जिधर सीसीटीवी से दिखाई नहीं देता उधर उसने जाकर पेड़ से अपने गमछे से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जेल प्रशासन, स्थानीय पुलिस, फोरेंसिक टीम ने जांच की है।

गिरफ्तारी का ऐसा डर...18 महीने से तहसील की टीम को घुमा रहे थी तीन बिल्डर; एक झटके में जमा करा दिया बकाया

आगरा , एजेंसी। आगरा में तीन बिल्डरों की गिरफ्तारी के लिए बृहस्पतिवार सुबह 8:30 बजे तहसील प्रशासन की टीम ने दबिश डाली। 18 महीने से बकाया रकम जेल जाने के डर से एक घंटे में आधी राशि जमा कर दी। बाकी रकम चुकाने के लिए प्रशासन ने सात दिन की मोहलत दी है। श्रीजी इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विजय सिंह, चंदन सिंह और मुकेश शर्मा पर घर खरीदारों का 24 लाख रुपया बकाया था। खरीदारों को घर मिले न उनकी रकम वापस की गई। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगूलेटरी अथॉरिटी (रेरा) में घर खरीदारों ने गुहार लगाई। रेरा ने 24 लाख की वसूली के आदेश भूराजस्व के माध्यम से कराने के आदेश जिलाधिकारी को दिए। डीएम के आदेश पर तीनों निदेशकों के खिलाफ रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी की गई। आरसी जारी होने के 18 महीने बाद भी बिल्डरों ने बकाया नहीं चुकाया। बकाया वसूली के लिए एसडीएम सदर सचिन राजपूत ने तीनों बिल्डरों की गिरफ्तारी के आदेश दिए। बृहस्पतिवार सुबह टीम के साथ गिरफ्तारी के लिए नायब तहसीलदार सुधीर गिरी के नेतृत्व में राजस्व संग्रह टीम ने दबिश डाली। जैसे ही बिल्डरों को पकड़ कर टीम हवालात में बंद करने के लिए ले जाने लगी। उन्होंने रकम चुकाने की बात कही। एक घंटे में टीम को 10 लाख रुपये जमा कराए। बाकी 14 लाख रुपये जमा कराने के लिए सात दिन की मोहलत मांगी है। एसडीएम ने बताया कि बकाएदारों से वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

चार बकाएदारों की अचल संपत्तियां कुर्क: सदर तहसील प्रशासन ने करीब 26.42 लाख रुपये के चार बकाएदारों की अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। कुर्क संपत्ति की खरीद-फरोख्त नहीं होगी। कछपुरा निवासी राकेश पर 3.44 लाख रुपये बकाया था। उसकी 6.0350 हेक्टेयर भूमि कुर्क की गई।

यूपी में 16 पीसीएस अफसरों के तबादले, आठ पीपीएस का भी हुआ ट्रांसफर

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार की देर रात 16 पीसीएस और आठ पीपीएस अफसरों को इधर से उधर कर दिया। राजेश कुमार चतुर्थ विशेष कार्याधिकारी यमुना एक्सप्रेसवे अथॉरिटी गौतमबुद्धनगर से एडीएम (भूमि अध्यप्ति) गौतमबुद्धनगर व अमित कुमार राठौर तृतीय एडीएम न्यायिक कानपुर देहात से मुख्य राजस्व अधिकारी गोरखपुर बनाए गए हैं।

कीर्ति प्रकाश भारती उपनिदेशक सूडा लखनऊ से मुख्य राजस्व अधिकारी बस्ती, ज्योति गौतम उपनिदेशक बाल विकास एवं पुष्टाहार निदेशालय लखनऊ से एडीएम (नागरिक आपूर्ति) लखनऊ बनाई गई है। मदन मोहन वर्मा एसडीएम महाराजगंज से एडीएम नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति बांदा, प्रेमचंद मौर्य एसडीएम आजमगढ़ से एडीएम नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति जालौन बनाए गए हैं। योगेंद्र कुमार एसडीएम मैनपुरी से एडीएम नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति झांसी, मोहनलाल गुप्ता एसडीएम अंबेडकरनगर से एडीएम नमामिगंगे व ग्रामीण जलापूर्ति फिरोजाबाद बनाए गए हैं। शिवौतार सिंह एसडीम अयोध्या से विशेष कार्यकारी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर, मृत्युंजय नारायण मिश्रा एसडीएम महोबा से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम वाराणसी, सुनील कुमार एसडीएम एवं विशेष कार्य अधिकारी राजस्व परिषद लखनऊ से एसडीएम प्रयागराज बनाए गए हैं। अशोक कुमार चौधरी एसडीएम ललितपुर से एसडीएम प्रयागराज, राघवेंद्र सिंह एसडीएम बांदा से एसडीएम प्रयागराज, हीरालाल एसडीएम अलीगढ़ से एसडीएम प्रयागराज, सुरेंद्र प्रताप यादव एसडीएम सहारनपुर से एसडीएम प्रयागराज, ठाकुर प्रसाद एसडीम सुलतानपुर से एसडीएम प्रयागराज बनाए गए हैं।

मनमाना किराया नहीं ले सकेंगे ई रिक्शा वाले, अब प्रति किलो मीटर ले सकेंगे इतने रुपये

लखनऊ , एजेंसी। ई रिक्शा चालक अब यात्रियों से मनमाना किराया नहीं वसूल सकेंगे। ये अधिकतम 8.30 रुपये प्रति किमी की दर से किराया ले सकेंगे। इसके लिए राज्य परिवहन प्राधिकरण को निर्देशित किया गया है।

परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू ने बृहस्पतिवार को इस बाबत पत्र जारी किया है। इसमें परिवहन आयुक्त व अन्य अफसरों को निर्देशित किया गया कि ठेका गाड़ी के रूप में चल रहे ई रिक्शा के किराये की अधिकतम दर प्रति किमी 8.30 रुपये तय की गई है।

इस मार्च तक प्रदेश में तकरीबन पौने छह लाख ई रिक्शा पंजीकृत हो चुके हैं। अब इनकी संख्या बढ़ गई है। लखनऊ में 55 हजार पंजीकृत ई रिक्शा हैं। बगैर पंजीकरण के भी ई रिक्शा चल रहे हैं। लंबे समय से ऑटो रिक्शा की तरह इनके लिए भी किराया तय करने की मांग उठाई जा रही थी। यात्रियों की ओर से भी ई रिक्शा चालकों के मनमाना किराया वसूलने की शिकायतें आ रही थीं।

बरेली रिंग रोड: किसानों को मिलेंगे 800 करोड़ रुपये

बरेली , एजेंसी। बरेली शहर के बाहरी हिस्से में 2,074 करोड़ रुपये की लागत से 29.920 किलोमीटर लंबे रिंग रोड का निर्माण प्रस्तावित है। डीपीआर को मंजूरी मिल गई है। इसके निर्माण से पहले 32 गांवों के 900 किसानों को 800 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा मिलेगा। 20 गांवों के किसानों के 300 करोड़ के अवॉर्ड तैयार हैं। अगले सप्ताह से मुआवजा खाते में आने के आसार हैं।

12 गांवों के किसानों की जमीन के लिए अवॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया तेज की गई है। किसानों की जेब में रुपये आते ही बाजार को रफ्तार मिलेगी। जमीन की खरीद-फरोख्त तेज होगी। रिंग रोड से जुड़े गांवों के आसपास की जमीन के दाम भी बढ़ेंगे। शहरी क्षेत्र का विस्तार होगा। शहर में वाहनों का दबाव घटेगा। बाहर से आने वाले वाहन रिंग रोड से होकर दूसरे शहरों व जिलों को जा सकेंगे।

बरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 530 पर धंतिया गांव के निकट झुमका चौराहे से रिंग रोड शुरू होगा, जो इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी के करीब राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 30 से जुड़ेगा। रिंग रोड पर चार आरओबी, 17 अंडरपास और तीन नए चौराहे विकसित किए जाएंगे। निर्माण पर 907.25 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यूटिलिटी शिफ्टिंग और भूमि अधिग्रहण पर शेष व्यय होना है। रिंग रोड फोरलेन होगा। कहीं-कहीं इसे सिक्सलेन भी किया जाएगा। झुमका से बुखारा रोड होकर इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी तक अधिकतम 60 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी।

ये भी होंगे फायदे: शहर में ट्रैफिक का दबाव घटेगा। जाम से मुक्ति मिलेगी। आवागमन में समय कम लगेगा। सड़कों की उम्र बढ़ेगी।

बिल्डर्स को नई कॉलोनियां बसाने का मिलेगा अवसर: वास्तुविद सुमित अग्रवाल ने बताया कि जहां भी सड़क बनती है, वहां आसपास के क्षेत्र का विकास खुद-ब-खुद होने लगता है। मुझे लगता है कि रिंग रोड के आसपास बसे करीब सौ गांवों में जमीन के रेट बढ़ने के साथ नए उद्यम स्थापित होने का रास्ता खुलेगा। रिंग रोड के लिए जिन 32 गांवों की जमीन ली जा रही है, उन गांवों के आसपास बिल्डर्स को नई कॉलोनियां विकसित करने का अवसर मिलेगा।

इंडस्ट्रियल टाउनशिप और नाथधाम परियोजना को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी: बीडीए सचिव योगेंद्र कुमार ने बताया कि परसारखेड़ा के रहपुरा जागीर में प्रस्तावित इंडस्ट्रियल टाउनशिप को झुमका चौराहे से रिंग रोड की कनेक्टिविटी मिल जाएगी। औद्योगिक विकास होगा। बदायूं रोड पर प्रस्तावित नाथधाम परियोजना को भी विकसित करने के लिए सड़क की बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा के कानपुर के ठिकाने श्यामनगर में भी ईडी का छापा

- राज कुंद्रा का काम संभालने वाले अरविंद श्रीवास्तव की कानपुर के श्याम नगर स्थित ससुराल में हुई ईडी की रेड
- अरविंद की पत्नी हर्षिता के खाते में पहले थे 20000 और अब हैं 2 करोड़ 33 लाख 222 रुपये

सुनील बाजपेई

कानपुर । जानी मानी फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की मुसीबतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब उनका काम देखने वाले अरविंद श्रीवास्तव की कानपुर स्थित ससुराल में ईडी ने छापा मारा है। सिंगापुर में राज कुंद्रा का काम देखने वाले अरविंद श्रीवास्तव की ससुराल यहां की श्याम नगर में है। मामले में इडी के अधिकारी उसके पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रहे हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी के घर पोर्नोग्राफी मामले के तार कानपुर से भी जुड़े हुए हैं । इसीलिए आज शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कानपुर के श्याम नगर में भी छापेमारी की।

यहां श्याम नगर में रहने वाले नर्वदा श्रीवास्तव का बड़े बेटे अरविंद श्रीवास्तव कानपुर आईआईटी से इंजीनियरिंग करने के बाद पत्नी हर्षिता श्रीवास्तव के साथ सिंगापुर में रहता है।

अरविंद्र श्रीवास्तव सिंगापुर में रहकर राज कुंद्रा प्रोडक्शन का काम संभालता था। ईडी द्वारा केस दर्ज किए जाने के बाद अब आवासीय परिसरों और दफ्तरों की तलाशी ली जा रही है।

आज अरविंद श्रीवास्तव की ससुराल श्याम नगर में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से हड़कंप की बीच स्थित रही।

सूत्रों के मुताबिक अरविंद की पत्नी हर्षिता श्रीवास्तव का मायका कानपुर के बर्रा-8 स्थित एमआईजी ब्लॉक ए में है। बर्रा स्थित पीएनबी बैंक में 10 जनवरी 2008 में मां के साथ ज्वाइंट खाता खुलवाया था।

उस समय हर्षिता के खाते में मात्र 20 हजार रुपए थे। इसके बाद मई 2019 से 2021 के बीच हर्षिता के खाते में 2 करोड़ 33 लाख 222 रुपये पहुंच गए। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक अरविंद श्रीवास्तव के पिता से भी पूछताछ की जा रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

पुतिन बोले- ट्रम्प अभी भी सुरक्षित नहीं, अमेरिका में पहले भी बड़े नेताओं की हत्या हुई

अस्ताना। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। CNN के मुताबिक पुतिन ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव जीतकर ट्रम्प ने एक बड़ी परीक्षा पास कर ली है, लेकिन अभी भी वे सुरक्षित नहीं हैं। ट्रम्प को रोकने के लिए कई गलत तरीके इस्तेमाल हुए। दो बार जानलेवा हमला भी हुआ। अभी भी उन्हें सतर्क रहना होगा। अमेरिकी इतिहास में ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। कई बड़े नेताओं की हत्या हुई। उम्मीद है कि ट्रम्प इसे समझते होंगे। गौरतलब है कि ट्रम्प जुलाई में पेंसिल्वेनिया में भाषण दे रहे थे तब उन पर जानलेवा हमला हुआ था। इसमें वे मामूली तौर पर घायल हुए थे। इसके बाद सितंबर में फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में एक एक शख्स ने उनकी जान लेने की कोशिश की थी, लेकिन वे नाकाम हो गया। पुतिन ने यह भी कहा कि ट्रम्प के परिवार और उनके बच्चों के खिलाफ कई बातें कही गईं। रूस में ऐसा नहीं होता है। यहां बुरे लोग भी परिवार को बीच में नहीं लाते। पुतिन कजाकिस्तान में पत्रकारों से बात कर रहे थे। पुतिन यहां एक डिफेंस समिट में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं।

सीरिया में विद्रोही गुट का मिलिट्री बेस पर कब्जा

दमिश्क। सीरिया में विद्रोही गुटों के हमले में बुधवार को 89 लोग मारे गए। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ये पिछले 4 साल में विद्रोहियों की तरफ से किया गया सबसे बड़ा हमला था। उन्होंने सीरियाई आर्मी के एक मिलिट्री बेस पर भी कब्जा कर लिया है। जिन गुटों ने बुधवार को हमला किया उनमें से एक संगठन हयात तहरीर अल-शम को अल कायदा का समर्थन हासिल है। ये आतंकी संगठन सीरिया के बड़े शहरों में से एक अलेप्पो में साढ़े 9 किलोमीटर तक घुस चुके हैं। इसके लड़ाकों ने बशर अल असद की सरकार के समर्थन वाली सेना के हथियारों और वाहनों पर कब्जा कर लिया है। सीरिया के विद्रोही गुटों ने टेलीग्राम पर दावा किया है कि उन्होंने सीरियाई सरकार के 46 सैन्य अड्डों को कब्जे में ले लिया है। वे सिर्फ 10 घंटों के भीतर अलेप्पो शहर के कई गांव पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। हालांकि सीरियाई सरकार ने इन दावों पर कुछ नहीं कहा है। 2020 में तुर्किये की मदद से विद्रोहियों और असद सरकार के बीच एक समझौता कराया गया था, जिससे वहां बड़े हमलों में कमी आई थी। 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हुई थी। साल 2000 से सीरिया के सत्ता में काबिज बशर अल असद की तानाशाही सरकार के खिलाफ लोकतंत्र समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। इसके बाद एक फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ।

भारतीय अधिकारियों के मैसेज पढ़ रहे थे कनाडाई अफसर

ओटावा। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को संसद में बताया कि कनाडा के वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों के 'ऑडियो-वीडियो' मैसेज पर निगरानी रखी जा रही थी और यह अभी भी जारी है। उनके निजी मैसेज को भी पढ़ा जा रहा था। यह जानकारी खुद कनाडा के अधिकारियों ने भारतीय अधिकारियों को दी है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने 2 नवंबर को एक नोट भेजकर ट्रूडो सरकार से इसकी शिकायत की थी और इसे राजनयिक प्रावधानों का उल्लंघन बताया था। कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उनसे पूछा गया था कि क्या कनाडा में भारतीय राजनयिक अधिकारियों पर साइबर सर्विलांस या अन्य किसी तरह की निगरानी की किसी घटना की जानकारी है? मंत्री बोले- कनाडा संग रिश्ते खराब रहेंगे कीर्तिवर्धन सिंह ने अपने जवाब में हाल ही में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के बयान का भी हवाला दिया। प्रवक्ता जायसवाल ने कर्मचारियों के मैसेज पढ़े जाने को लेकर कहा था कि तकनीकी बातों का हवाला देकर कनाडाई सरकार इस तथ्य को सही नहीं ठहरा सकती। कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि कनाडा के साथ भारत के संबंध मुश्किल भरे रहे हैं और बने रहेंगे। इसकी वजह ट्रूडो सरकार का चरमपंथी और अलगाववादी तत्वों को बढ़ावा देना है। मंत्री ने कहा कि ये लोग भारत विरोधी एजेंडे की वकालत करते हैं। हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कनाडा के नियमों का फायदा उठाते हैं। यह भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरनाक है।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के सोशल मीडिया बैन का बिल पास, ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन का बिल संसद से पारित हो गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस बिल का समर्थन किया। ऑस्ट्रेलिया ऐसा बिल पारित करने वाला दुनिया का पहला देश है। बिल के मुताबिक, अगर एक्स, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म बच्चों को अकाउंट रखने से रोकने में नाकाम रहते हैं, तो उन पर 275 करोड़ रुपए (32.5 मिलियन डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसमें माता-पिता की सहमति या पहले से मौजूद खातों के लिए कोई छूट नहीं दी जाएगी। कानून बनने के बाद, प्लेटफॉर्म के पास प्रतिबंध को लागू करने के तरीके पर काम करने के लिए एक साल का वक्त होगा। प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज ने भी बिल का सपोर्ट किया। 25 नवंबर संसद में बोलते हुए एल्बनीज ने सोशल मीडिया को टेंशन बढ़ाने वाला, ठगों और ऑनलाइन अपराधियों का हथियार बताया था। उन्होंने कहा- वह चाहते हैं कि आस्ट्रेलियाई युवा फोन छोड़कर फुटबॉल, क्रिकेट और टेनिस खेलें। ऑस्ट्रेलिया के नक्शे कदम पर चलते हुए, ब्रिटिश सरकार भी 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन पर विचार कर रही है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार , ब्रिटेन के टेक्नोलॉजी सेक्रेटरी पीटर काइल का कहना है कि वह ऑनलाइन सुरक्षा तय करने के लिए "जो भी करना होगा, करेंगे"। खासतौर पर बच्चों के लिए। पीटर काइल ने यह भी कहा कि युवाओं पर स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के प्रभावों को लेकर और ज्यादा रिसर्च करने की जरूरत है। अभी इसे लेकर अभी तक हमारे पर कोई ठोस सबूत नहीं है।

पायलट सुसाइड केस- सृष्टि-बॉयफ्रेंड के बीच 11 कॉल हुए, वीडियो कॉल में बोली- सुसाइड करने जा रही हूं

नई दिल्ली। एअर इंडिया की पायलट सृष्टि तुली सुसाइड केस में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। जांच कर रही मुंबई पुलिस के सूत्रों ने बताया की सुसाइड से पहले सृष्टि और उसके बॉयफ्रेंड आदित्य के बीच 11 बार फोन पर बात हुई। सृष्टि ने आदित्य को वीडियो कॉल भी किया, जिसमें उसने बताया कि वह सुसाइड करने वाली है। NDTV की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस पूछताछ में आदित्य ने बताया कि उसने सृष्टि को धमकी देते हुए कहा था कि अगर उसने सुसाइड किया तो वह भी आत्महत्या कर लेगा। पुलिस ने बताया कि सुसाइड से सृष्टि और आदित्य के बीच वॉट्सऐप पर चैटिंग भी हुई थी। इनमें से कई मैसेज आदित्य ने डिलीट कर दिए हैं। पुलिस मैसेज रिकवर करने की कोशिश कर रही है। दरअसल, 25 नवंबर को 25 साल की पायलट सृष्टि का शव मुंबई में फ्लैट में मिला था। उसने डेटा केबल से फांसी लगाई थी। आरोप है कि उसने बॉयफ्रेंड से परेशान होकर आत्महत्या की है। सृष्टि के चाचा की शिकायत के बाद आरोपी बॉयफ्रेंड को 26 नवंबर को गिरफ्तार किया गया।

मशाल जुलूस में भड़की आग 50 से ज्यादा लोग झुलसे

एजेंसी, खंडवा।

खंडवा में आतंकवाद के खिलाफ कार्यक्रम में भगदड़, महिलाएं-बच्चे भी घायल

खंडवा में मशाल जुलूस के दौरान आग भड़क गई, जिससे 50 से ज्यादा लोग झुलस गए। आग भड़कने से भगदड़ के हालात बन गए। घटना गुरुवार देर रात की है। इसका वीडियो भी सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि लोग तेजी से भाग रहे हैं। घायल लोगों को जिला अस्पताल लाया गया। जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। यहां घायलों से बात कर उनका हाल जाना और घटना की जानकारी ली। खंडवा एसपी मनोज राय ने बताया- शहर के घंटाघर पर जब मशाल मार्च का समापन हो रहा था, तब कुछ मशालें उल्टी हो गईं। उनमें जो बुरादा और तेल था, उससे आसपास की मशालें भभक गईं। इससे वहां घेरा बनाकर खड़े लोग झुलस गए। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। लोगों के चेहरे और हाथ झुलसे हैं। 30 लोगों को जिला अस्पताल लाया गया। इनमें से 12 लोगों को भर्ती किया गया है। बाकी को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया। दैनिक भास्कर से बातचीत में मशाल के लिए सामग्री तैयार करने वाले एक युवक ने बताया कि मशाल के लिए लकड़ी का बुरादा, कपूर और थोड़ी मात्रा में डीजल भी मिलाया गया था। डीजल मिलाने से मशाल की आग लंबे समय तक जलती है। पुलिस और प्रशासन के लोगों के बीच सामग्री तैयार की जा रही थी। मौके पर पुलिसकर्मी भी मौजूद थे लेकिन डीजल मिलाने से किसी ने रोका तक नहीं।

आतंकवाद के खिलाफ मशाल मार्च निकाल रहे थे: खंडवा में राष्ट्र भक्त वीर युवा मंच ने हिंदूवादी नेता अशोक पालीवाल के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ युवा जनमत संग्रह के लिए मशाल मार्च का आयोजन किया था। गुरुवार शाम को ये कार्यक्रम बड़ाबम चौक पर हुआ। 5 घंटे तक चले इस कार्यक्रम को हैदराबाद से आए भाजपा विधायक टी राजा और पश्चिम बंगाल भाजपा की प्रवक्ता और सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता नाजिया खान ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम में 26/11 आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि भी दी गई। देर रात 11 बजे मशाल जुलूस शुरू हुआ। आधे घंटे बाद जुलूस का समापन घंटाघर चौक पर हो रहा था, इसी दौरान कुछ मशालें उल्टी हो गई। जिससे आग भभक गई। मशाल में लकड़ी का बुरादा और कपूर का चूरा था, जिससे आग और ज्यादा भड़क गई। जुलूस में एक हजार मशाल थी। करीब 200 मशाल जला पाए थे।

दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुप्रीम कोर्ट के जज बनेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली।

कॉलेजियम ने सिफारिश की, ऑल इंडिया सीनयॉरिटी लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं जस्टिस मनमोहन

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन के प्रमोशन की सिफारिश की। वे ऑल इंडिया सीनयॉरिटी लिस्ट में दूसरे नंबर पर आते हैं और दिल्ली हाईकोर्ट के सबसे सीनियर जज हैं। सुप्रीम कोर्ट में जजों के कुल 34 पदों में से 2 पद अभी खाली हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की यह पहली कॉलेजियम बैठक थी। कॉलेजियम में चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस एएस ओका शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल जगमोहन के बेटे हैं जस्टिस मनमोहन जस्टिस मनमोहन का जन्म 17 दिसंबर, 1962 को दिल्ली में हुआ था। वे जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल जगमोहन मल्होत्रा के बेटे हैं। जस्टिस मनमोहन ने हिंदू कॉलेज से इतिहास में BA की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने 1987 में दिल्ली यूनिवर्सिटी के लॉ सेंटर से LLB किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में वकालत से की थी। इस दौरान उन्होंने सिविल, क्रिमिनल, कॉन्सटिट्यूश, टैक्सेशन, ट्रेडमार्क और सर्विस के मुकदमों में पैरवी की। इसमें दाभोल पावर कंपनी, हैदराबाद निजाम ज्वेलरी ट्रस्ट, क्लैरिजेस होटल विवाद, मोदी परिवार, गुजरात अंबुजा सीमेंट के सेल्स टैक्स मामले और फतेहपुर सीकरी अतिक्रमण जैसे हाई प्रोफाइल केस शामिल हैं।

जस्टिस मनमोहन दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों में भारत सरकार के लिए वरिष्ठ पैनल एडवोकेट के रूप में भी काम कर चुके हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2003 में उन्हें सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किया गया था। जस्टिस मनमोहन को मार्च, 2008 में दिल्ली हाईकोर्ट का एडिशनल जज नियुक्त किया गया और दिसंबर, 2009 में परमानेंट जज के रूप में प्रमोशन दिया गया।

8 राज्यों में कोहरा, MP के 2 शहर शिमला से ठंडे

तूफान फेंगल कल तमिलनाडु से टकरा सकता है

एजेंसी, नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/श्रीनगर।

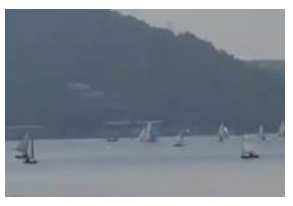

देश के उत्तरी राज्यों के साथ-साथ अब मध्य भारत के राज्यों में भी ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। उत्तर भारत के राज्यों में बर्फबारी के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर फिलहाल सबसे ठंडे राज्य हैं। मौसम विभाग ने बताया हिमाचल के लाहौल स्पीति में रात का तापमान माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया है। यहां आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है। वहीं, मध्य भारत में MP के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में ज्यादा सर्दी पड़ रही है। शहडोल और मंडला में न्यूनतम तापमान शिमला, देहरादून, जम्मू और कटरा से भी कम है। यहां रात का टेम्परेचर 7 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। उधर, तमिलनाडु में कल यानी 30 नवंबर की सुबह फेंगल तूफान टकरा सकता है। इसके असर के कारण तमिलनाडु के कई जिलों में पिछले 3 दिनों से तेज बारिश का दौर जारी है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी आज बारिश का अनुमान जताया गया है।

मणिपुर में 13 दिन बाद खुले स्कूल-कॉलेज

एजेंसी, इंफाल।

जिरीबाम हिंसा के बाद से बंद थे, 5 जिलों में कर्फ्यू ढील, इंटरनेट पर बैन लागू रहेगा

13 दिनों तक बंद रहने के बाद इम्फाल और जिरीबाम में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार को फिर से खुल गए। एजुकेशन डायरेक्टरेट ने गुरुवार को इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल और जिरीबाम जिलों में स्कूल दोबारा खोले जाने का आदेश दिया था। हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने भी सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज और स्टेट यूनिवर्सिटीज को शुक्रवार से ही खोलने के आदेश जारी किया था। जिरीबाम में सुरक्षा बलों और कुकी उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद 16 नवंबर से सभी स्कूल और कॉलेज बंद थे। झड़प में 10 उग्रवादी मारे गए थे। इसके बाद उग्रवादी राहत शिविर से एक मैतेई परिवार के छह लोगों को अगवा कर ले गए थे। कुछ दिनों बाद मणिपुर और असम में जिरी और बराक नदियों में उनके शव मिले थे। राज्य सरकार ने शुक्रवार को घाटी के सभी पांच जिलों और जिरीबाम में सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी है। ताकि लोग जरूरी चीजों और दवाओं की खरीदारी कर सकें। साथ ही कहा है कि इस दौरान बिना परमिशन कोई भी सभा/धरना/रैली नहीं होगी। हिंसा भड़कने के बाद से इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी, चुराचांदपुर, जिरीबाम और फेरज़ॉल समेत 9 जिलों में मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाएं बंद हैं।

अगवाकर मारे गए सभी 6 मैतेइयों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई: जिरीबाम से अगवा कर मारे गए 6 लोगों में बाकी 3 लोगों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट 27 नवंबर को आई। इसमें एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। तीनों के शवों पर गोलियों के निशान और गंभीर चोटें पाई गई हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि तीनों की मौत शव मिलने (17 नवंबर) के 3 से 5 दिन पहले हो चुकी थी। इसके अलावा 11 नवंबर को कुकी आतंकवादियों के हमले में मारे गए 2 बुजुर्गों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी सामने आई है। उनके शव 12 नवंबर को जली हालत में पाए गए थे। एक शव के कुछ अंग गायब हैं। इन पांचों का पोस्टमॉर्टम असम के कछार जिले के सिलचर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में हुआ। इससे पहले 24 नवंबर को 3 मैतेई लोगों (दो महिलाएं और एक बच्चा) की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई थी। करीब 15 दिन पहले 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और कुकी आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में 10 आतंकी मारे गए थे।

भारत का इस्कॉन चिन्मय प्रभु के साथ कहा- उनके अधिकारों की रक्षा हो

एजेंसी, नई दिल्ली/ढाका।

बांग्लादेश इस्कॉन किनारा कर चुका, कहा- उनसे कोई ताल्लुक नहीं

इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) की भारतीय शाखा ने बांग्लादेश में इस्कॉन के धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण प्रभु दास को लेकर अपना रुख साफ किया है। इस्कॉन ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि चिन्मय प्रभु संगठन के आधिकारिक सदस्य नहीं थे, लेकिन वे उनके अधिकार और बोलने की आजादी का समर्थन करते हैं। संगठन ने बताया कि हमने खुद को चिन्मय प्रभु से दूरी नहीं बनाई है और न ही ऐसा करेंगे। चिन्मय प्रभु बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद से पूरे देश में तनाव का माहौल है। उनकी जमानत याचिका रद्द होने को लेकर कई जगहों पर हिंसा भी हुई। इसके बाद गुरुवार को इस्कॉन बांग्लादेश ने चिन्मय प्रभु से खुद को अलग कर लिया था। इस्कॉन बांग्लादेश के महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने कहा था कि अनुशासन भंग करने की वजह से चिन्मय को पहले ही संगठन के सभी पदों से हटा दिया गया था। वह उनके किसी भी बयान या प्रतिक्रिया की जिम्मेदारी नहीं लेते हैं। चिन्मय प्रभु की जमानत याचिका खारिज होने के बाद हिंसा भड़की चटगांव में 26 नवंबर को इस्कॉन प्रमुख की जमानत खारिज हो गई थी, जिसके बाद हुई हिंसा में एक वकील सैफुल इस्लाम की जान चली गई थी। इसके बाद 27 नवंबर को बांग्लादेश हाईकोर्ट में इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग को लेकर एक याचिका दायर की गई थी।

याचिका दायर करने वाले वकील ने कोर्ट में कहा था कि सैफुल की मौत के पीछे इस्कॉन के लोग शामिल हैं। ऐसे में इस संस्था को बैन किया जाए। इस अर्जी में चटगांव में इमरजेंसी घोषित करने की भी मांग की गई थी। इस याचिका पर बांग्लादेश के अटॉर्नी जनरल मुहम्मद असदुज्जमां ने इस्कॉन को एक धार्मिक कट्टरपंथी संगठन बताया था। ढाका हाईकोर्ट का इस्कॉन पर बैन लगाने से इनकार ढाका हाईकोर्ट ने 28 सितंबर कोइस्कॉन पर बैन लगाने की मांग को खारिज कर दिया था। अदालत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि इस्कॉन की गतिविधियों के खिलाफ हमने जरूरी कदम उठाए हैं।

संसद की कार्यवाही 2 दिसंबर तक स्थगित, 4 दिन में कुल 40 मिनट कार्यवाही चली

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 25 नवंबर को हुई थी। 4 दिन में सदन की कार्यवाही सिर्फ 40 मिनट चली। हर दिन औसतन दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) में करीब 10-10 मिनट तक कामकाज हुआ। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने अडाणी और संभल मुद्दा उठाया। विपक्षी सांसद कार्यवाही के दौरान लगातार हंगामा करते रहे। स्पीकर ने कई बार उन्हें बिठाने की कोशिश की, मगर विपक्ष शांत नहीं हुआ। शुक्रवार को स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। मैं आशा करता हूं सभी सदस्य सदन को चलने देंगे। देश की जनता संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है। सदन सबका है, देश चाहता है संसद चले। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार (2 दिसंबर) तक स्थगित कर दी गई। राहुल ने बुधवार को संसद के बाहर कहा था कि अडाणी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। उन्हें जेल में होना चाहिए।

SC का आदेश- संभल मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट नहीं खुलेगी

एजेंसी, संभल।

हिंसा भड़काने के आरोपी सपा सांसद के पिता जुमे की नमाज पढ़ने पहुंचे

संभल की जामा मस्जिद मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आदेश दिया कि मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट नहीं खुलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से कहा कि 8 जनवरी तक केस में कोई एक्शन न लें। शांति जरूरी है। गुरुवार को संभल की शाही जामा मस्जिद की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। CJI की बेंच में इस पर सुनवाई हुई। शुक्रवार को जामा मस्जिद में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क नमाज पढ़ने पहुंचे। पुलिस ने जियाउर्रहमान बर्क को हिंसा भड़काने का आरोपी बनाया है। जुमे के दिन करीब एक हजार लोग नमाज के लिए पहुंचे।इससे पहले, संभल की चंदौसी कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश नहीं हुई। एडवोकेश कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने कहा- 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हिंसा हो गई थी, इसलिए रिपोर्ट तैयार नहीं हो पाई। कोर्ट ने सर्वे रिपोर्ट जमा करने के लिए 10 दिन का वक्त दिया है। संभल में रविवार, 24 नवंबर को मस्जिद में सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में 4 युवकों की मौत हुई थी। संभल की चंदौसी कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर 19 नवंबर को एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करते हुए सर्वे का आदेश दिया था। हिंदू पक्ष का दावा है कि जामा मस्जिद हरिहर मंदिर है।

गहलोत बोले-800 साल पुरानी अजमेर दरगाह पर कोर्ट केस गलत

एजेंसी, जयपुर।

राजस्थान के पूर्व CM अशोक गहलोत ने अजमेर दरगाह परिसर में शिव मंदिर होने के दावे से उठे विवाद को लेकर BJP, RSS और PM नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने कहा- 15 अगस्त 1947 तक बने जो भी धार्मिक स्थान जिस स्थिति में हैं, वे उसी में रहेंगे, यह कानून बना हुआ है। उन पर सवाल उठाना गलत है। गहलोत ने ये भी कहा- अजमेर दरगाह 800 साल पुरानी है। दुनियाभर से लोग यहां आते हैं। दुनिया के मुल्कों के मुस्लिम भी आते हैं, हिंदू भी आते हैं। प्रधानमंत्री कोई भी हो, कांग्रेस, BJP या किसी दल के हों, पंडित नेहरू के जमाने से मोदी जी तक तमाम प्रधानमंत्री की तरफ से दरगाह में चादर चढ़ती है। चादर चढ़ाने के अपने मायने होते हैं। आप चादर भी चढ़ा रहे हैं और आपकी पार्टी के लोग कोर्ट में केस भी कर रहे हैं। आप भ्रम पैदा कर रहे हैं तो लोग क्या सोच रहे होंगे? पूर्व CM ने कहा- जहां तक मुझे जानकारी है, धार्मिक स्थान किसी भी धर्म के हों, 15 अगस्त 1947 तक जो बने हुए हैं, उस पर सवाल नहीं होना चाहिए, इसका कानून बना हुआ है। जब से RSS, BJP सरकार आई है, आप देख रहे हो, देश में धर्म के नाम पर राजनीति चल रही है। चुनाव चाहे महाराष्ट्र का हो, चाहे हरियाणा का हो, चाहे पार्लियामेंट का हो, सारे चुनाव ध्रुवीकरण के आधार पर जीते जा रहे हैं।

हिमाचल से इंसानी अंग ड्रोन से चंडीगढ़ पहुंचाए जाएंगे

एजेंसी, चंडीगढ़।

अब 1 घंटा लगेगा, एंबुलेंस से 4 घंटे लगते थे, दिल्ली तक चलाने की तैयारी

चंडीगढ़ PGI को ड्रोन मिला है। अब हिमाचल एम्स से चंडीगढ़ PGI तक इंसानी अंग (ह्यूमन ऑर्गन) ड्रोन से लाए जा सकेंगे। नई व्यवस्था से इंसानी अंग एक घंटे में PGI पहुंच सकेंगे। अभी ड्रोन का इस्तेमाल ऋषिकेश एम्स में होता है। पहले हिमाचल से चंडीगढ़ ह्यूमन ऑर्गन एंबुलेंस से भेजे जाते थे, जिसमें 4 घंटे लगते थे। कई बार ट्रैफिक जाम के चलते देरी भी हो जाती थी। अब इस समस्या से निजात मिल जाएगी। ड्रोन को दिल्ली तक चलाने की भी व्यवस्था की जा रही है।

ड्रोन 5 किलो तक वजन उठा सकता है: चंडीगढ़ PGI को मिला ड्रोन 18 किलो का है और 5 किलो तक वजन उठा सकता है। यह एक घंटे में 100 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। इसे रिमोट कंट्रोल से कंट्रोल किया जा सकता है। इसमें GPS भी लगा है जिससे इसे सैटेलाइट की मदद से ट्रैक किया जा सकता है। ड्रोन 4 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ेगा, जिससे किसी पक्षी से टकराने की आशंका कम होगी। इसमें लोकेशन को सेट कर नियत जगह पर पहुंचाया जा सकता है।

ग्रीन कॉरिडोर की जरूरत नहीं पड़ेगी: चंडीगढ़ PGI के टेलीमेडिसिन विभाग के डॉ. बीमन साइकिया के अनुसार, पहले PGI को ऑर्गन लाने और भेजने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाना पड़ता था। इसमें ट्रैफिक पुलिस से संपर्क कर विशेष स्थान तक जाने का रूट क्लियर कराना होता था। इसके बाद भी कभी-कभी ऑर्गन पहुंचने में देरी होती थी। अब ड्रोन से डिलीवरी होने पर ग्रीन कॉरिडोर बनाने की कोई जरूरत नहीं होगी। ड्रोन की मदद से सीधे ऑर्गन लाए लेजाए जा सकेंगे।चंडीगढ़ PGI में ड्रोन का इस्तेमाल इमरजेंसी में ही किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग- पर्थ की जीत भारत की सबसे बड़ी विदेशी जीतों में से एक

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ के पहले मैच में पर्थ में भारत की हालिया जीत टीम की विदेश में सबसे बड़ी जीत है। पोंटिंग ने कहा, "मुझे यकीन है कि यह भारत की अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट मैच जीत में से एक के रूप में दर्ज की जाएगी, और शायद ऐसा होना भी चाहिए।"

भारत ने विदेशों में कुछ व्यापक और अविश्वसनीय जीत हासिल की हैं, जिसमें गाबा 2021 का परिणाम भी शामिल है, जिसने उन्हें पीछे से आकर सीरीज़ जीतने के लिए प्रेरित किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान के पास इसके अपने कारण थे। पोंटिंग ने कहा, "उनके पास जो खिलाड़ी थे, उनके जाने के बाद... रोहित (शर्मा) नहीं खेल पाए, (शुभमन) गिल नहीं खेल पाए और (मोहम्मद) शमी नहीं खेल पाए... यह एक शानदार जीत है।" पहली पारी में मामूली स्कोर पर सिमटने के बाद भारत ने मैच 295 रन से जीत लिया। चार दिन में खत्म हुए टेस्ट को याद करते हुए पोंटिंग ने क्रिकबज से कहा, "150 रन पर आउट होने के बाद, यह थोड़ी, चौंकाने वाली जीत थी। और उन्होंने 300 रन से जीत हासिल की। इसलिए यह एक अविश्वसनीय बदलाव है।"

पोंटिंग ने यह विश्लेषण करने की कोशिश की कि पूरे टेस्ट में भारत ने बढ़त क्यों बनाए रखी और टॉस के महत्व का हवाला दिया। उन्होंने कहा, "टॉस जीतना एक बड़ा फायदा था। मैंने उस समय ऐसा कहा था। रिकॉर्ड यह है कि ऑप्टस स्टेडियम में जीतने वाली टीम ने हर बार पहले बल्लेबाजी की। संयोग से, ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाँच में से चार टेस्ट जीते।" मैच में भारत के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने बल्लेबाजी करने का फैसला किया और टीम 50 से कम ओवरों में 150 रन पर ढेर हो गई। लेकिन उन्होंने पहले दिन स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने

केवल 67 रन पर 7 विकेट खो दिये थे, जिसमें से चार बुमराह ने लिए। कप्तान ने टेस्ट में कुल मिलाकर आठ विकेट लेकर आगे से नेतृत्व किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

पोंटिंग ने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि बुमराह ने आगे से नेतृत्व किया। पहली पारी की शुरुआत में उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी की वह अविश्वसनीय था। आप जानते हैं, शमी के न होने पर, उन्हें खड़े होकर नेतृत्व करना पड़ा। और कप्तान होने के नाते, उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने मैदान पर अपनी नेतृत्व क्षमता के साथ ऐसा किया, और उन्होंने गेंद को हाथ में लेकर ऐसा किया। जाहिर है, विराट (कोहली, जिन्होंने नाबाद शतक बनाया) को वही करना था जो उन्होंने दूसरी पारी में किया और उन्होंने (यशस्वी) जायसवाल के साथ मिलकर खेल को सेट किया। लेकिन मुझे लगता है कि उनका पूरा गेंदबाजी समूह पहले दिन देर से खड़ा हुआ। पहले दिन का दूसरा भाग शायद वह था जहां खेल बदल गया।" न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से मिली करारी हार के बाद भारतीय जीत खास थी। पोंटिंग ने कहा कि अगर उस सीरीज में विकेट अच्छे होते तो भारत को इतनी शर्मनाक हार का सामना नहीं करना पड़ता और उन्हें यकीन है कि वे घरेलू मैदान की तुलना में विदेशों में बेहतर टीम हैं।

उन्होंने कहा, "मैंने एक बात कही, और मुझे लगता है कि यह सच है। मुझे नहीं पता कि इस बारे में यहाँ कितनी बात हुई है, लेकिन मुझे लगता है कि भारतीय बल्लेबाज अब घर से बाहर बेहतर खेलते हैं, जितना वे घर पर खेलते हैं। मुझे लगता है कि वे अब स्पिन गेंदबाजी के मुकाबले तेज गेंदबाजी के बेहतर खिलाड़ी हैं। और मुझे लगता है कि यह पर्थ में साबित हो गया है। पर्थ जाने में सक्षम होना, जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी का उस विकेट पर 161 रन बनाना, यहाँ तक कि नितीश रेड्डी का पहली पारी में 41 रन बनाना... मुझे लगता है कि वे (भारत) उन विकेटों पर बेहतर खेलते हैं, जितना वे अपने घर में धीमी स्पिनिंग ट्रैक पर खेलते हैं। मेरा मतलब है, दुनिया में ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे न्यूजीलैंड उन्हें अच्छे विकेटों पर हरा सके।" पोंटिंग ने भविष्यवाणी की थी कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का अंतिम परिणाम 3-1 होगा। वह अभी भी उस पूर्वानुमान पर कायम हैं। उन्होंने कहा, "नहीं, मैंने अपना दृष्टिकोण नहीं बदला है। मैं उसी पर कायम रहूँगा। भारत ने पहला (टेस्ट) जीता। मैंने शुरू में 3-1 से जीत की बात कही थी। हाँ, मैं उसी पर कायम रहूँगा। लेकिन यह बहुत पीछे है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अब काफी काम करना है।"

पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 : भारत ने जापान को 3-2 से हराया

एजेंसी, मस्कट

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने गुरुवार रात मस्कट, ओमान में जापान के खिलाफ अपने दूसरे पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 मैच में 3-2 से कड़ी जीत दर्ज की। थोकचोम किंगसन सिंह (12') ने भारत के लिए खाता खोला, लेकिन जापान के नियो सातो (15', 38') ने जल्द ही गोल करके बराबरी हासिल कर ली। दूसरे हाफ में रोहित (36') ने भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन नियो सातो ने फिर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। अरिजीत सिंह हुंडल (39') ने तीसरे क्वार्टर के अंत में फिर से भारत के लिए बढ़त हासिल की और भारत ने एक गोल की बढ़त को बरकरार रखते हुए अपनी जीत सुनिश्चित की। दोनों टीमें शुरुआती सीटी से ही क्षेत्र के लिए एक दूसरे से भिड़ती रहीं, जिसके कारण खेल के तीन मिनट बाद जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, हालांकि बिक्रमजीत सिंह सतर्क रहे और अपने गोल पर किसी भी तरह के खतरे को टाल दिया। जापान द्वारा उच्च दबाव का इस्तेमाल करने के बावजूद, भारत ने चतुर हवाई गेंदों और शानदार कौशल के साथ इसे कुशलता से पार कर लिया। दोनों टीमों ने सार्थक कब्जे के लिए संघर्ष किया, और दिलराज सिंह ने पहले क्वार्टर में तीन मिनट शेष रहते भारत के लिए पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, जिसे थोकचोम किंगसन सिंह ने गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी। हालांकि, पहले क्वार्टर के अंतिम मिनट में जापान ने पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और नियो सातो ने भारतीय रक्षा को पार करते हुए ड्रैग फ्लिक के साथ बराबरी हासिल की। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में, भारत ने मनमीत सिंह के साथ दो मिनट के भीतर दो बार गोलकीपर को परखने के साथ बढ़त हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि, किशो कुरोदा दोनों मौकों पर गोल बचाने में कामयाब रहे। दोनों टीमों ने एक दूसरे पर वार किया लेकिन कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला जब तक कि क्वार्टर में छह मिनट शेष रहते जापान को पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिला। भारत के पहले रशर रोहित ने जापान को इस अवसर का फायदा न उठाने देने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी। क्वार्टर में दो मिनट शेष रहते जापानी फॉरवर्ड ने दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए। हालांकि, भारत ने हार नहीं मानी और अपने पेनल्टी कॉर्नर से जवाब दिया लेकिन जापान ने बेहतरीन बचाव किया, जिससे पहला हाफ 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी कुछ इसी तरह हुई और जापान ने चार मिनट के आसपास दो पेनल्टी कॉर्नर बनाए।

सीजन की पहली जीत पाने के इरादे से ईस्ट बंगाल से घर पर भिड़ेगी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड

एजेंसी, कोलकाता

ईस्ट बंगाल एफसी शुक्रवार शाम अपने घरेलू मैदान युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की मेजबानी करेगी, तो मेजबान टीम का लक्ष्य इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में जीत का स्वाद चखना होगा, जबकि हाईलैंडर्स अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पूरे तीन अंक बटोरना चाहेंगे। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी नौ मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और दो हार से 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 21 गोल दागे हैं और सिर्फ 15 गोल खाए हैं। वे पिछले पांच मैचों में एक हारे हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी सात मैचों में एक ड्रा और छह हार से केवल एक अंक लेकर 13 टीमों की तालिका

में सबसे फिसड्डी टीम बनी हुई है। हालांकि उसने मोहम्मडन एससी के खिलाफ कोलकाता डर्बी में गोलरहित ड्रा अपना पहला अंक बटोरा था और अब वो अपने उत्साही घरेलू दर्शकों के सामने पूरे तीन अंक पाना चाहेंगी। ईस्ट बंगाल का नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के विरुद्ध सकारात्मक रिकॉर्ड रहा है, जिसमें वो 10 फरवरी, 2024 को अपने सबसे हालिया मुकाबले में 2-3 के अंतर से हारी थी लेकिन उससे पहले वो दो बार जीती और एक ड्रा खेला। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने इस सीजन में अपने मैचों के शुरुआती 15 मिनट में केवल एक गोल खाया। लेकिन, वे इस अवधि में गोल नहीं कर पाए हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने अपने पिछले चार मुकाबलों में तीन जीत दर्ज की और एक ड्रा खेला।

हाईलैंडर्स ने अपने मैचों में औसतन केवल 41% कब्जा रखा है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस सीजन में सबसे ज्यादा 21 गोल किए हैं ईस्ट बंगाल के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुज़ोन ने भरोसा दिलाया कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ घरेलू टीम ने अपना होमवर्क ठीक से किया है। उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की आक्रामक ताकत के सामने हम बेअसर रहेंगे, लेकिन वो अधिक गोल करने की कोशिश करने आ रही हैं। लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे और मैच जीतेंगे।"

सैयद मोदी इंटरनेशनल 2024 के सेमीफाइनल में पहुंचे पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन

एजेंसी, लखनऊ

भारतीय शटलर पी.वी. सिंधु और लक्ष्य सेन शुक्रवार को सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सीधे गेम में जीत दर्ज करके क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब जीतने के करीब पहुंच गए हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिंधु, जो इस इवेंट में दो बार की चैंपियन (2017, 2022) हैं, ने 48 मिनट तक चले महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की दाई वांग को 21-15, 21-17 से हराया। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने भी अपने मैच में दबदबा बनाया और पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हमवतन मीराबा लुवांग मैसनाम को 21-8, 21-19 से हराया। मैच के बाद सिंधु ने कहा,"आज का मैच महत्वपूर्ण था। भले ही वह कम रैंक वाली खिलाड़ी हैं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैंने कल की अपनी गलतियों को सुधार लिया है - मैंने आज उन्हें नहीं दोहराया। मैं शुरू से ही आक्रामक थी। कुल मिलाकर, मैं कल की तुलना में अपने खेल से खुश हूं।" सिंधु दुनिया में 18वें स्थान पर हैं, जबकि वांग 118वें स्थान पर हैं। उन्होंने कहा, "कल, कुछ मौकों पर मुझे परेशानी का सामना करना पड़ा। लेकिन आज, मैंने उसे कोई मौका नहीं दिया। मैं परिणाम और अपने प्रदर्शन से खुश हूं। मैं इस साल का अंत बहुत अच्छे तरीके से करना चाहती हूं।" सिंधु सेमीफाइनल में साथी भारतीय उन्नति हुड्डा से भिड़ेंगी, जबकि लक्ष्य का सामना जापान के शोगो ओगावा से होगा। हुड्डा, जिन्होंने 2022 में ओडिशा ओपन का खिताब जीता था, ने अपने क्वार्टर फाइनल मैच में यूएसए की इशिका जायसवाल पर 21-16, 21-9 से शानदार जीत हासिल की। महिला एकल में, तस्नीम मीर और श्रीयांशी वलीशेट्टी ने क्वार्टर फाइनल में हारकर अपने अभियान समाप्त कर दिए।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्विएटेक ने डोपिंग मामले में एक महीने का निलंबन स्वीकार किया

एजेंसी, नई दिल्ली

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्विएटेक को प्रतिबंधित पदार्थ ट्राइमेटाजिडाइन (टीएमजेड के नाम से जानी जाने वाली हृदय की दवा) के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद एक महीने का निलंबन स्वीकार कर लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने गुरुवार को उक्त घोषणा की।

स्विएटेक अगस्त में प्रतियोगिता से बाहर ड्रग टेस्ट में विफल रही थीं, और आईटीआईए ने उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार कर लिया कि परिणाम अनजाने में हुआ था और यह एक गैर-पर्चे वाली दवा, मेलाटोनिन के संदूषण के कारण हुआ था, जिसे स्विएटेक जेट लैग और नींद की समस्याओं के लिए ले रही थीं। आईटीआईए ने कहा कि यह निर्धारित किया गया था कि उनकी गलती का स्तर बिना किसी महत्वपूर्ण गलती या लापरवाही के सीमा के सबसे निचले छोर पर था। पोलैंड की 23 वर्षीय स्विएटेक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, "यह अनुभव, जो मेरे जीवन का

अब तक का सबसे कठिन अनुभव था, ने मुझे बहुत कुछ सिखाया।" उन्होंने कहा, "यह पूरी बात निश्चित रूप से मेरे जीवन के बाकी हिस्सों के लिए मेरे साथ रहेगी। इस स्थिति ने मेरा दिल लगभग तोड़ दिया था, जिसके बाद प्रशिक्षण पर वापस लौटने में बहुत समय लगा, इसलिए बहुत सारे आँसू थे और बहुत सारी रातें बिना सोए रहीं।" स्विएटेक ने पोलिश भाषा में बात करते हुए कहा, जिसका अंग्रेजी अनुवाद पोस्ट के शीर्ष पर स्क्रॉल किया गया है, "इसका सबसे बुरा हिस्सा अनिश्चितता थी। मुझे नहीं पता था कि मेरे करियर के साथ क्या होने वाला है, चीजें कैसे खत्म होंगी या मुझे टेनिस खेलने की अनुमति मिलेगी या नहीं।" बता दें कि यह टेनिस में दूसरा हालिया हाई-प्रोफाइल डोपिंग मामला है, इससे पहले शीर्ष रैंक वाले जननिक सिनर, मार्च में स्टेरॉयड के लिए दो परीक्षणों में विफल रहे और अगस्त में यूएस ओपन की शुरुआत से ठीक पहले उन्हें मंजूरी दे दी गई, जिसे उन्होंने सीजन का अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए जीता। सिनर ने कोई प्रतियोगिता नहीं छोड़ी; विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी ने उन्हें दोषमुक्त करने वाले फैसले के खिलाफ अपील की है। स्विएटेक अप्रैल 2022 में पहली बार डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचीं और तब से वह ज्यादातर समय वहीं रहीं, लेकिन अक्टूबर में आर्यना सबालेंका से आगे निकलने के बाद अब वह नंबर 2 पर हैं। स्विएटेक ने जून में फ्रेंच ओपन जीता और वहां अपना चौथा खिताब और कुल मिलाकर पांचवीं मेजर चैंपियनशिप जीती, फिर अगस्त की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।

एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में मुख्य आकर्षण होंगे फेलिक्स, पाओलिनी, नवारो

एजेंसी, एडिलेड

फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, जैस्मीन पाओलिनी उन बड़े सितारों में शामिल हैं, जो एटीपी 250 इवेंट एडिलेड इंटरनेशनल में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं, टूर्नामेंट निदेशक एलिसिया मोलिक 6 से 11 जनवरी 2025 तक होने वाले टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाले खिलाड़ियों की पुष्टि की।

फेलिक्स (पूर्व विश्व नंबर 6) और डब्ल्यूटीए की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली खिलाड़ियों में से दो जैस्मीन पाओलिनी, एम्मा नवारो, साथ ही दुनिया की नंबर 13 डायना श्नाइडर अगले साल की शुरुआत में एडिलेड में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इनके अलावा पुरुष वर्ग में 2022 के चैंपियन थानासी कोकिनाकिस, विश्व नंबर 12 टॉमी पॉल, विश्व नंबर 22 सेबेस्टियन कोर्डा और जेसिका पेगुला और बारबोरा क्रेजिकोवा भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। मोलिक

ने कहा, "अब तक हमने जिन प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धा के लिए चुना है, वे असाधारण हैं और हमें विश्वास है कि प्रशंसकों को कुछ शानदार मैच देखने को मिलेंगे। इनमें से प्रत्येक खिलाड़ी कोर्ट में कुछ अनूठा लेकर आता है और हम उन्हें द ड्राइव में प्रतिस्पर्धा करते देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।" उन्होंने कहा, "फेलिक्स ने खुद को एटीपी टूर पर सबसे रोमांचक और प्रतिस्पर्धी युवा खिलाड़ियों में से एक साबित किया है और एडिलेड में उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से इस आयोजन के रोमांच को बढ़ाएगी। जैस्मीन इस साल विंबलडन में एकल फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने अपना सीजन शुरू करने के लिए 2024 दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता। और एम्मा देखने लायक सबसे रोमांचक युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। हमें उम्मीद है कि वह एक मजबूत दावेदार होंगी।" ऑगर-अलियासिमे ने 2022 में रॉटरडैम ओपन में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता, जो उनके करियर का एक बड़ा मील का पत्थर है। कनाडाई खिलाड़ी लगातार ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह तक पहुँचते रहे हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2021 में यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुँचना रहा है।

दुनिया की नंबर 4 पाओलिनी अपनी प्रतिस्पर्धी भावना को दुनिया की नंबर 8 और अमेरिकी टेनिस के उभरते सितारों में से एक नवारो के साथ लेकर आएंगी। 2024 होबार्ट इंटरनेशनल में सम्मान पाने वाली नवारो ने अपने करियर में बहुत प्रगति की है, और उनका दमदार खेल निश्चित रूप से प्रभाव डालेगा। पॉल, जो एटीपी रैंकिंग में नंबर 12 के करियर के उच्चतम स्थान पर हैं, ने 2024 में तीन खिताब जीतकर अपने सबसे सफल सत्र का आनंद लिया है। 2020 में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद, अमेरिकी वापस आ गए हैं और 6-11 जनवरी तक होने वाले टूर्नामेंट में ऑगर-अलियासिमे के साथ खचाखच भरे मैदान में शामिल होंगे। 2022 के चैंपियन थानासी कोकिनाकिस, साथ ही दुनिया के नंबर 22 सेबेस्टियन कोर्डा भी द ड्राइव में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

श्रीलंका के खिलाफ चल रहे टेस्ट सीरीज से बाहर हुए वियान मुल्डर

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका की टीम डरबन में श्रीलंका के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट मैच के बाकी बचे समय के साथ-साथ गेकेबरहा में होने वाले अगले मैच में भी वियान मुल्डर के बिना खेलेगी, क्योंकि इस ऑलराउंडर के दाहिने हाथ की मध्यमा अंगुली में फ्रैक्चर हो गया है।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 5 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को मुल्डर की जगह टीम में शामिल किया है। 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। डरबन में पहले टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते समय लाहिरू कुमारा की 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद से

मुल्डर को हाथ में चोट लग गई थी। मुल्डर को काफी दर्द हो रहा था और उन्हें फिर से बल्लेबाजी करने में कुछ समय लगा।

लेकिन उन्होंने दर्द के कारण मैदान से बाहर जाने से पहले सिर्फ दो और गेंदों का सामना किया। उसी सत्र में, जब दक्षिण अफ्रीका के 145 रन पर नौ विकेट गिर चुके थे, तब वे फिर से बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने और कागिसो रबाडा ने अंतिम विकेट के लिए 26 रन जोड़े, जिसमें मुल्डर ने धनंजय डी सिल्वा की गेंद पर छक्का भी लगाया। लंच ब्रेक के दौरान लिए गए एक्स-रे से पता चला कि चोट कितनी गंभीर है, जिसके कारण अब वे आगे नहीं खेल पाएंगे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

मार्गशीर्ष महीने के हर गुरुवार को लक्ष्मी पूजन की परंपरा

अगहन महीने के हर गुरुवार को देवी लक्ष्मी की विशेष पूजा करने की परंपरा है। मार्गशीर्ष महीने के देवता भगवान विष्णु है। इसलिए इस महीने दामोदर नाम से विष्णुजी और श्रीकृष्ण की पूजा भी की जाती है। स्कंद पुराण में भी इसका जिक्र है कि गुरुवार को भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी की पूजा करने से सुख और समृद्धि बढ़ती है। साथ ही जाने-अनजाने में हुई गलती और पाप खत्म हो जाते हैं।

अगहन गुरुवार की मान्यता

अगहन महीने में श्रद्धालु घर-द्वार सजाकर मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यता के मुताबिक, अगहन को महालक्ष्मी का महीना माना गया है। इस महीने के गुरुवार को धन की देवी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से सुख-शांति और समृद्धि मिलती है। माना जाता है कि इस महीने मां लक्ष्मी पृथ्वी पर आती हैं। गुरुवार को इनका आगमन ऐसे भक्त के यहां होता हैं, जिनके घर में साफ-सफाई, सजावट व मन, वचन और कर्म से पूरी सात्विकता रहती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार यही वजह है कि महिलाएं हर बुधवार को घर-द्वार को रंगोली से सजा कर मां पूजा स्थल तक देवी के पग चिन्ह बना कर गुरुवार को सुबह जल्दी उनका आह्वान करते हैं। सुबह, दोपहर व शाम तीनों समय उन्हें भोग अर्पित कराते हुए पूजा-अर्चना की जाती है।

लक्ष्मीजी के साथ भगवान विष्णु पूजा की भी परंपरा

हिंदू पंचांग और पुराणों में मार्गशीष मास को सबसे उत्तम और सभी कामों को सिद्ध करने वाला बताया गया है। मार्गशीष मास के दौरान पड़ने वाले बृहस्पतिवार का अत्यंत महत्व होता है। शास्त्रों में कहा गया है कि मार्गशीष के हर गुरुवार को भगवान विष्णु की विशेष पूजन किया जाए तो इससे विवाह संबंधी समस्या दूर हो सकती है, वैवाहिक जीवन में आ रही बाधाएं भी दूर हो सकती है। धनागमन सुनिश्चित होता है और पारिवारिक समस्याएं भी खत्म होने लगती हैं।
ज्योतिषियों के मुताबिक इस अगहन महीने के दौरान जरूरतमंद लोगों की मदद और उन्हें गर्म कपड़े, खाने की चीजें और पूजन सामग्री दान करना लाभकारी रहेगा। हिंदू धर्म के इस पवित्र महीने में गुरुवार का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इस दिन देवी लक्ष्मी घर आती हैं। इसलिए घर के दरवाजे से पूजा कमरे तक रंगोली सजाने की भी परंपरा है। इस महीने में भगवान विष्णु की पूजा भी विशेष फलदायी मानी गई है।

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन क्या करना चाहिए क्या नहीं?

जहां एक ओर मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है तो वहीं, इस दिन पितरों के तर्पण का भी बहुत महत्व है। हालांकि करने वाले कार्यों के बीच कुछ ऐसे काम भी हैं जो इस दिन नहीं करने चाहिए।

हिन्दू पंचाग के अनुसार, साल में कुल 12 अमावस्या तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है मार्गशीर्ष माह की अमावस्या जो इस साल 1 दिसंबर, दिन बुधवार को पड़ने वाली है। जहां एक ओर मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है तो वहीं, इस दिन पितरों के तर्पण का भी बहुत महत्व है। हालांकि करने वाले कार्यों के बीच कुछ ऐसे काम भी हैं जो इस दिन नहीं करने चाहिए।

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन क्या करें?

- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दान काले तिल, काले चावल, काली दाल, काले वस्त्र आदि चीजों का दान करें।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन हवन-अनुष्ठान करने का चौगुना फल मिलता है। ऐसे में कार्य पूर्ति के लिए संकल्प के साथ यज्ञ करें।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन गंगा नदी में स्नान करें या फिर आप घर में नहान एके पानी में गंगाजल मिलाकर भी नहा सकते हैं।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर सरसों के तेल का चौमुखी दीया अवश्य जलाना चाहिए।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करें ब्रह्म मुहूर्त या फिर अभिजीत मुहूर्त में अवश्य करें। इससे पितृ शांत होंगे।

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन क्या न करें?

- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन किसी भी शुभ काम जैसे कि घर खरीदना, नया वाहन लेना, कोई व्यापारिक डील करना आदि न करें।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन काले वस्त्र धारण न करें। काले वस्त्र राहु का प्रतीक होते हैं और राहु को नकारात्मक रूप से बल देते हैं।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन किसी के भी द्वारा दिया गया मीठा न खाएं। इसका संबंध टोने-टोटके से नहीं बल्कि ग्रह अशांति से है।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन भूल से भी किसी भी कारण के चलते रात्रि या संध्याकाल के समय सोएं या नहाएं नहीं। यह अशुभ है।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन घर में खंडित कोई भी वस्तु न रखें नहीं तो इससे घर के भीतर नकारात्मक ऊर्जाओं का वास बढ़ेगा।

मार्गशीर्ष में आजमाकर देखें भगवान विष्णु की पूजा से जुड़े ये उपाय

मार्गशीर्ष मास का आरंभ हो गया है और इस महीने में भगवान विष्णु की पूजा करने से आपको विशष पुण्य की प्राप्ति होती है। मार्गशीर्ष मास को लेकर पुराणों में कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करने से आपके जीवन से कष्ट दूर होते हैं और मरने के बाद मोक्ष के द्वार खुलते हैं।

इस महीने में भगवान विष्णु और उनके सभी अवतारों की पूजा करने का महत्व सबसे खास माना गया है। इस महीने में पूजापाठ और नियम संयम को करने से आपको विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और आपको मृत्यु के बाद बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं क्या हैं ये खास उपाय।
मार्गशीर्ष मास में कपूर का दीपक जलाकर पूजा करने का खास महत्व होता है। दीपक जलाकर भगवान को अर्पण करने वाला अश्वमेध यज्ञ के बराबर फल पाता है और उसके कुल का उद्धार होता है।

- मार्गशीर्ष मास में विष्णुसहस्त्रनाम, श्रीमतभागवत गीता और गजेन्द्रमोक्ष पाठ को करने की विशेष महिमा के बारे में पद्म पुराण में बताया गया है। इन तीनों का पाठ अवश्य करें।
- मार्गशीर्ष में भगवान की पूजा में शंख के प्रयोग का खास महत्व माना गया है। इस महीने में शंख में तीर्थ का जल लेकर उससे भगवान कृष्ण और श्रीहरि का अभिषेक करें। ऐसा करने वाला अपने समूचे कुल को तार देता है।
- मार्गशीर्ष मास में जो व्यक्ति भगवान की पूजा के समापन के बाद भक्तिपूर्वक शंख की ध्वनि करता है उसके पितर स्वर्गलोक को प्राप्त होते हैं और इस लोक में उसको स्वयं भी कोई कष्ट नहीं होता है।
- पद्म पुराण में बताया गया है कि मार्गशीर्ष मास में भगवान विष्णु को तुलसी काष्ठ के चंदन से तिलक करने वाले को भी उनकी पूजा से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। शंख में चंदन रखकर मार्गशीर्ष मास में भगवान के अंगों का लेपन करने वाले को कभी अपने घर में धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है।
- मार्गशीर्ष मास में भगवान विष्णु की तुलसीदल और आंवलों से भक्तिपूर्वक पूजा करने वाले को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और आपकी सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं।

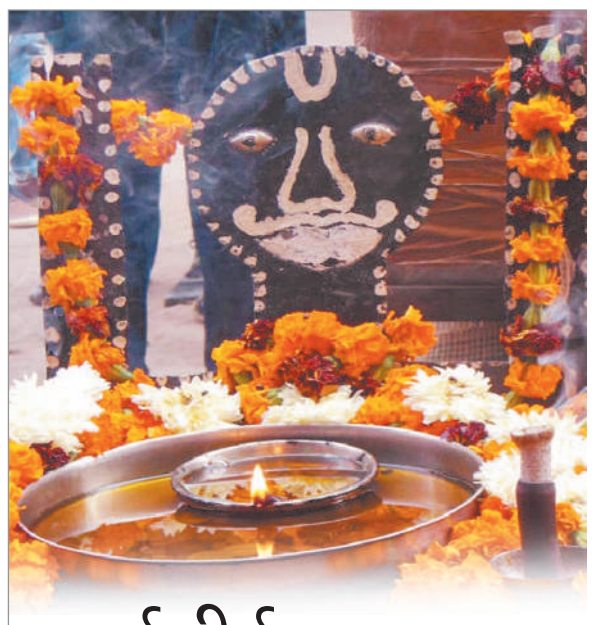

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन शनिदेव को क्या-क्या चढ़ाएं?

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन पितरों के साथ-साथ शनिदेव की पूजा-अर्चना करने का भी विशेष महत्व है। अब ऐसे में इस दिन शनिदेव को क्या चढ़ाएं। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह की अमावस्या तिथि के दिन मार्गशीर्ष अमावस्या है। इस दिन विशेष रूप से शनिदेव की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इतना ही नहीं, इस दिन पितरों का श्राद्ध और पिंडदान करने का भी महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी जातक की कुंडली में ग्रहदोष है, तो मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन पूजा-पाठ करने से लाभ हो सकता है। इतना ही नहीं, अगर राहु नवम भाव में नीच का हो, तो उन्हें अमावस्या के दिन व्रत जरूर रखना चाहिए। अब ऐसे में अमावस्या तिथि के दिन शनिदेव को क्या-क्या अर्पित करने से उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

शनिदेव को चढ़ाएं काले तिल

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन शनिदेव को काले तिल जरूर चढ़ाएं। ऐसा कहा जाता है कि शनिदेव को काले तिल अर्पित करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल सकता है और जीवन में चल रही समस्याएं दूर होती है। शास्त्रों और पुराणों के अनुसार, काले तिल शनिदेव को विशेष प्रिय होते हैं। मान्यता है कि काले तिल चढ़ाने से शनिदेव का आशीर्वाद मिलता है और उनकी दया दृष्टि प्राप्त होती है।

शनिदेव को चढ़ाएं सरसो तेल

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन शनिदेव को सरसो तेल चढ़ाने का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि बिना सरसो तेल के शनिदेव की पूजा अधूरी मानी जाती है। एक पौराणिक कथा के अनुसार, जब शनिदेव को बहुत पीड़ा हो रही थी, तब हनुमान जी ने उन्हें सरसों का तेल लगाया था। इससे शनिदेव को आराम मिला था और उन्होंने कहा था कि जो भी भक्त सच्चे मन से उन्हें सरसों का तेल चढ़ाएगा, उसके सारे संकट दूर हो जाएंगे।

शनिदेव को चढ़ाएं काले वस्त्र

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन शनिदेव को काले वस्त्र चढ़ाना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। काले वस्त्र शनिदेव को बेहद प्रिय है और उनकी पूजा-अर्चना करने के दौरान आप शनिदेव के चरणों में काले या नीले वस्त्र अर्पित करें। इससे शनिदोष से छुटकारा मिल सकता है और उत्तम फलों की प्राप्ति भी होती है।
मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन शनिदेव को चढ़ाएं उड़द का दाल
मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन शनिदेव को काली उड़द की दाल जरूर चढ़ाएं। शनिदेव को काली उड़द की दाल अर्पित करने से व्यक्ति के जीवन में आ रही परेशानियां दूर होती है और धन लाभ भी हो सकता है। इसके अलावा अगर आपके जीवन में किसी भी तरह का कोई कलह-क्लेश चल रहा है, तो उससे भी छुटकारा मिल सकता है।

अगहन मास की 10 खास बातें

अभी हिन्दी पंचांग का नवां महीना अगहन चल रहा है। ये महीना धर्म और सेहत के लिहाज से बहुत खास है। धर्म के लिए खास है, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण ने इस महीने को अपना स्वरूप बताया है। सेहत के लिए खास है, क्योंकि इस महीने से ठंड का असर शुरू हो जाता है। योग, ध्यान और कसरत के लिए ठंड के दिन बहुत अच्छे माने जाते हैं। अगहन मास श्रीकृष्ण की भक्ति को समर्पित है, क्योंकि श्रीकृष्ण ने खुद मार्गशीर्ष मास को खुद का स्वरूप बताया है। जानिए अगहन मास की 10 खास बातें...

- इस महीने में रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत करनी चाहिए। घर के मंदिर कृष्ण पूजा करें और कृं कृष्णाय नमः का जप करें।
- इस महीने से शीत ऋतु का असर बढ़ने लगता है। वातावरण ठंडा होता होता है, ठंडी हवाएं चलती हैं। आसमान साफ रहता है। सुबह-सुबह सूर्य की धूप अच्छी लगने लगती है। बारिश के बाद की नमी खत्म होने लगती है। ऐसे में सेहत को
- लेकर सावधानी रखनी चाहिए। खान-पान या जीवन शैली में गलतियां करेंगे तो मौसमी बीमारियां होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।
- इन दिनों में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए और सुबह-सुबह कुछ देर सैर जरूर करनी चाहिए। सुबह का वातावरण स्वास्थ्य के लिए लिहाज से बहुत लाभदायक होता है। सुबह की हवा एकदम फ्रेश होती है, क्योंकि प्रदूषण बहुत कम रहता है। अगहन में शुरू की गई सैर को आगे भी जारी रखेंगे तो कई बीमारियों की रोकथाम हो सकती है।
- ठंड के दिनों में सुबह सूर्योदय के ठीक बाद धूप में बैठने से शरीर को विटामिन डी मिलता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए हमारा शरीर तैयार होता है।
- अगहन में श्रीकृष्ण की पूजा के साथ ही शंख की भी पूजा खासतौर पर करनी चाहिए। श्रीकृष्ण अपने साथ पाञ्चजन्य नाम का शंख रखते हैं। श्रीकृष्ण के साथ बांसुरी, गोमाता, मोर पंख, पीले वस्त्रों के साथ ही एक शंख भी जरूर रखें और उसकी भी पूजा करें।
- शंख को भगवान का स्वरूप मानकर अभिषेक करें। कुमकुम, चंदन से तिलक करें। हार-फूल चढ़ाएं। भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।
- शंख को देवी लक्ष्मी का भाई माना जाता है। इस कारण लक्ष्मी पूजा में शंख विशेष रूप से रखते हैं। लक्ष्मी जी के साथ ही शंख की पूजा करने पर घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। मान्यता है कि समुद्र मंथन से शंख भी प्रकट हुआ था।
- इस महीने में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए, देर तक सोने से बचना चाहिए। इन दिनों में नदी स्नान की भी परंपरा है। अगर नदी स्नान नहीं कर सकते हैं तो अपने घर में ही नदियों का ध्यान करते हुए स्नान करना चाहिए। पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान कर सकते हैं।
- इस महीने में की गई पूजा-पाठ का पूरा फल तभी मिल पाता है, जब हम अधार्मिक कामों से दूर रहकर पूजन करते हैं। अगहन माह में घर में क्लेश न करें। शांति और प्रेम बनाए रखें। किसी भी तरह का नशा न करें। गुस्सा न करें, धैर्य के साथ अपने काम करते रहें।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

ये काली काली आंखें में अपने किरदार के लिए गुरमीत चौधरी ने घटाया 10 किलो वजन

अभिनेता गुरमीत चौधरी को ये काली काली आंखें के नए सीजन में अपने दमदार किरदार में देखा जा सकता है। अपने इस खास किरदार के लिए अभिनेता ने अपने हेयर स्टाइल से लेकर अपने वजन घटाने पर भी काम किया। सीरीज में इस खास किरदार निभाने को लेकर गुरमीत ने काफी मेहनत की है। अपनी भूमिका में जान डालने के लिए अभिनेता ने सख्त डाइट और हैवी वर्कआउट से अपना लगभग 10 किलो तक वजन घटाया। ये काली काली आंखें में काम करने और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता गुरमीत ने कहा, सीरीज में गुरु का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण था। इसके साथ ही यह बेहद रोमांचक भी रहा। मेरे निर्देशक सिद्धार्थ सेनगुप्ता के पास मेरे किरदार के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण था, जिसके लिए मुझे बड़े पैमाने पर तैयारी करनी पड़ी। आगे कहा, मैंने इसके लिए कई एक्टिंग वर्कशॉप में भाग लिया, अपने लंबे बाल छोटे करवाए और वजन घटाने के लिए सख्त डाइट का पालन किया। मनचाहा लुक पाने के लिए मैं रोजाना बांद्रा में दौड़ने जाता था और आखिरकार मैंने 10 किलो वजन कम कर लिया। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में काम करना मेरे लिए बेहद ही एक खास तरह का अनुभव था। मैं इसके लिए सिद्धार्थ सर का आभारी हूं , जिन्?होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझमें गुरु के किरदार को देखा। ये काली काली आंखें नेटफ्लिक्स पर एक रोमांटिक क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है जिसे सिद्धार्थ सेनगुप्ता ने बनाया और निर्देशित किया है। इस सीरीज में श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, सूर्या शर्मा, अरुणोदय सिंह और बृजेंद्र काला भी सहायक भूमिकाओं में हैं। इस सीजन में गुरमीत चौधरी की भी एंट्री हुई है, जो पूर्वा का दोस्त है और उसे सुरक्षित घर वापस लाने की कसम खाता है। यह अस्तित्व का एक खतरनाक खेल है, और इस सीजन में गुरमीत चौधरी की दमदार एंट्री के साथ, दांव और भी बढ़ गए हैं। एजस्टॉर्म वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, ये काली काली आँखें सीजन 2, 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ। गुरमीत ने 2009 की टेलीविज़न सीरीज़ रामायण में देबिना बनर्जी के साथ राम की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाई। इसमें देबिना ने सीता की भूमिका निभाई थी। अभिनेता ने गीत-हुई सबसे पराई, पुनर्विवाह, झलक दिखला जा, नच बलिए 6, फियर फैक्टर-खतरों के खिलाड़ी (सीजन 5) जैसे शो का हिस्सा ले चुके हैं। बॉलीवुड में गुरमीत की पहली फिल्म 2015 में आई थी।

सामंथा ने बताया कैसे तलाक के बाद ध्वस्त हो गईं जीवन से जुड़ी योजनाएं

सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्या ने साल 2021 में तलाक की घोषणा की थी। दोनों ने साल 2017 में शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया था, लेकिन उनका ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक सका। साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद अभिनेत्री ने अनुपमा चोपड़ा के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि जीवन के लिए उनके द्वारा बनाई गई सभी योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री तलाक को लेकर बात करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, मेरा मतलब है, 2021 में मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे लेकर वास्तव में मुझे कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी सभी सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। भविष्य में मेरे लिए जो कुछ भी है, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं बस इतना जानती हूं कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। अभिनेत्री ने तलाक के बाद हुई आलोचनाओं को लेकर कहा, मेरे बारे में बहुत सी ऐसी बातें कही गईं जो बिल्कुल झूठ थीं। मुझे याद है कि जब चीजें वास्तव में बहुत खराब थीं। मेरे खिलाफ पूरी तरह से झूठ फैलाए जा रहे थे, तब मैंने खुद से यह बातचीत की थी। कई बार ऐसा हुआ जब मैं सामने आकर कहना चाहती थी कि यह सच नहीं है, मैं आपको सच बताती हूं।

श्वेता त्रिपाठी की दर्शकों से गुजारिश

महिला केंद्रित कहानियों को कीजिए सपोर्ट

श्वेता त्रिपाठी ने कई फिल्मों और वेब सीरीज में उम्दा काम किया है। इस समय वह अपनी नई वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसमें उन्होंने काफी अलग रोल निभाया है। लेकिन इसके बावजूद वह मानती हैं कि अब भी महिला कलाकारों को उतने अच्छे रोल नहीं मिलते हैं, जितने की मिलने चाहिए। पुरुष कलाकारों को मिलती हैं अच्छी कहानियां हाल ही में एक इंटरव्यू में श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि पुरुष कलाकारों को बेहतर कहानियां मिलती हैं। इसलिए उनकी ख्वाहिश भी पुरुष किरदार निभाने की है। इसके अलावा वह दर्शकों से भी गुजारिश करती हैं कि महिला प्रधान फिल्मों और शो का समर्थन करें।

ये काली काली आंखें 2 के किरदार से खुश

श्वेता त्रिपाठी आगे कहती हैं कि मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार एक-दूसरे से अलग हों। वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2में शिखा का किरदार मुझसे बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद ले रही हूं। इस सीरीज की कहानी थ्रिलर वाली है, जिसमें श्वेता के साथ ताहिर राज नजर आ रहे हैं।

मिर्जापुर में किया था दमदार रोल

श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज मिर्जापुर में भी गोलू का किरदार निभाया था। इसमें वह काफी दमदार किस्म के किरदार को निभाती हुई दिखीं। दर्शकों ने उनको इस रोल में काफी सराहा। उनके साथ इस सीरीज में कई उम्दा कलाकार भी थे, जिसमें पंकज त्रिपाठी और अली फजल जैसे नाम शामिल रहे।

आगे भी अच्छा काम करेंगी

आगे भी श्वेता का मन अच्छी और बेहतरीन फिल्में करने का है। इस समय तो वह वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 पर ही ध्यान दे रही हैं। वह जानना चाहती हैं कि दर्शक इस सीरीज को कितना पसंद करते हैं। इस वेब सीरीज की सफलता श्वेता के करियर में बहुत ज्यादा ही मायने रखती है।

तापसी ने शाहरुख के व्यक्तित्व पर की बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जितनी तारीफें उनकी शानदार अभिनय क्षमता के लिए मिलती हैं, उतनी ही तारीफें उन्हें उनके व्यवहार के लिए मिलती है। हाल में ही शाहरुख के साथ फिल्म डंकी में काम कर चुकीं अभिनेत्री तापसी पन्नू ने उनकी तारीफ की है। उन्होंने किंग अभिनेता की बुद्धिमता, उनकी मौजूदगी आदि चीजों को लेकर बात की है। तापसी ने कहा कि शाहरुख में कुछ ऐसे गुण हैं, जो उनको दूसरों से अलग करते हैं। वो अपने आप में बेजोड़ हैं। तापसी ने डंकी के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत कम लोग हैं, जिनकी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति ही नहीं, बल्कि ऑफ-स्क्रीन उपस्थिति भी होती है। वे बहुत पढ़े-लिखे हैं और आपसे कोई भी गहन बातचीत कर सकते हैं। तापसी ने शाहरुख खान को एक संपूर्ण व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि शाहरुख के पास बेहतरीन सेंस ऑफ ह्यूमर है और उनका दिमाग बातचीत के दौरान काफी सक्रिय भी रहता है, जो उन्हें एक संपूर्ण व्यक्ति बनाती है, जो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री के अन्य लोगों से काफी अलग करती है। तापसी पहले ऐसी फिल्मी हस्ती नहीं हैं, जिन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार के व्यक्तित्व की तारीफ की।

तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे बाबिल-कृति

कला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता बाबिल खान अब बॉलीवुड में बड़ा धमाल मचाने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाबिल जल्द ही हिट तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। वह इस फिल्म में आनंद देवरकोंडा वाले किरदार को निभाते दिखेंगे। सूत्रों के अनुसार फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री की तलाश अभी जारी है। तेलुगु संस्करण में वैष्णवी चैतन्य की अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा था। वहीं, हिंदी संस्करण के लिए दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कृति शेट्टी के नाम की चर्चा जोरों पर है। बाबिल और कृति के फिल्म में नजर आने की फिलहाल कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, दोनों ही कलाकारों के एक साथ नजर आने की चर्चा से फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

सुपर 30 में दिख चुकी हैं कृति

माना जा रहा है कि बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए यह फिल्म बाबिल खान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कृति शेट्टी के लिए भी यह फिल्म बॉलीवुड रास्ते खोलने में कारगर साबित हो सकती है। इससे पहले कृति को सुपर 30 में एक छात्रा की भूमिका में देखा गया था।

द रेलवे मेन से बाबिल ने बटोरी थी सुर्खियां

वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछले साल बाबिल को वेब सीरीज द रेलवे मेन में देखा गया था। इस शो में दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी के बीच बाबिल ने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित इस शो में उन्होंने इमाद रियाज नाम के शख्स की भूमिका निभाई थी। वहीं, कृति को हाल ही में मलयालम फिल्म एआरएम में देखा गया था। यह इस इडस्ट्री में उनकी पहली फिल्म थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले से मुक्त होंगी जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज का नाम काफी समय से ठग सुकेश चन्द्रशेखर से जोड़ा जाता रहा है। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री ने हमेशा सुकेश के नाम से जुड़े सभी अवैध मामलों से अपने संबंधों से इनकार किया है। इस बीच, अभिनेत्री के वकील ने तर्क दिया है कि जैकलीन सुकेश के अवैध मामलों से अनजान थीं, और उन पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। जैकलीन फर्नांडीज के वकील ने दलील दी है कि उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह पैसे कमाने के उद्देश्य से किसी अपराध का हिस्सा नहीं थीं। फर्नांडीज का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र से संबंधित है। अग्रवाल ने आगे तर्क दिया कि फर्नांडीज को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्हें चंद्रशेखर से जो गिफ्ट मिले थे, वे ठगी के पैसे से खरीदे गए थे। उन्होंने कहा, आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता दिखाने के लिए ज्ञान आवश्यक है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने विजय मदनलाल चौधरी के मामले में पिछले फैसले का भी हवाला दिया, जिसका अर्थ है कि जांच के दौरान जब्त की गई सभी संपत्ति आवश्यक रूप से अपराध की आय नहीं है। अग्रवाल ने यह भी तर्क दिया कि एक ही तथ्य पर दो मामले नहीं चलाए जा सकते। उन्होंने कहा कि अदिति सिंह से जबरन वसूली के एक मामले में मकोका के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है और अभिनेत्री उस मामले में गवाह हैं। इसलिए, उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह किसी अपराध सिंडिकेट का हिस्सा नहीं हैं और उन्होंने इससे कोई आर्थिक लाभ नहीं उठाया है।

3 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

एएनआई के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब फर्नांडीज द्वारा उस आरोप पत्र के खिलाफ दायर याचिका में अपनी दलीलें पेश करेगा, जिसमें उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है, जहां ईडी के विशेष वकील की दलीलें सुनी जाएंगी।

इस वजह से मल्लिका शेरावत ने ठुकरा दी 'द रॉयल्स'

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी फीमेल लीड के रूप में नजर आईं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें शुरू में नेटफ्लिक्स शो 'द रॉयल्स' का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था। यह एक मॉडर्न इंडियन रोमांटिक कॉमेडी सीरीज है। इस शो में उन्हें ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका के लिए चुना गया था। आइए जानते हैं अभिनेत्री यह ऑफर क्यों ठुकरा दिया था। मल्लिका ने ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका को ठुकराने का कारण भी बताया। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, मुझसे कुछ वादा किया गया था और जो अनुवाद किया गया वह मुझे पेपर पर बहुत ही बेकार लगा। मुझे धोखा और निराश महसूस हुआ, इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले मल्लिका की टीम ने बताया, मल्लिका ने प्रोडक्शन टीम के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण फरवरी में इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। भूमिका शुरू में किए गए वादे के अनुरूप नहीं थी। कई चर्चाओं के बाद, उन्होंने आखिरकार इसे छोड़ने का फैसला किया। 'द रॉयल्स' में भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, चंकी पांडे और नोरा फतेही, चंकी पांडे और डिनो मोरिया, विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी अभिनेत्री की क्षमता का हुआ कम उपयोग मल्लिका ने यह भी साझा किया कि उन्हें लगता है कि कॉमेडी शैली में उनका कम उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा, लोगों ने अभी भी मेरी क्षमता का उपयोग नहीं किया है। मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मेरी कॉमिक टाइमिंग और मेरी क्षमता का अधिक से अधिक कॉमेडी में उपयोग करें, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना पसंद है। मुझे लगता है कि कॉमेडी में मेरा कम उपयोग किया गया है और मैं चाहती हूं कि इंडस्ट्री मुझे अधिक से अधिक कॉमिक भूमिकाएं दे। साथ ही, मैं अब ऐसी भूमिकाएं करना चाहती हूं, जिसमें दम हो।

फौजा के रीमेक पर राज शांडिल्य बोले

दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह पर आधारित फौजा के रीमेक को लेकर निर्माता राज शांडिल्य ने बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है, उन्हें यह फिल्म हिंदी सिनेमा में लाने पर गर्व है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्माता, राज शांडिल्य और विमल लाहोटी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'फौजा' का हिंदी में रीमेक के लिए टीम बनाई है। राज और विमल ने रीमेक के अधिकार हासिल कर लिए हैं। राज शांडिल्य के इस बड़े प्रोजेक्ट का निर्माण उनके बैनर कथावाचक फिल्म्स के तहत किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए शांडिल्य ने कहा, फौजा एक ऐसी कहानी है, जो भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है। मुझे हिंदी सिनेमा में फौजा लाने पर गर्व है। 'फौजा' वास्तव में असाधारण साहस और भावना की कहानी है, जो देश भर के दर्शकों के द्वारा अनुभव की जाने योग्य है। मेरा लक्ष्य भी यही है कि एक ऐसी फिल्म तैयार हो जो हिंदी भाषी दर्शकों के साथ ही सभी को पसंद आए। निर्माता विमल लाहोटी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह व्यक्त किया और कहा, फौजा' उत्कृष्ट क्षेत्रीय सिनेमा को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम प्रभावशाली कहानी कहने में विश्वास करते हैं और फौजा का हिंदी रीमेक असाधारण क्षेत्रीय सिनेमा को दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक कदम है। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। 'फौजा' का हिंदी में निर्माण एक ऐसी कहानी को फिर से बताने का एक अविश्वसनीय अवसर है, जिसने पहले ही कई लोगों के जीवन पर शानदार असर डाला है।